शनिवार
08 जून 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

नीतीश कुमार ने किया साफ... हम लोग पूरे तौर पर सब दिन पीएम मोदी के साथ ही रहेंगे

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

### एनडीए की बैठक में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार चुना गया संसदीय दल का नेता, अब सरकार बनाने का पेश होगा दावा

# हम विकास और गुड गवर्नेंस का नया अध्याय लिखेंगे: मोदी

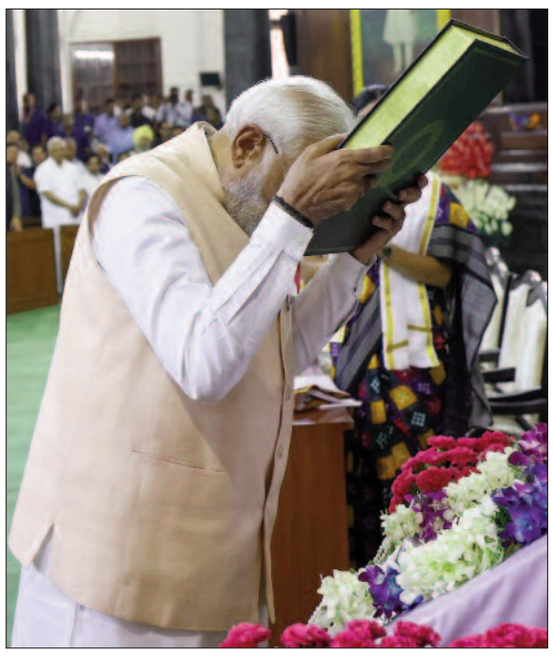

- नरेंद्र मोदी देश के दूसरे ऐसे नेता होंगे, जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे
- इससे पहले यह रिकॉर्ड पं जवाहर लाल नेहरू के नाम पर है
- मोदी, पीएम पद की शपथ लेते ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे

**एजेंसी/नई दिल्ली**

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। संसद के सेंट्रल हॉल में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगी है। इस बैठक के बाद एनडीए सरकार बनाने का दावा पेश करेगा। बैठक को संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया और सहयोगी दलों का आभार जताया। एनडीए का नेता चुने जाने के बाद नरेंद्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। वे देश के दूसरे ऐसे नेता बन जाएंगे, जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम पर है। मोदी, पीएम पद की शपथ लेते ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

मोदी ने कहा, मेरे लिए खुशी की बात है कि इतने बहुत बड़े समूह का आज स्वागत करने का अवसर मिला है। जो साथी जीतकर आए हैं, वे अभिनंदन के अधिकारी हैं। लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात परिश्रम किया है। कार्यकर्ता ने जो पुरुषार्थ और परिश्रम किया है, आज संविधान सदन के सेंट्रल हॉल से सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं।

## मेरे लिए सदन में सभी दल के प्रतिनिधि एक बराबर हैं

मोदी ने कहा, सदन में किसी भी दल का कोई भी जनप्रतिनिधि होगा, मेरे लिए सब बराबर हैं। जब मैं सबके प्रयास की बात करता हूं तो सदन में भी हमारे लिए सब बराबर हैं। यही वो बात है, जिसके कारण एनडीए 30 से वजूद में हैं। सबको गले लगाने में कोई कमी नहीं रखी है। उसी का परिणाम है कि जनता का विश्वास हमारे साथ है। मोदी ने कहा, मेरे लिए खुशी की बात है कि इतने बड़े समूह को आज मुझे यहां स्वागत करने का मौका मिला है। जो साथी विजयी होकर आए हैं वो सभी अभिनंदन के अधिकारी हैं। मैं एनडीए के सभी नेताओं का तहे दिल से स्वागत करता हूं।

## सब मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे

मोदी ने कहा, एनडीए सरकार में हम अगले 10 साल में गुड गवर्नेंस, विकास, सामान्य मानवीय जीवन में सरकार की दखल जितनी कम हो, उतना कम करने का प्रयास करेंगे। उसी से लोकतंत्र की मजबूती है। आज के टेक्नोलॉजी के युग में हम बदलाव चाहते हैं। मोदी ने कहा, हम विकास का नया अध्याय लिखेंगे। गुड गवर्नेंस का नया अध्याय लिखेंगे। जनता-जनार्दन की भागीदारी का नया अध्याय लिखेंगे और सब मिलकर के विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे। मोदी का कहना था कि एनडीए सरकार ने देश को गुड गवर्नेंस दिया है और एक प्रकार से एनडीए कहते ही गुड गवर्नेंस का पर्यायवाची बन जाता है। हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब कल्याण और गुड गवर्नेंस सर्वोपरि रहा है। जब भी सेवा करने का मौका मिला, एनडीए के प्रत्येक नेता ने पूरे भारत में सुशासन सुनिश्चित किया है। एनडीए सुशासन का पर्याय बन गया है।

## पिछले 10 साल में देश ने नई ऊंचाइयों को छुआ

मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हमने देश को सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने का काम किया. एनडीए के सभी नेतृत्व के बीच एक सामान्य बात मौजूद है- वो है सुशासन। मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि अगले 10 साल में गुड गवर्नेंस, विकास, नागरिकों के जीवन में क्वॉलिटी ऑफ लाइफ... मेरा व्यक्तिगत रूप से एक ड्रीम है। सामान्य मानवी के जीवन में से सरकार की दखल जितनी कम होगी, उतनी ही लोकतंत्र की मजबूती होगी। उन्होंने कहा, हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब का कल्याण रहा है। देश ने एनडीए के गरीब कल्याण और गुड गवर्नेंस को देखा है। देश ने इसे जीया है। जनता जर्नादन ने सरकार क्या होती है, सरकार क्यों होती है और किसके लिए होती है।

## लोगों ने एक बार फिर एनडीए को सेवा का मौका दिया है

मोदी ने कहा, हिंदुस्तान के इतने महान लोकतंत्र की ताकत देखिए कि एनडीए को आज देश के 22 राज्यों में लोगों ने सरकार बनाकर उनको सेवा करने का मौका दिया है। हमारा ये अलायंस सच्चे अर्थ में भारत की आत्मा है। मैं अपने निजी जीवन में जिम्मेदारी की गहरी भावना महसूस करता हूं। मैं जीवन में जिस चीज पर हमेशा जोर देता हूं- वो है विश्वास. आपने 2019 में मुझे अपना नेता चुना और आज 2024 में भी आपके चुने हुए नेता के रूप में यहां खड़े होकर मुझे लगता है कि हमारे बीच 'विश्वास का पुल' इतना मजबूत है। हिंदुस्तान की राजनीतिक इतिहास में और हिंदुस्तान की राजनीति के गठबंधन के इतिहास में प्री-पोल अलायंस इतना सफल कभी भी नहीं हुआ है, जितना कि एनडीए हुआ है। एनडीए के सत्ता प्राप्त करने का या सरकार चलाने का कुछ दलों का जमावड़ा नहीं है।

## हमारा गठबंधन भारत की आत्मा व इसकी जड़ों में रचा-बसा है

मोदी ने कहा कि हमारा अलायंस सच्चे अर्थ में भारत की आत्मा, भारत की जड़ों में रचा-बसा है, उसका एक प्रतिबिंब है। देश में 10 ऐसे राज्य हैं, जहां हमारे आदिवासी बंधुओं की संख्या प्रभावी रूप से है। निर्णायक रूप से है। जहां आदिवासियों की संख्या ज्यादा है, वहां 7 राज्यों में एनडीए सेवा कर रहा है। हम सर्वपंत-समभाव से समर्पित हैं। गोवा हो या नॉर्थ ईस्ट, जहां बहुत बड़ी संख्या में ईसाई समाज रहता है, उन राज्यों में भी एनडीए को सेवा का अवसर मिला है। मोदी ने कहा, सरकार चलाने के लिए बहुमत आवश्यक है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वमत बहुत जरूरी होता है। देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं, आपने जिस तरह बहुमत देकर सरकार चलाने का मौका दिया है, हम सब मिलकर सरकार चलाने का प्रयास करेंगे और देश के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

# इंडी गठबंधन ने लगातार देश को बांटने का प्रयास किया है: मोदी

**एजेंसी/नई दिल्ली**

एनडीए का नेता चुने जाने के बाद कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष और उनके इंडी गठबंधन को जमकर घेरा। उन्होंने ईवीएम को लेकर भी विपक्षी गठबंधन को जमकर खरी-खोटी सुनाई। पीएम मोदी ने कहा, "जब चार जून के नतीजे आए तो मैं काम में व्यस्त था। बाद में फोन आना शुरू हुए। मैंने कहा कि ये आंकड़े तो ठीक हैं, ये बताओ कि ईवीएम जिंदा है या मर गया? क्योंकि ये लोग तय करके बैठे थे कि भारत के लोकतंत्र और लोकतंत्र की प्रक्रिया से लोगों का विश्वास उठा दिया जाए। ये लगातार ईवीएम को गाली देते रहे। ये ईवीएम की अर्थी निकालने की तैयारी में थे। शाम आते-आते उनकी जुबान में ताले लग गए और ईवीएम ने उन्हें चुप करा दिया। यह ताकत लोकतंत्र और चुनाव आयोग की है। आशा करता हूं कि पांच साल ईवीएम नहीं सुनाई देगा, लेकिन 2029 में हम जाएं तो शायद ये फिर ईवीएम कहने लगेंगे।

चुनाव में हर तीसरे दिन सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाए गए ताकि चुनाव आयोग के काम में रुकावट आए। कैसे रुकावट डालें, इसका प्रयास करते रहे। चुनाव जब चरम पर थे, तब चुनाव आयोग की ताकत का बड़ा हिस्सा अदालतों में जा रहा था। कितनी निराशा थ उन लोगों में। देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

पीएम मोदी ने कहा, "जब 1 जून को मतदान प्रक्रिया पूरी हुई और 4 जून को नतीजे आए। उसके बीच योजनाबद्ध तरीके से देश को हिंसा की आग में झोंकने का काम हुआ। आप पहले भारत की लोकतंत्र व्यवस्था का अनादर करते हैं, फिर आग लगाने की बात करते हैं। उन्होंने लगातार देश को बांटने का प्रयास किया। ये नतीजे एनडीए की महाविजय है। आपने देखा कि दो दिन सब कैसे चला। जैसे हम हार चुके हैं, हम तो गए। उन्हें असल में अपने कार्यकताओं का मनोबल बढाना था तो काल्पनिक बातें कीं। गठबंधन के इतिहास में आंकड़ों के हिसाब से देखें तो यह गठबंधन की सबसे मजबूत सरकार है।

# विवादों के घेरे में नीट परीक्षा परिणाम, 67 बच्चों को मिले 720 में से 718 और 719 अंक

**एजेंसी/नई दिल्ली**

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जारी नीट परिणाम 2024 में इस साल 13 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की है, जिसमें से 67 उम्मीदवारों ने नंबर वन रैंक हासिल की है। इसी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने कैसे टॉप किया। साथ ही कई अन्य सवाल भी खड़े हो रहे हैं। कुछ बच्चों को 720 अंकों के पेपर में से 718 और 719 अंक भी मिले हैं। इस पर जानकारों ने सवाल उठाया है और उनका कहना है कि आखिर इतने नंबर्स कैसे मिल

गए। अब यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। छात्रों और जानकारों ने सवाल किया है कि आखिरकार 720 अंकों के पेपर में 67 छात्रों को 718 और 719 अंक कैसे मिल गए। उनका कहना है कि हर सवाल पर यहां पर चार अंक मिलते हैं। सही जवाब पर चार अंक और गलत जवाब पर एक अंक की नेगेटिव मार्किंग होती है। ऐसे में यदि कोई सभी सवाल सही करता है तो उसे 720 अंक मिलते हैं और कोई एक सवाल छोड़ता है तो उसे 716 अंक बनते हैं और एक सवाल का अगर किसी ने गलत जवाब दिया तो 715 अंक बनते हैं। ऐसे में सवाल बच्चों के 718 और 719 नंबर कैसे आ गए।

इन बच्चों को जो नंबर मिले हैं इस पर एनटीएल ने कहा कि जब यह एग्जाम हुआ था, तब कुछ बच्चों को देर से पेपर मिला था और इसकी वजह से ग्रेस मार्क्स दिए गए हैं। ग्रेस मार्क्स की वजह से ही यह फर्क दिख रहा है। कई जगह पर परीक्षा में समय की बबार्दी हुई थी और कुछ जगह पर 20 मिनट तक देरी से पेपर मिले थे, जिसकी शिकायत बच्चों ने एनटीएस से की थी और उसके बाद यहां पर ग्रेस मार्क्स दिए गए। उन बच्चों को जिनका वक्त बर्बाद हुआ था उनको ये गेस्ट मार्क्स जो है मिले हैं और इस वजह से 718 या 719 नंबर्स जो आए हैं ये उसकी वजह हो सकती है।

दरअसल नीट परीक्षा में केमिस्ट्री का एक प्रश्न था, जिसे लेकर विवाद हो रहा है। इस सवाल के दो जवाब सही होने पर सवाल उठे हैं. दरअसल, एनसीआरटी की एक पुरानी किताब में एक जवाब को सही बताया गया था और नई किताब में भी जो दूसरे जवाब को सही बताया गया था। इस वजह से जो अंक हैं उन दोनों जवाबों को देने वाले बच्चों को मिले और यहां पर इस तरह से 44 छात्रों को पूरे मार्क्स मिल गए और वो टॉपर बन गए। ऐसे में टॉपर ज्यादा हो गए. अब यह सवाल भी उठा कि इतने ज्यादा बच्चों ने टॉप आखिर कैसे कर लिया। इस पर तर्क दिया गया कि इसके पीछे परीक्षा आसान होने की वजह हो सकती है। रजिस्ट्रेशन में इस बार इजाफा हुआ, बड़ी संख्या में बच्चों ने अटेंप्ट किया था और इस वजह से नतीजे कुछ इस तरह के रहे हैं और बड़ी तादाद में बच्चों ने परीक्षा पास की।

# आज योजनाओं की समीक्षा करेंगे सीएम योगी

**एजेंसी/नई दिल्ली**

लोकसभा चुनावों में यूपी में मिली हार के बाद योगी सरकार एक्शन के मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों के साथ बड़ी बैठक करेंगे। चुनाव परिणाम आने के बाद होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री प्रदेश में भाजपा की हार के साथ ही सभी मंत्री के कार्यों की

समीक्षा करेंगे। लोकभवन में होने वाली इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्रियों के साथ राज्य मंत्रियों को बुलाया गया है। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा होगी और मुख्यमंत्री द्वारा अहम दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। इसके अलावा रिक्त सरकारी पदों पर भर्तियों को लेकर भी निर्देश दिए जा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन सीटों पर विशेष चर्चा होगी जहां पर मंत्रियों की हार हुई है। सरकार के अलावा संगठन के स्तर पर भी जल्द ही बैठक का आयोजन होना है।

### प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण इलाज और मानकों को पूरा करने पर मिला राष्ट्रीय प्रमाण पत्र

# उत्तर प्रदेश: हेल्थ सेक्टर में 35 हेल्थ यूनिट्स को मिला 'एनक्वास'

**केटी न्यूज/लखनऊ**

योगी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के योगी सरकार के प्रयास का ही नतीजा है कि प्रदेश की 35 और स्वास्थ्य इकाइयों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) सर्टिफिकेट मिला है। इसके साथ ही प्रदेश में एनक्वास प्रमाणित स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या बढ़कर 217 पहुंच गई है। यह प्रमाण पत्र प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण इलाज, स्वास्थ्य के मानकों को पूरा करने एवं उस पर खरा उतरने पर मिला है। बता दें कि एनक्वास के तहत स्वास्थ्य इकाइयों की सेवा गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए किए गए ठोस प्रयासों से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक डा. पिंकी जोवल ने हाल ही में प्रदेश के सभी अपर निदेशकों व सीएमओ को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है कि वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत और वर्ष 2026 तक सभी स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास प्रमाणित कराने के निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में अपने कार्य को गति दें।

## स्वास्थ्य सेवाओं में दिखने लगा योगी की नीतियों का असर

एनएचएम की मिशन निदेशक ने बताया कि सीएम योगी की नीतियों का असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में दिखने लगा है। इसके तहत प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों में प्रदेशवासियों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज दिया जा रहा है। यही वजह है कि पिछले पांच माह में 35 स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास प्रमाण पत्र मिला है, जिसमें 32 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। एनएचएम के महाप्रबंधक क्वालिटी एश्योरेंस डॉ. निशांत कुमार जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष एनक्वास पाने वाली सीएचसी में वाराणसी की चोलापुर और रामपुर की बिलासपुर सीएचसी शामिल हैं। इसके साथ ही प्रदेश में एनक्वास प्रमाणित स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या बढ़कर 217 पहुंच गई है। एनक्वास प्रमाण पत्र के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता डॉ. मुस्तफा खान ने बताया कि एक बार जब किसी स्वास्थ्य इकाई को एनक्वास प्रमाणपत्र मिल जाता है तो यह निश्चित है कि वहां आने वाले सभी रोगियों के लिए अंतरराष्ट्रीय संचालन प्रक्रिया और मानक उपचार दिशानिदेर्शों का पालन होगा। इसका मतलब है कि सभी रोगियों को यह विश्वास हो जाता है कि उनका इलाज उसी प्रक्रिया से किया जा रहा है, जिस प्रक्रिया से अमेरिका या ब्रिटेन में किसी अन्य रोगी का इलाज किया जा रहा है।

## एनक्वास पाने वाली स्वास्थ्य इकाइयों में राजधानी अव्वल

प्रदेश में अब तक कुल 95 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 122 अन्य स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास प्राप्त हो चुका है। इनमें लखनऊ में अब तक सबसे अधिक 15 स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास मिला है। इस संबंध में बलरामपुर अस्पताल के निदेशक डॉ. पवन कुमार अरुणा ने बताया कि एनक्वास मिलने के बाद उनके अस्पताल में मरीजों के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं। आईसीयू अपडेट हुआ है। अस्पताल का जो स्टाफ एनक्वास पाने की प्रक्रिया में शामिल था, उन सबमें जिम्मेदारी की भावना बढ़ी है। इनमें पहले स्थान पर राजधानी है। वहीं दूसरे नंबर पर प्रयागराज है, जहां 12 स्वास्थ्य इकाइयों को अब तक एनक्वास मिल चुका है।

# खुशखबरी... चार महीने के अंदर डॉक्टर, नर्स सहित 45 हजार से अधिक पदों पर होगी बहाली

केटी न्यूज/पटना

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे बिहार के छात्रों के लिए अच्छी खबर है। आदर्श आचार संहिता खत्म हो गया है अब बिहार सरकार नियुक्तियों का पिटारा खोलने जा रही है। बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग में बंपर बहाली निकालने जा रही है। अगले चार महीने के भीतर डॉक्टर, नर्स सहित 45 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां की जाएगी।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इस बात का ऐलान किया है। लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण नियुक्तियों पर रोक लगी हुई थी। चुनाव खत्म होते ही आचार संहिता भी समाप्त हो गया है। अब बिहार सरकार नियुक्तियों का

पिटारा खोलने जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बिहार के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में विभागीय मंत्री मंगल पान्डेय ने यह भी कहा कि जितने भी पद खाली है उन्हें चार महीने के भीतर भरा जाए। उन्होंने कहा कि मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा देने के साथ-साथ प्रदेश में रोजगार मुहैया कराना बिहार सरकार की पहली प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग की बैठक में अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सचिव संजय कुमार सिंह, सचिव शशांक शेखर, अमिताभ सिंह, सुहर्ष भगत, धर्मेंद्र सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

### स्वास्थ्य विभाग में इन रिक्त पदों पर होगी बहाली

सहायक प्राध्यापक - 1339
विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी - 3523
सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी - 396
सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी (संविदा) - 1290
दन्त चिकित्सक - 64
ई.सी.जी. तकनिशियन - 163
लैब टेक्नीशियन - 3080
सी.एच.ओ. (संविदा) - 4500
ड्रेसर - 1562
नर्स - 6298
ए.एन.एम. - 15089
फार्मासिस्ट - 3637
एक्स-रे तकनिशीयन - 803
ओ.टी. असिस्टेन्ट - 1326
सिस्टर ट्यूटर - 362

## पंचायती राज विभाग में 15,610 पदों पर होगी नियुक्ति

**पटना।** लोकसभा चुनाव के खत्म होने और आदर्श आचार संहिता के खत्म होने के बाद बिहार में जॉब की बहार आ गई है। बिहार सरकार का पंचायती राज विभाग पंद्रह हजार से भी ज्यादा पदों पर नियुक्ति करेगा। यह जानकारी विभाग के मंत्री केदार गुप्ता ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि ये नियुक्तियां विभिन्न पदों पर होंगी।

मंत्री केदार गुप्ता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इनमें 4351 स्थाई पदों पर जबकि संविदा पर 11,259 पदों पर नियुक्ति होगी। विभाग की तरफ से कुल 15,610 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

जानकारी के अनुसार स्थाई पदों पर होने वाली नियुक्ति में पंचायत राज पदाधिकारी के पद के लिए 112, अंकेक्षक के पद पर 28, पंचायत सचिव के पद पर 3525, निम्न वर्गीय लिपिक (क्षेत्रीय स्थापना) 504, निम्न वर्गीय लिपिक (मुख्यालय स्थापना), 01, कार्यालय परिचारी 05, जिला परिषद कनीय अभियंता 104, जिला परिषद में निम्न वर्गीय लिपिक के लिए 72 पदों पर नियुक्ति होगी। वहीं मंत्री केदार गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि अस्थाई पद (संविदा) के तहत लेखापाल सह आईटी सहायक के लिए 7070, तकनीकी सहायक के लिए 556, कार्यालय सहायक /डाटा इंट्री ऑपरेटर के लिए 03, ग्राम कचहरी सचिव के लिए 1400 और ग्राम कचहरी न्यायमित्र के लिए 2230 पदों पर नियुक्ति होगी। उन्होंने यह भी बताया कि नियुक्ति के लिए अधियाचना संबंधित को भेज दी

## खबरें फटाफट

### सनकी प्रेमी ने प्रेमिका सहित उसकी बहन को मारा चाकू

**पटना।** दीघा थाना क्षेत्र के राम जी चक इलाके में एक सनकी प्रेमी ने अपने प्रेमिका को चाकू से गोद दिया। विरोध करने पर उसकी बड़ी बहन पर भी हमला कर दिया। इससे दोनों बहन जख्मी हो गई है। दो एफसीनों को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया है। आरोपी की पहचान गोविंद के रूप में हुई है। गोविंद शुक्रवार को करीब 11 बजे प्रेमिका के घर में घुस कर वारदात को अंजाम दिया। घायलों की बहन ने बताया कि उसकी बहन पूजा का छेका कुछ दिन पहले ही हुआ था। शादी रोकने के लिए आरोपी गोविंद ने दीदी के मंगेतर के घर भी फोन कर दिया था। उसने कहा था कि इस लड़की से शादी मत करना। कई लड़कों से बातचीत करती है। इसको लेकर गोविंद और पूजा के परिजनों के बीच नोकझोंक भी हुई थी।

### मंत्री नितिन नवीन ने विभिन्न क्षेत्रों में नाले का किया निरीक्षण

**पटना।** बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन ने नगर आयुक्त और नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर समेत कई अधिकारियों के साथ मंदिरि नाला का निरीक्षण किया। इस दौरान नितिन नवीन ने कहा सैदपुर नाला, मंदिरी नाला और बाकरगंज नाला का काम नगर विकास विभाग से काम चल रहा है। इन सब नाले का काम का समीक्षा कर रहे हैं और बरसात के पूर्व जल जमाव के निकासी के लिए बड़े नालों की उड़ाही होती है उसकी भी समीक्षा कर रहे हैं। पटना में जल जमाव के लिए बड़े नाले बहुत बड़ा कारण बनते हैं। इसलिए नालों की उराही और जो काम चल रहे हैं उसकी गुणवत्ता को भी देख रहे हैं। नितिन नवीन ने कहा अभी तक काम का स्पीड ठीक है। परन्तु 15 जून के पहले जो भी काम है कर लेना है। मानसून में 3 महीने का काम रूकेगा ही क्योंकि बरसात के दिनों में इन एरिया में काम करेंगे तो पीछे का इलाका डूब जाएगा। वही नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर ने कहा मंदिरी नाले की परिकल्पना जो की गई थी। जब मंत्री नितिन नवीन यहां के विधायक थे उस समय प्रस्ताव आया था और उस समय स्वीकृत की गई जो भी निर्देश मंत्री नितिन नवीन के द्वारा दिया गया है की काम को दुगनी तिगुनी गति से काम करें।

## एनडीए संसदीय दल की बैठक में सीएम नीतीश ने की पीएम की तारीफ

# नीतीश कुमार ने किया साफ... हम लोग पूरे तौर पर सब दिन पीएम मोदी के साथ ही रहेंगे

- नीतीश कुमार जब पीएम मोदी से मिलने पहुंचे तो उन्होंने उनके पैर छूए, उसके बाद दोनों ने हाथ मिला एक दूसरे का अभिनंदन किया

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। नीतीश ने नरेंद्र मोदी के नाम के प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए कहा, खुशी की बात है कि 10 साल से ये प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। उन्होंने देश की सेवा की है। अब पूरा भरोसा है कि जो भी बचा है, अगली बार ये सब पूरा कर देंगे। जो भी हर राज्य का है, वह भी। हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। पूरे तौर पर जो भी कुछ करेंगे, जिस तरह से ये करेंगे, सब अच्छा है। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार जब पीएम मोदी से मिलने पहुंचे तो उन्होंने पैर भी छूए और उसके बाद दोनों ने हाथ मिलाकर एक

दूसरे का जोरदार तरीके से अभिनंदन किया।

इस मौके उन्होंने कहा, हमको तो लगता है कि जब अगली बार आप आइएगा न, इस बार जो लोग कुछ इधर-उधर जीत गया है, अगली बार वो सब हारेगा। हमें पूरा भरोसा है। ये सब बिना मतलब का बात गोल-मोल करके क्या किया है? उन लोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया, कोई देश सेवा नहीं की। आपने इतनी सेवा की है। उसके बाद इस तरह हुआ है। इस बार जो मौका है, उसके बाद आगे कुछ नहीं होगा, उन लोगों के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहेगा। वो सब लोग हारेंगे। उधर बिहार का भी सब काम हो ही जाएगा। जो कुछ बचा है, हम वो भी कर देंगे। देश का सबसे पुराना इलाका है। हम लोग पूरे तौर पर, जो आप चाहिएगा, उस काम के लिए हम लगे रहेंगे।"

बहुत अच्छा हुआ, हम जितने साथ हैं, बहुत अच्छा है। हम मिलकर चलेंगे, हम पूरा आपके साथ रहेंगे। आप पूरे देश को लेकर आगे बढ़ेंगे, यही हम लोगों को कहना है। मेरा आग्रह यही है कि जल्दी से जल्दी आपका काम शुरू हो जाए, शपथ ग्रहण हो जाए। आप इतवार को करने वाले हैं। हम तो चाहते थे कि आज ही हो जाता तो अच्छा था। जितना तेजी से काम हो जाएगा तो अच्छा है। सब बहुत अच्छा होगा। पूरे देश में इसका बहुत ज्यादा फायदा होगा। इधर-उधर कोई करना चाहे तो उसे कोई लाभ नहीं है। इसलिए आपका अभिनंदन करता हूं।

### नई सरकार से देश को बहुत ज्यादा फायदा मिलेगा

नीतीश ने इशारों इशारों में स्पेशल स्टेटस पर बोलते हुए कहा कि बिहार और देश का सब काम तो हो ही जाएगा। जो कुछ बचा हुआ है उसको भी कर देंगे। नीतीश ने नरेंद्र मोदी से कहा कि जो आप चाहिएगा हम करेंगे। जितने लोग साथ आए हैं,यह बहुत अच्छा है। हम तो चाहते थे कि आज ही शपथ ग्रहण हो जाए लेकिन आप रविवार को कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि नई सरकार से देश को इस बार बहुत ज्यादा फायदा मिलेगा।

### बैठक में पहले क्या हुआ?

एनडीए संसदीय दल की बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने लोकसभा में राजग और भाजपा के नेता के रूप में नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह, नितिन गडकरी और राजग के साथी तेदेपा के चंद्रबाबू नायडू, जदयू के नीतीश कुमार, शिवसेना के एकनाथ शिंदे समेत अन्य नेताओं ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

## जमीन के बदले नौकरी मामले में फाइनल आरोप पत्र दाखिल

### लालू परिवार पर फिर मुसीबतों का बादल

केटी न्यूज/ पटना

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार बहुत बड़ी मुश्किल में घिरता दिख रहा है। सीबीआई ने जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ फाइनल आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। यह आरोप पत्र 38 उम्मीदवारों और अन्य व्यक्तियों सहित 78 आरोपियों के खिलाफ दाखिल किया गया है। सीबीआई ने अदालत को बताया कि सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी का इंतजार है। अदालत 6 जुलाई को आरोप पत्र पर विचार करेगी।

सीबीआई द्वारा विशेष अदालत को सौंपी गई अंतिम रिपोर्ट में उन सभी रेलवे जोन को शामिल किया गया है, जहां लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर जमीन लिये जाने के एवज में नौकरी दी गई थी। अधिकारियों ने कहा कि विशेष अदालत छह जुलाई को इस रिपोर्ट पर विचार करेगी। एक अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपियों ने रेलवे अधिकारियों के साथ साजिश रची और अपने या अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम जमीन लेने के एवज में व्यक्तियों की भर्ती की। यह भूमि तत्कालीन सर्किल दर से कम कीमत पर और बाजार दर से भी बहुत कम कीमत पर हासिल की गई थी।

नौकरी के लिए जमीन घोटाले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव आरोपी हैं। सीबीआई के मुताबिक, दूसरी चार्जशीट 17 आरोपियों के खिलाफ है, जिसमें तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री, उनकी पत्नी, बेटे, पश्चिम मध्य रेलवे के तत्कालीन जीएम, डब्ल्यूसीआर के दो सीपीओ, निजी व्यक्ति, एक निजी कंपनी आदि शामिल हैं।

## सेंट्रल बैंक लूटकांड का खुलासा सारण पुलिस ने चार को दबोचा

केटी न्यूज/पटना

छपरा के अमनौर स्थित सेंट्रल बैंक में बीते 3 जून को अपराधियों ने दिनदहाड़े करीब 10 लाख रुपये लूट लिया था। सोमवार की दोपहर अपहर गांव स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 4 बाइक पर सवार 10 अपराधी पहुंचे और बैंक में घुसकर लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गये थे। लूट की इस घटना का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। पुलिस ने लूट की राशि, मोबाइल और अवैध देसी कट्टा के साथ 4 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने बताया कि अमनौर थानान्तर्गत ग्राम अपहर स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 8 अज्ञात हथियारबंद अपराधी हथियार का भय दिखाकर बैंक कर्मी और ग्राहकों को बंधक बना 8,94,988 रूपया, तीन मोबाईल लूटकर फरार हो गये थे। इस संबंध में अमनौर थाना कांड संख्या-164/24 दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक,सारण के निर्देश पर एक विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। घटना के 72 घंटे के अंदर इस मामले का खुलासा किया गया। पुलिस ने बताया कि को गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम मनी सिरिसिया थाना अमनौर से अपराध की योजना बनाते तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था जबकि इस दौरान दो अपराधी भागने में सफल हो गये।

जब गिरफ्तार तीन अपराधियों से पूछताछ की गयी तब इन लोगों ने बैंक लूटकांड में अपनी संलिप्ता की बात कही। सेंट्रल बैंक में लूटी गई राशि में से 2,40,050 रुपए, घटना में प्रयुक्त 01 बजाज पल्सर मोटरसाईकिल, 02 देसी कट्टा, 04 जिंदा कारतूस, 01 लूटी गई मोबाईल, घटना के समय पहने कपड़े को बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मनीष राय, जानू कुमार साह और पिन्टु कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस कांड का मुख्य सरगना प्रितम कुमार घटना के बाद पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर भाग गया था। जिसे तकनीकी सहयोग के आधार पर दक्षिणी दिनाजपुर से गिरफ्तार किया गया है। उसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर उसके घर से लूट का नगद 22,000 रूपया, दो देसी कट्टा, 04 बारह बोर का कारतूस एवं तीन 0.315 बोर का कारतूस बरामद किया गया।

## बिना वीजा के नेपाल के रास्ते भारत में घुसा चीनी नागरिक गिरफ्तार

**पटना।** बिना वीजा के भारत में प्रवेश करने वाले चीनी नागरिक को बिहार पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले से गिरफ्तार किया है। चीनी नागरिक पहले नेपाल पहुंचा था फिर बस पर सवार होकर मुजफ्फरपुर पहुंचा। मुजफ्फरपुर में जैसे ही वो बस से उतरा तभी कुछ लोगों को उस पर शक हो गया। लोगों ने तुरंत इस बात की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चीनी घुसपैठिया को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

मुजफ्फरपुर की ब्रह्मपुरा थाने की पुलिस ने जब चीनी नागरिक से पूछताछ की तब वह किसी का बात नहीं समझ रहा था और ना ही कोई उसका बात समझ पा रहा था। उसके पास से मिले पासपोर्ट में नाम ली जियाकी और उम्र 63 साल लिखा मिला। वह चीन के शेडोंग प्रांत के कैंगशान काउंटी शहर के दाजहोंग गांव का निवासी है। चीनी घुसपैठिया के पास से मिले डॉक्यूमेंट्स से पता चलता है कि वह एक जून को चीन से नेपाल आया था। चार दिनों तक नेपाल में रुकने के बाद वह वीरगंज से बस पकड़कर बुधवार को मुजफ्फरपुर पहुंचा था। उसके पास से चीन का एक मैप भी बरामद किया गया है।

### पटना हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग को दिया बड़ा झटका

# माध्यमिक शिक्षा विभाग के आदेश पर लगी रोक

- शिक्षा विभाग ने निर्देश दिया था कि छात्रों का उसी सरकारी विद्यालय में इंटरमीडिएट कक्षाओं में नामांकन लेना है जहां से छात्रों ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की है

केटी न्यूज/पटना

पटना हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग को बड़ा झटका देते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग के उस आदेश पर रोक लगा दी है। जिसमें बिहार सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने जारी 8 मई के उस आदेश पर रोक लगा दी है। जिसके तहत माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बीएसईबी को यह निर्देश दिया था कि वह छात्रों का उसी सरकारी विद्यालय में इंटरमीडिएट कक्षाओं में नामांकन ले, जहां से छात्रों ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की है। दरअसल, पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार

के माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी 8 मई के उस आदेश पर रोक लगा दी है। जिसके तहत माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बीएसईबी को यह निर्देश दिया था कि वह छात्रों का इस सरकारी स्कूलों में इंटरमीडिएट कक्षाओं में नामांकन ले जहां से छात्रों ने मैट्रिक परीक्षा पास की है। पटना उच्च न्यायालय ने 6 सप्ताह में प्रतिवादियों को अपने-अपने जवाब देने का निर्देश दिया है।

वहीं, पटना हाई कोर्ट द्वारा बिहार सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग के जारी आठ मई, 2024 के उस आदेश पर तत्काल रोक लगा दी गई है, जिसके तहत माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को निर्देश दिया था कि वह छात्रों का उसी सरकारी विद्यालय में इंटरमीडिएट कक्षाओं में नामांकन ले, जहां से छात्रों ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

जज राजीव रंजन प्रसाद की एकल पीठ ने छह सप्ताह में सभी प्रतिवादियों को अपने-अपने जवाबी हलफनामे दायर करने का निर्देश भी दिया है। कोर्ट ने निधि कुमारी समेत दूसरे लोगो की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बिहार माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिया कि वह छात्रों के आवेदन पत्र में दिए गए विकल्प के आधार पर कक्षा 11वीं में नामांकन के लिए सीटें आवंटित करे और छात्रों को उसी सरकारी स्कूल में प्रवेश लेने के लिए बाध्य न करे जहां से उन्होंने 10वीं की परीक्षा पास की है। न्यायालय ने माना कि उक्त पत्र के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा विभाग ने छात्रों के अपनी पसंद के संस्थान में नामांकन लेने के अधिकार पर रोक लगा दी है। माना जा रहा है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग का यह फैसला कानून के हिसाब से सही नहीं है। इस मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद की जायेगी।

# जिले में आशा कार्यकताएं नवदंपतियों को घर-घर जाकर देंगी नई पहल किट

केटी न्यूज/बक्सर

♦ स्वास्थ्य विभाग और जीविका के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया कार्यक्रम, 2135 लाभुकों के बीच होगा किट का वितरण

जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण के उद्देश्य के लिए स्वास्थ्य विभाग के स्तर पर समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। ताकि, परिवार नियोजन के संबंध में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें नियोजन के साधनों के इस्तेमाल के प्रति प्रेरित किया जा सके। इस क्रम में गत दिनों जिले के नवदम्पतियों के बीच नई पहल किट का वितरण किया जा रहा है। ताकि, नव दंपतियों को परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों के प्रति जागरूक किया जा सके। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम मिशन के तहत परिवार नियोजन की सामग्री से युक्त इस किट में स्त्री-पुरुष के लिए प्रसाधन सामग्री के साथ ही परिवार नियोजन की सामग्रियों को शामिल किया गया है।

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण के उद्देश्य के लिए स्वास्थ्य विभाग ने इस योजना के तहत एक पहल है। जिसमें नवविवाहित दंपतियों को घरद्दघर जाकर नई पहल किट देने की जिम्मेदारी आशा कार्यकताओं को दी गयी है। विभाग ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के तहत यह पहल की है। इस किट में स्त्री, पुरुष के लिए प्रसाधन की सामग्री के साथ ही परिवार नियोजन की सामग्री भी रखी गई है। आशा कार्यकताएं अपने क्षेत्र में घूम-घूमकर नवविवाहित जोड़ों का पता लगायेंगी और उन्हें किट उपलब्ध करायेंगी। वो उन दंपतियों को परिवार नियोजन के संबंध में पूरी जानकारी भी देंगी।

**नयी पहल कीट में अस्थाई साधनों के साथ दिया जायेगा पत्र :** डीसीएम हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि उक्त कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और जीविका के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में कुल 2135 किट का वितरण किया जायेगा। परिवार कल्याण विभाग की ओर से दी जाने वाले किट में एक बधाई पत्र, जूट का बैग, विवाह पंजीकरण फॉर्म, एक पंपलेट, कंडोम किट, गर्भ निरोधक गोलियां, तौलिया, परफ्यूम, आईना, कंघी, रुमाल, जानकारी कार्ड, आशा कार्यकर्ता व एएनएम के मोबाइल नंबर, गर्भ जांच कीट एवं इमरजेंसी कंट्रासेप्टिव पिल्स रखा गया है। उन्होंने बताया कि किट में स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक पत्र भी है, जिसमें परिवार नियोजन के फायदे के बारे में बताया गया है। पत्र का उद्देश्य नवविवाहित जोड़ों को जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए सचेत करना है। वहीं, इसके साथ-साथ दो बच्चों तक ही परिवार को सीमित रखने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

**आशा कार्यकताएं शगुन के रूप में देंगी नई पहल किट :** सदर प्रखंड के बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि पड़ोस की आशा कार्यकताएं अपने क्षेत्र के विवाहित जोड़ों को शगुन के रूप में नई पहल किट देगी। साथ ही, आशा नवविवाहितों को कीट में उपलब्ध परिवार नियोजन के साधनों के विषय में जानकारी भी प्रदान कर करेंगी। इसके लिए सदर प्रखंड समेत सभी प्रखंडों का उन्मुखीकरण किया जा चुका है। ताकि, वो क्षेत्र में जाकर नव दंपतियों को प्रेरित कर सकें। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकताओं को कीट में मौजूद साधनों के इस्तेमाल के विषय में बताया गया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आशाएं नवविवाहित जोड़ों को परिवार नियोजन साधनों के विषय में सटीक जानकारी उपलब्ध करा पाएं।

### परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों के फायदे

- मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी
- प्रजनन संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं से बचाव
- अनचाहे गर्भ से मुक्ति
- एचआईवी-एड्स संक्रमण से बचाव
- किशोरावस्था गर्भधारण में कमी
- जनसंख्या स्थिरीकरण में सहायक

## एक नजर

### राजपुर में वितरण को पहुंची धान की उन्नत बीज, कृषि कर्मी करेंगे प्रचार-प्रसार

**राजपुर।** प्रखंड के ई किसान भवन में प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार मांझी की अध्यक्षता में कृषि कर्मियों के साथ बैठक की गई, जिसमें खरीफ व कृषि योजनाओं पर समीक्षा बैठक की गयी। बताया गया कि खरीफ मौसम में विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए कृषि विभाग के तरफ से कई योजनाओं को लागू किया गया है। वही, बताया गया इस बार सरकार द्वारा खरीफ फसल में धान के उन्नत बीज वितरण को भेजा गया है। जिसे किसानों तक पहुचाने के लिए कृषि कर्मियों को प्रचार-प्रसार का टास्क दिया गया। कृषि पदाधिकारी ने बताया कि राजपुर में धान की खेती के लिए इस बार 21232 हेक्टेयर भूमि पर खेती का लक्ष्य रखा है। जिसके लक्ष्य के अनुरूप मुख्यमंत्री बीज वितरण योजना के तहत धान के तीन प्रजाति विभाग के पास उपलब्ध कराई गई है। जो विशेष तौर पर उन्नत किस्म का बीज है। जिसकी मुख्य विशेषता यह है कि यह अधिक पानी लगने एवं सुखा हो जाने पर भी इसके पौधों पर किसी प्रकार का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। गलका जैसी बीमारी का भी प्रभाव इस पौधे पर नहीं रहता है। इन बीजों में स्वर्णा सब वन, सबौर श्री, सबौर संपन्न, प्रजाति का बीज उपलब्ध है। जिस किसानों ने बीज के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। उनको बीज दिया जा रहा है। वही, बाजरा एवं ज्वार की खेती के लिए 25 एकड़ का लक्ष्य तय किया गया है। मोटे अनाज के लिए किसान खेती कर अपने बेहतर स्वास्थ्य को बना सकते हैं। बैठक में कृषि समन्वयक संजय सिंह, दिलीप कुमार सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह, राकेश कुणाल, किसान सलाहकार ऋषि मुनि सिंह, पूणानंद मिश्रा, मुकेश सिंह, संजय ओझा, देवधारी सिंह के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

### छापेमारी में फरार वारंटी धराया, भेजा जेल

**डुमरांव।** डुमरांव पुलिस ने फरार चल रहे एक वारंटी को पकड़ने में सफलता पायी है। पकड़े गये वारंटी की पहचान अपकारी गली का रहने वाला योगी पासी के पुत्र निर्मल कुमार पासी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष अनीषा राणा ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ एक मामले में न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। जिसके आलोक में पुलिस की टीम ने छापेमारी कर आरोपी को धर दबोचा और कागजी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि फरार वारंटी अपने घर आया है। जिसके बाद एक टीम गठित कर उसे गिरफ्तार करने के लिए भेजा गया। टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

### देसी शराब के साथ तस्कर धराया, बाइक जब्त

**डुमरांव।** अनुमंडल के कोरानसराय पुलिस ने शुक्रवार की सुबह गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कोपवां गांव स्थित नहर पुल के समीप सड़क पर बाइक में लदे देसी शराब के साथ एक तस्कर को दबोचने में कामयाबी पायी है। तस्कर बाइक पर शराब की खेप लेकर कहीं जाने वाला था। इसी दौरान पुलिस ने जाल बिछाते हुए उक्त सड़क पर गश्ती बढा दी। इसी दौरान एक बाइक सवार आते दिखा। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो बाइक की गति बढ़ा भागने लगा, जिसे पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो बाइक पर लदे झोला में रखे गए 15 लीटर देसी शराब बरामद हुआ। पुलिस ने शराब को जब्त करते हुए तस्कर के खिलाफ शराबबंदी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान कोपवां गांव निवासी दूधनाथ राम के पुत्र वीरेंद्र राम के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

## खबरें फटाफट

### 45 लीटर महुआ शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

**नावानगर।** स्थानीय थाना क्षेत्र के अतिमी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर 45 लीटर महुआ शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी उक्त गांव के सोहराई राम बताया जाता है। थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी, कि अतिमी गांव में शराब की बिक्री हो रहा है। सूचना पर पुलिस ने उक्त गांव छापेमारी किया। जहां गिरफ्तार कारोबारी ने के घर से 45 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया है।

### मारपीट में महिला समेत तीन जख्मी

**सिमरी।** रामदास राय के डेरा ओपी क्षेत्र के सूचित के डेरा गांव में जमीन विवाद को लेकर शुक्रवार की सुबह दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष की ओर से मोटा यादव मल्लू यादव सहित आशा देवी नामक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना में घायल हुए सभी लोगों का इलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराई गई। वहीं घटना की पुष्टि करते हुए पुलिस ने बताया कि घटना को लेकर घायल पक्ष की ओर से फिलहाल शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत प्राप्त होने के बाद नाम जड़ों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

### जनता दरबार में आए 21 मामले

**बक्सर।** शुक्रवार को डीएम अंशुल अग्रवाल ने समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जनता दरबार को आयोजन किया। इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडो से कुल 21 फरियादी आए थे। डीएम ने सभी 21 आवेदनों पर सुनवाई की एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। भीषण गर्मी में डीएम द्वारा जनता दरबार का आयोजन किए जाने से फरियादी खुश नजर आ रहे थे। जनता दरबार में उम्मीद के मुताबिक काफी कम फरियादी जुटे थे। गौरतलब है कि राज्य सरकार के निर्देश पर हर सप्ताह डीएम के जनता दरबार का आयोजन होता है। जिसमें विभिन्न इलाकों के फरियादी अपनी फरियाद लेकर जाते है।

## निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिलाधिकारी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी

# शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराया गया चुनाव : डीएम

♦ उड़नदस्ता दल ने कुल 4,88,71,510 रु. मूल्य की वस्तुएं की जब्त

केटी न्यूज/बक्सर

लोक सभा आम निर्वाचन संपन्न होने पर भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। प्रेस कांफ्रेंस में डीएम ने बताया कि बक्सर लोक सभा संसदीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन को सम्पन्न कराया गया। गुरूवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता के प्रभाव की समाप्ति के संबंध में सूचित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार चुनाव समाप्ति पर प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की गई।

**आदर्श आचार संहिता लागू होते ही उड़नदस्ता दल को किया गया सक्रिय :** डीएम ने बताया कि 16 मार्च को आदर्श आचार संहिता के लागू होने के पश्चात उड़नदस्ता दल को सक्रिया किया गया। जबकि सात मई को अधिसूचना जारी होने के बाद स्टैटिक निगरानी दल को क्रियाशील किया गया। उक्त दल द्वारा आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराते हुए जप्ती की गयी। बक्सर जिलान्तर्गत उड़नदस्ता दल द्वारा कुल 4,88,71,510 मूल्य की वस्तुओं की जब्त की। जबकि स्टैटिक निगरानी दल द्वारा 39,09,740 कैश की जप्ती तथा 1402.11 लीटर शराब जिसका मूल्य 4,30,864 की जप्ती की गई है। वही, दंड प्रक्रिया संहिता 107 के तहत कुल 7283 व्यक्तियों से बंध पत्र भरवाया गया। वभिन्न थानों से प्राप्त प्रस्ताव में सुनवाई के बाद कुल 32 असमाजिक तत्वों के विरूद्ध विभिन्न थानों पर निर्वाचन समापन के बाद तक प्रतिदिन सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश पारित किया गया।

**सत्यापन नहीं कराने वाले 262 अनुज्ञप्तिधारियों का लाइसेंस किया गया है रद्द :** डीएम ने बताया कि बक्सर जिले में अनुज्ञप्तिधारी शस्त्रों की संख्या 2552 है। जिनमें चुनाव पूर्व 2077 ने अपने हथियारों का सत्यापन कराया था, वही 1024 लाइसेंसधारियों ने अपने नजदीकी थानों में अपने हथियार जमा कराए थे। वही निर्धारित तिथियों को सत्यापन नहीं कराने वाले कुल 262 शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के अनुज्ञप्ति को रद्द किया गया है। डीएम ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 29 एफआईआर दर्ज किए गए।

**मीडिया के सहयोगात्मक रवैये की सराहना :** शांतिपूर्ण, स्वच्छ रूप से निर्वाचन कार्य संपन्न कराने में मीडिया कर्मियों द्वारा लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ के रूप में कार्य करते हुए अपना योगदान दिया गया। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने, आदर्श आचार संहिता का व्यापक प्रसार करने, मतदान प्रतिशत बढ़ाने में स्वीप कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के दौरान जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में मतदाताओं को जागरूक करने में सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं के बारे में मतदाताओं को अवगत कराने, निर्वाचन अवधि के दौरान आमजनों को निर्वाचन से संबंधित सही आंकड़ों को ससमय उपलब्ध कराने, सोशल मीडिया आदि प्लेटफार्मों पर प्रसारित अफवाहों पर त्वरित रूप से जांच पड़ताल कर आमजनों के बीच तथ्यपरक खबरों को प्रकाशित कराने में मीडिया द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

### बक्सर संसदीय क्षेत्र में पारदर्शिता से चुनाव संपन्न कराने के लिए की गई उचित कार्रवाई

जिलधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बताया कि बक्सर संसदीय क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण व पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराया गया है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निदेश के आलोक में बक्सर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के कुल 1941 मतदान केन्द्रों में से 1008 मतदान केन्द्रों पर लाईव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। मतदान दल के साथ सामान्य मतदान केन्द्रों पर 1-3 एवं क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर 1-4 का पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। क्रिटिकल तथा सामान्य दोनों तरह के मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के लिहाज से अर्द्ध सैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी के द्वारा मॉनिटरिंग करवाई गई थी। मतदान एवं मतगणना की तिथि को धारा-144 के तहत निषेधाज्ञा प्रभावी किया गया। सभी सेक्टर पदाधिकारियों एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर मतदाताओं से आसूचना प्राप्त किया गया।

## अवैध मिट्टी खुदाई की शिकायत मिलने पर एक्टिव हुई सीओ, खनन पर लगाई रोक

♦ अकोढ़ी-सखुआना बाजार में हो रही थी अवैध मिट्टी कटाई

केटी न्यूज/राजपुर

करहा सफाई के नाम पर अवैध ढंग से मिट्टी खुदाई की शिकायत पर राजपुर सीओ डा. शोभा कुमारी एक्टिव हुई, जांच के बाद मिट्टी खुदाई पर रोक लगा दी। साथ ही ग्रामीणों को हिदायत देते हुए दुबारा ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत भी दी।

बताया जाता है कि राजपुर प्रखंड के तियरा पंचायत के अकोढ़ी-सखुआना के बधार में करहा में मिट्टी भर गई थी। जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा सफाई के नाम पर अवैध ढंग से जेसीबी से मिट्टी खुदाई की जाने लगी। जिसको लेकर गांव के किसी व्यक्ति द्वारा जिला खनन विभाग को अवैध मिट्टी खनन की शिकायत की गई। वही, विभाग द्वारा इसकी जानकारी सीओ डा. शोभा कुमारी को दी गई। जानकारी के बाद सीओ द्वारा स्थल पर संबंधित हल्का कर्मचारी को भेज कर जांच कराया जहां जांच में सही पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से मिट्टी खुदाई पर रोक लगा दी गई। साथ ही ग्रामीणों को अवैध खनन करने पर कानूनी कार्रवाई की हिदायत दी गई। सीओ ने बताया माना कि करहा की सफाई जरूरी है, पर मानक को भी ध्यान देना होता है। करहा सफाई के नाम पर गहरा खुदाई किये जाने से अधिक गढ्ढा हो गया। जबकि बगल में ही पक्की सड़क है। जिस रास्ते से अक्सर लोगों का आना-जाना होता है। बरसात के दिनों में पानी अधिक हो जाने पर किसी भी व्यक्ति के गिर जाने पर वह पानी में डूब सकता है, साथ ही इस मिट्टी की खुदाई कर इसकी बिक्री भी की जा रही थी। जिसकी जांच की जा रही है। वही, किसानों ने इस रोक पर आपत्ति जताते हुए कहा कि करहा की सफाई नहीं होने से खेतों तक पानी नही पहुंच पायेगा। वही, सीओ द्वारा बताया गया। करहा की सफाई जरूरी है तो मनरेगा योजना से करहा की सफाई कराई जाएगी। इसके लिए विभाग को लिखित आवेदन देना होगा। फिलहाल मिट्टी का खुदाई का काम बंद करना होगा।

### छह दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेंगे उच्च विद्यालयों के 100 प्रधानाध्यापक

**बक्सर।** उच्च व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों को 10 से 15 जून तक प्रशिक्षण होने वाले प्रशिक्षण में संशोधन किया गया है। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा को निर्देश दिया गया है। प्रशिक्षण बिपार्ड पटना के तत्वावधान में दिया जाएगा। जारी पत्र के अनुसार जिले के उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में तैनात प्रधानाध्यापकों का छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रशिक्षण को लेकर 10 जून से 15 जून तक निर्धारित किया गया है। पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम में अपरिहार्य कारणों से आवंटित जिला में संशोधन किया गया है। जिसमें जिले के उच्च व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। बक्सर जिला के लिए प्रतिनियुक्त प्रशिक्षण केंद्र इगल व्यू ट्रेनिंग सेंटर संपतचक बिहाइंड वॉटर पार्क पटना निर्धारित किया गया है।

## बड़ी कार्रवाई : स्पष्टीकरण का जबाव नहीं देने पर पांच दर्जन प्रधानाध्यापकों का वेतन स्थगित

♦ एमडीएम योजना की रिपोर्टिंग नहीं करने पर हुई कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में मध्यान भोजन योजना को लेकर लंबे समय तक रिर्पोटिंग नहीं करने तथा इस संबंध में विभाग द्वारा पूछे गए स्पष्टीकरण का जबाव निर्धारित समय पर नहीं देने वाले जिले के विभिन्न विद्यालयों के करीब पांच दर्जन प्रधानाध्यापकों का वेतन स्थगित कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से प्रधानाध्यापकों में हड़कंप मच गया है। डीपीओ मध्याह्न भोजन योजना ने डीपीओ स्थापना को संबंधित प्रधानाध्यापकों का वेतन बंद करने को लेकर पत्र जारी कर अनुशंसा किया है। जिसमें जिले के लगभग पांच दर्जन प्रधानाध्यापकों पर कारवाई की गई है। डीपीओ ने यह कार्रवाई एमडीएम योजना की रिपोर्टिंग नहीं करने के अलावे प्रधानाध्यापकों पर स्वेच्छाचारित, मनमानेपन एवं विभागीय निदेश की अवहेलना करने को लेकर किया है। डीपीओ स्थापना को दिए पत्र में एमडीएम डीपीओ ने बताया है कि दोपहर आईवीआरएस में प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा लगातार एक नवंबर 2023 से 31 जनवरी 2024 तक, एक से 29 फरवरी 2024 तक एवं 1 मार्च 2024 से 31 मार्च 2024 तक कॉल नॉट रेस्पांडेंट एंड नो आंसर के संबंध में पूछे गये प्रश्नों का जवाब नहीं दिया है। इसको लेकर प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। लेकिन आज तक स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिया गया है। यह कृत्य स्वेच्छाचारिता, मनमानेपन एवं विभागीय निदेश की अवहेलना को दशार्ता है। जिसको ध्यान में रखते हुए डीपीओ मध्यान भोजन ने डीपीओ स्थापना को संबंधित प्रधानाध्यापकों का अगले आदेश तक वेतन स्थगित करने की अनुशंसा किया है। विभाग की इस कार्रवाई से प्रधानाध्यापकों में हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि एमडीएम योजना की विभाग द्वारा मॉनिटरिंग करवाई जा रही है।

## डुमरांव प्रखंड अंतर्गत अरैला गांव में महायज्ञ के आयोजन से ग्रामीणों में व्याप्त है उत्साह

# जलभरी के साथ 10 से शुरू होगा पांच दिवसीय महायज्ञ व श्रीराम कथा

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ विदुषी अंजनी गोस्वामीजी श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का अमृत पान कराएंगी

डुमरांव थाना क्षेत्र के अरैला गांव में श्री रामदरबार प्राण प्रतिष्ठात्मक पांच दिवसीय महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य आयोजन आगामी 10 जून को जलभरी के साथ होगा। जबकि पूणार्हूति 14 जून को की जाएगी। इस दिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है। महायज्ञ यज्ञाधीन महंत श्री दीपक तिवारी जी महाराज एवं आचार्य आदित्य तिवारी जी महाराज के देखरेख में संपन्न होगा। जिसमें प्रयागराज यूपी की सुप्रसिद्ध कथावाचिका विदुषी अंजनी गोस्वामीजी श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का अमृत पान कराएंगी। इस आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह व्याप्त है तथा आयोजक व ग्रामीण पूरे मनोयोग से इस आयोजन को सफल बनाने में जुट गये है। इस महायज्ञ के आयोजनकर्ता शिवदेव राय, तारामुनी देवी, पिंटू राय सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि महायज्ञ 10 से 14 जून तक चलेगा। पूणार्हूति के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह है तथा इसे सफल बनाने के लिए जी जान से जुट गये है। महायज्ञ का मुख्य मंडप के साथ प्रवचन स्थल को भी तैयार किया जा रहा है। महायज्ञ के आयोजन से ग्रामीण इतने उत्साहित है कि अभी से ही गांव में श्रीराम नाम का जयघोष सुनाई पड़ रहा है। आयोजन समिति के द्वारा महायज्ञ परिसर में यज्ञमंडप को आकर्षक तरीके से सजाने की प्रक्रिया चल रही है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए प्रवचन स्थल को काफी विस्तृत बनवाया जा रहा है। ताकी दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। यह मंडप व साधु संतों के ठहरने के लिए कुटिया का निर्माण मौसम को देखते हुए किया जा रहा है, ताकी भीषण गर्मी व लू से श्रद्धालु या साधु संत बीमार न पड़े। यज्ञ स्थल पर अभी से भक्ति गीत बज रहे है। जिससे इलाके में भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। महायज्ञ को सफल बनाने में अरैला के साथ ही आस पास के गांवों के लोग काफी सक्रिया भूमिका निभा रहे है। यज्ञ मंडप तथा कुटिया निर्माण में युवा स्वेच्छा से श्रमदान भी कर रहे है।

## 5 घंटे भूखे पेट स्कूल में रहेंगे बच्चे

केटी न्यूज/डुमरांव

10 जून को स्कूल खुल जाएंगे और पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पढ़ाई का समय भी निर्धारित कर दिया गया है। स्कूल सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर खुलेंगे और 11 बजकर 30 मिनट पर बंद हो जाएगे। लगभग 5 घंटे बच्चे स्कूल में पढ़ाई करेंगे। जब स्कूल बंद होगा तब उन्हें एमडीएम खाने के लिए मिलेगा। इस दौरान बच्चे भूखे पेट रहेंगे। इस तपती दोपहर में छुट्टी के बाद सभी घर जाना चाहते हैं, इधर एमडीएम के लिए उन्हें रूकना पड़ेगा। जिससे घर जाने में और विलंब होगी और कड़ी धूप लगेगी।

छुट्टी के बाद एमडीएम दिये जाने को लेकर अभिभावकों में विरोध देखा जा रहा है। कई अभिभावकों ने केशव टाइम्स से बात करते हुए बताया कि इस भीषण गर्मी में छुट्टी के बाद साढ़े ग्यारह बजे एमडीएम देने का कोई तात्पर्य नहीं रह जाता है। अभिभावकों ने बताया कि यही एमडीएम साढ़े ग्यारह बजे के बदले 9 और 10 बजे सुबह दिया जाता तो बच्चों को घर आने में परेशानी नहीं होगी। सुबह में अधिकांश बच्चे कुछ खाकर आते हैं या भूखे पेट भी चले आते हैं। ऐसे में उन्हें सुबह 9 बजे से दस बजे के बीच एमडीएम मिलेगा तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अभिभावक भी बच्चों के प्रति आश्वस्त रहेंगे।

# सीएस व डीपीएम ने किया पीएचसी का निरीक्षण, कमियों को दूर करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/केसठ

♦ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य कर्मियों व मरीजों से की पूछताछ

स्वास्थ विभाग के निर्देश के आलोक में शुक्रवार को केसठ पीएचसी का सिविल सर्जन डॉ. सुरेश कुमार सिन्हा तथा जिला प्रोग्राम पदाधिकारी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष, जांच घर, दवा भंडार कक्ष, ओपीडी, लू वार्ड आदि का सघन जांच किया एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के फाइलों को घंटो खंगाला। जांच के दौरान उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार को व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने एएनएम, एलटी, प्रसव इंचार्ज सहित अन्य कर्मी से पूछ ताछ किए।

**मरीजों से ली जानकारी :** जांच के दौरान सीएस और डीपीएम ने अस्पताल में आए मरीजों से बात चीत किए। डॉक्टर समय से आते है या नहीं, दावा मिलता है या नहीं, समय पर ओपीडी चलता है या नही, कर्मी आते है या नहीं ये सब उन्होंने मरीजों से पूछा। इस दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष में आई गर्भवती महिलाओं से भी बात चित किए। प्रसव कक्ष में लगे एमवीसीसी मशीन का भी जांच किए। जांच में मशीन में सामान्य कमियां मिली जिसे उन्होंने तत्काल ठीक कराने को ले निर्देश किया।

**साफ सफाई को ले दिए निर्देश :** पीएचसी परिसर में जांच के दौरान साफ सफाई में कमी दिखी जिसके लिए उन्होंने कई आवश्यक निर्देश सफाई कर्मी को दिए।

**टूटे हुए भवन का किया निरीक्षण :** बताते चले चले की कुछ माह पहले पीएचसी को सीएचसी में बदलने के लिए पीएचसी भवन को तोड़ा गया था,जिसके बाद कुछ भूमि माप में कुछ कमी के कारण सीएचसी निर्माण कार्य बंद हो गया था।जिसका सीएस ने जांच कर जिला पदाधिकारी को लेटर के माध्यम से जानकारी दिए।मौके पर विनोद कुमार, पंकज जायसवाल, पप्पू, अप्पू, विक्की, शांति, अंजना, अभिषेक कुमार के अलावे कई कर्मी मौजूद थे।

**जगह के अभाव में विद्यालय में चल रहा पीएचसी :** इस संबंध में जानकारी देते हुए सीएस ने बताया कि अस्पताल को बेहतरीन बनाने के लिए जिले के अस्पताल में निरीक्षण किया जा रहा है। जांच में केसठ पीएचसी की भी जांच की गई। जहां जगह के अभाव में पीएचसी एक विद्यालय में चल रहा है। जगह के अभाव में कुछ व्यवस्था में कमी पाई गई लेकिन जांच में सब समान्य पाया गया। जल्द ही सीएचसी कार्य शुरू हो जाएगा। भूमि माप में कुछ कमी थी जिसके कारण अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ था। कर्मियों को कई आवश्यक निर्देश दिए गए है।

## एक नजर

### भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान से कहीं बिगड़ न जाए धान की खेती-बाड़ी

**नावानगर।** बारिश नहीं होने एवं जिले में भीषण गर्मी पड़ने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम की तल्खी से किसान पशोपेश में हैं। खेतों में धूल उड़ रही है। जिससे धान का बिचड़ा डालने में देरी हो रही है। जबकि रोहणी नक्षत्र धान की नर्सरी तैयार करने का उत्तम नक्षत्र माना जाता है। यह नक्षत्र बीतने के कगार पर है। ऐसे में किसानों को पानी के अभाव से खेतों में धान के बीचड़ा नहीं डाल पाए हैं। जिससे किसानों को खेती पिछड़ने का डर सताने लगी है। जिले में अधिकतर किसान 25 मई के बाद धान के बिचड़े के लिए बीज गिराना शुरू कर देते हैं, लेकिन इस साल बारिश में देरी एवं लूं के थपेड़े के साथ तापमान में बढ़ोत्तरी से अधिकतर किसान अभी तक बीज नहीं गिरा सके हैं। कुछ किसान पंप सेटों के सहारे पटवन कर बीज गिराए हैं, लेकिन उमस और भीषण गर्मी के कारण बीजों में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। इन किसानों को डर है कि कहीं भीषण गर्मी व तापमान के कारण धान कि बीचडा बिगड़ न जाए। क्षेत्र के अधिकतर किसानों ने बताया कि बीज डालने के लिए खेत में जितनी नमी चाहिए उतनी नहीं है। बारिश या फिर नहर में पानी आने का इंतजार कर रहे हैं। जब तक पर्याप्त बारिश नहीं होगी या फिर नहर से पानी खेतों तक नहीं पहुंचेगी, तब तक बीज गिराने से कोई फायदा नहीं। तीखी धूप के कारण बिचड़े खेत में ही जलने का डर है। किसानों ने बताया कि बीज गिराने के लिए खेतों में नमी जरूरी है, लेकिन अभी खेतों में पर्याप्त नमी नहीं है। किसान विकास सिंह, कलामुद्दीन, मदन सिंह, रामधनेश तिवारी ने बताया कि हर साल जून के पहले सप्ताह तक 60-70 प्रतिशत किसान बीज गिरा चुके होते हैं, लेकिन इस साल मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण अभी तक गिने चुने किसान ही बीज डाले हैं। अगर अभी भी बारिश नहीं हुई तो धान की खेती बाड़ी काफी पीछड़ जाएगी। जिसका बुरा असर पैदावार पर पड़ेगा।

### एक महीने से गायब है शिक्षक, होंगे बर्खास्त

**डुमरांव।** प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर नगर नया भोजपुर के एक शिक्षक पप्पु कुमार स्कूल से विगत एक माह से बगैर सूचना के गायब हैं। उनके लंबे समय से गायब रहने पर विभाग ने संज्ञान लिया है। बीआरपी ने बताया कि इतने दिनों तक बगैर कोई सूचना के गायब रहने पर उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है। उम्मीद है की शीघ्र ही उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्दी ही इसकी शिकायत नियोजन ईकाइ से की जाएगी तथा नियोजन ईकाइ की बैठक में उन पर गाज गिरना तय है। गौरतलब है कि शिक्षा विभाग के एसीएस बनने के बाद से केके पाठक ने लगातार स्कूलों की मॉनिटरिंग करवाई थी। बावजूद एक शिक्षक का एक महीने से गायब होना, कई सवाल खड़े कर रहा है।

### केके पाठक के खिलाफ शिक्षकों में आक्रोश

**बक्सर।** भारत मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संतोष नागवंशी के आह्वान पर शुक्रवार को मुख्य सचिव शिक्षा विभाग केके पाठक के खिलाफ प्रदर्शन एवं राज्य व्यापी आंदोलन के अंतर्गत बक्सर के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल को पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन राज्यपाल के नाम सौंपा गया। संतोष नागवंशी ने बताया की पांच सूत्री मांगों के तहत पहले चरण में राज्य के सभी डीएम को ज्ञापन सौपना था। जिसमें कहा गया है की अपर मुख्य सचिव बिहार सरकार द्वारा शिक्षकों के ऊपर मनमानी तरीके से स्थानांतरण के बदले सिर्फ प्रतिनियुक्ति किया गया है जो असंवैधानिक है। केके पाठक अपर के द्वारा विद्यालयों में आवश्यक मानव बल को आउटसोर्सिंग के माध्यम से अपने चाहते लोगों को भर्ती किया गया। जो एससी एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक के साथ अन्याय जैसा कार्य कर रहे हैं।

# राजपुर क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान है दोनों नदियां, बुझाती है प्यास

# भीषण गर्मी और अत्यधिक दोहन से कंचन व धर्मावती नदियों के अस्तित्व पर खतरा

केटी न्यूज/राजपुर

### नदियों के रास्ते होता था व्यापार

वर्षों पूर्व सड़क मार्ग नहीं होने से जल मार्ग से बक्सर पटना एवं बनारस से व्यापारी नाव लेकर आते थे। यह नदी जल मार्ग के रास्ते पहले व्यापार के लिए जानी जाती थी। पूर्व में इस नदी के पानी को जगह-जगह पर बांधकर सिंचाई कार्य भी होता था। इसके उदाहरण आज भी है जैसे बैरी, गेरुआ बांध, बावन बांध व मैरवा बांध। बदलते समय में लोगों द्वारा नदी के पानी का अत्यधिक दोहन तथा कुछ अन्य कारणों से आज इस नदी को सूखने के कगार पर ला दिया है। जबकि एक जमाने में प्रचंड गर्मी के दिनों में भी इसमें धाराएं बहती थी। सालोंभर पानी जमा होने के कारण तट के कुछ जमीन में दलदली भी थी।

भीषण गर्मी व पानी के अत्यधिक दोहन से प्रखंड क्षेत्र से बहने वाली कंचन व धर्मावती नदियों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। दोनों नदियां तेजी से सूख रही है। जिससे हजारों जीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। वही, किसानों के समक्ष सिंचाई की चिंता भी सताने लगी है। नदियों के किनारे उगने वाली कई तहर की वनस्पतियां भी सूखने लगी है। इन नदियों में पानी कम होने के साथ ही पेड़ों की डाल पर बसेरा बनाने वाली हारिल, बाया एवं बगेड़ी जैसी पक्षियों का झुंड पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं। एक समय था जब इन पंक्षियों को नदियों के किनारे लगे पेड़ों पर झुंड उतरता तो इनकी चहचहाहट से माहौल खुशनुमा रहता था। बाया पंछी के घोसले को देखकर मन खुश हो जाता।

बता दें कि बाया पंक्षी की घोसले की खास बनावट विज्ञान की किताबों में पढ़ाई जाती थी। जिसे दर्जी चिड़िया भी कहा जाता है। लेकिन, नदियों के पानी के अत्यधिक दोहन तथा इस वर्ष पड़ रही भयंकर गर्मी से अब इन पक्षियों के कलरव भी सुनाई नहीं पड़ते है। हारिल एवं बगेड़ी पक्षी यह अपने झुंड के साथ किसी खेतों में बैठकर खेतों के कीड़े मकोड़े को खाकर किसानों को मदद पहुंचाती थी। इतना ही नहीं बल्कि इन नदियों के मैदानी इलाके में रहने वाले हिरण, काले हिरण, नीलगाय, सियार, उद्विलाव आदि का अस्तित्व भी खतरें में पड़ गया है। काले हिरण को संरक्षित जीव घोषित किया गया है। लेकिन, धरातल पर उनके संक्षण के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। अलब्बता जिन नदियों के पानी के सहारे ये अपना जीवन बचाने में सफल रहे है, वह भी अब सूखने लगी है।

**गंगा की तरह पवित्र मानी जाती है धर्मावती व कंचन नदी :** बता दें कि इस इलाके में कंचन तथा धर्मावती नदियों को गंगा की तरह ही पवित्र माना जाता है। जहां लोग स्नान करने से लेकर पूजा पाठ यहां तक कि शवों का अंतिम संस्कार भी करते आ रहे है। इसके अलावे इन नदियों से हजारों एकड़ खेत की सिंचाई भी किसान करते है। जिससे इन नदियों का काफी महत्व है। इसी महत्व के कारण दोनों नदियों के दर्जनों गांव बसे है। सिंचाई के अलावे पशुपालक अपने पशुओं को नदी नहलाने के लिए जाते थे।

**कई किलोमीटर है इन नदियों का प्रवाह क्षेत्र :** कंचन नदी को कोचान या कोचानो भी कहा जाता है। जिसका उद्गम करंज गांव के पोखरा से होता है। इस नदी का प्रवाह लगभग 35 किलोमीटर लंबा है। कंचन नदी रोहतास जिले के करंज गांव से होकर सपौर्ली आकार में यह नदी बक्सर जिला के धनसोई में प्रवेश कर इटाढ़ी प्रखंड के ठोरा नदी में आकर मिल जाती है। इसका जल ग्रहण क्षेत्र बरसाती पानी एवं सोन नहर प्रमंडल से जुड़ी नदियों के विभिन्न शाखाओं के बचे हुए पानी से होता है। नोखा से निकलने वाले नारा जो चिल्हरुआ, बेलवइया एवं चौसा नहर साइफन के रास्ते जमरोढ़ होते हुए इस नदी के जल प्रवाह को बढ़ाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कचइनी चढ़ाने के कारण इस नदी का नाम कंचन नदी हुआ था। जिस नदी पर अनेक लोकगीत एवं कथाएं आज भी प्रचलित हैं। वर्तमान में यह नदी दो जिले बक्सर एवं रोहतास को जोड़ती है। जबकि शाहाबाद गजेटियर में फ्रांसिस बुकानन ने 1812-13 के संरक्षण के मुताबिक यह दो राज्यों बिहार एवं प्राचीन अवध राज्य की सीमा क्षेत्र था। चौसा परगना तब शाहाबाद में नहीं बल्कि अवध राज्य में शामिल था। वही धर्मावती नदी बसही, खीरी के रास्ते दर्जनों गांवों को जोड़ते हुए नागपुर से आगे कर्मनाशा में मिल जाती है। जिसका प्रवाह क्षेत्र लगभग 50 किलोमीटर है।

#### क्या कहते हैं ग्रामीण

धनसोई के राजपति राम, सिसौंधा के ललन सिंह, शिक्षक विपिन कुमार आदि का कहना है कि ये नदियां जीव जतुओं के लिए आश्रय व प्यास बुझाने के साथ ही खेती के लिए वरदान थी। सरकार को इसके अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के बादल को हटाने के लिए प्रयास करना चाहिए। वही इतिहासकार तथा पर्यावरणविद लक्ष्मीकांत मुकुल ने कहा कि इन नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिए प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नदियां प्रकृति की वरदान है। इसके अस्तित्व को बचाने से ही हमारा अस्तित्व सुरक्षित रहेगा।

# आंगनबाड़ी केन्द्रों में लगने लगा बिजली का कनेक्शन

♦ आंगनबाड़ी केन्द्र का बिजली बिल सरकार करेगी वहन

**डुमरांव।** सरकार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मेहरबान हुई है। बिजली कंपनी को प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में बिजली का कनेक्शन देने का आदेश दे दिया है। सरकार के आदेश के आलोक में बिजली कंपनी द्वारा कनेक्शन देने का काम शुरू कर दिया गया। जहां कनेक्शन दे दिया गया है, उस आंगनबाड़ी के बच्चे और उनके अभिभावक काफी खुश हैं। हालांकि सरकार केवल कनेक्शन दे रही है। केन्द्र में बल्बए पंखा यदि लगाना हुआ तो सेविका अपने जबे से लगाएगी।

मालूम हो कि डुमरांव प्रखंड में 230 आंगनबाड़ी केन्द्र हैं। बहत से केन्द्रों का अपना भवन भी नसीब नहीं है। किराया का पैसा इतना कम मिलाता है कि अच्छा मकान नहीं मिल पता है। कुछ ऐसे भी केन्द्र जो झोपड़ी में भी संचालित होते हैं। ऐसे में वहां बिजली का कनेक्शन देना भी जान जोखिम में डालने जैसा होगा। कई सेविकाओं ने बताया कि बिजली लगने के बाद आवश्यकतानुसार सारे इंतजाम होंगे। जहां कनेक्शन मिल गया है, उस केन्द्र की सेविका अपने जरूरत के अनुसार सभी इंतजाम धीरे-धीरे कर रही हैं। मालूम हो कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अबोध बालकों प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है, जिससे आगे चलकर उन्हें स्कूल में पढ़ाई करने में असानी हो।

### शराब के नशे में एक शराबी गिरफ्तार

**डुमरांव।** पुलिस ने थाना क्षेत्र के पकड़ी मोहल्ले से शराब के नशे की हालत में हंगामा करते एक शराबी को पकड़ा है। पकड़े गये आरोपी की मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है। आरोपी की पहचान पकड़ी मोहल्ला निवासी अशोक बारी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अनीषा राणा ने बताया कि गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शराब पीकर हंगामा कर रहा है। जिसके बाद पुलिस टीम भेज उसे गिरफ्तार कराया गया। आरोपी पर मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

# तल्ख धूप व भीषण गर्मी से बेहाल हुए आम लोग

केटी न्यूज/केसठ

भीषण गर्मी ने लोगों की जीना बेहाल कर दिया है, लोग त्राही-त्राही कर रहे हैं। दोपहर को ऐसा लगता है जैसे कर्फ्यू लगा हो, सड़कें लोगों से खाली हो जाती हैं। लोग गर्मी व तपती धूप से बचने के लिए घरों में दुबके रहते हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहा। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने के आशंका हैं। आने वाले दिनों में दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़ने के आशंका जताई जा रही हैं। गर्मी से आम जनजीवन बेहाल है। धूप की कड़ी तपिश लोगों को परेशान कर रही है। सूर्य की किरणों के निकलते ही शरीर का झुलसना शुरू हो जा रहा है। जिसके चलते जन-जीवन पर असर पड़ने लगा है। गर्मी से बचने के लिए तरह तरह के जुगाड़ लगाए जा रहे हैं। लोग कूलर, पंखा का सहारा ले रहे हैं। इस बीच बिजली की आंखमिचौनी भी लोगों की परेशानी को बढ़ा रही है। उमस भरी गर्मी के कारण लोग पसीने से तर-बतर हो रहे हैं।

**पेय पदार्थ को बढ़ी मांग :** गर्मी की वजह से विभिन्न जगहों पर लस्सी, जूस, गन्ने का रस आदि की दुकानें लगी हुई है। दोपहर के समय घरों के बाहर निकलने वाले लोगों की शीतल पेय पदार्थो की दुकानों में भीड़ उमड़ रही है।। इसमें लस्सी, गन्ने, जूस,नारियल पानी व अन्य शीतल पेय का रसपान कर रहे है। कई लोग शाम को का सेवन करने के लिए बाजारों में जा रहे है।

#### डाइट का रखें ध्यान – डॉ विनय

गर्मियों में भी डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इस मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा हो।पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार ने लोगो को इस तपसी गर्मी में तरबूज, खीरा, ककड़ी आदि का सेवन करना का परामर्श दिए।उन्होंने कहा की पौष्टिक आहार के साथ कच्चे आम का पन्ना, नारियल पानी, दही, लस्सी और छाछ का सेवन करने से लू लगने का खतरा भी कम हो जाता है।

## टाटा मेमोरियल सेंटर से डॉक्टरों की टीम ने अस्पताल में किया योगदान

# अनुमंडलीय अस्पताल में शुरू हुआ कैंसर का इलाज

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ अब मुंह, चेस्ट एवं बच्चेदानी के कैंसर की होगी स्क्रीनिंग

अनुमंडलीय अस्पताल में अब कैंसर मरीजों का स्क्रीनिंग व शुरूआती इलाज शुरू कर दिया गया है। टाटा मेमोरियल अस्पताल टीएमसी के पांच डाक्टरों की टीम ने शुक्रवार को अस्पताल में अपना योगदान कर काम शुरू कर दिया है। यह टीम मुंह, छाती एवं बच्चेदानी में होने वाले कैंसर बीमारी की स्क्रीनिंग व इलाज करेंगे। योगदान करने वाली टीम में डॉ. हितेश रंजन, डॉ. सुषमा कुमारी, स्टाफ एएनएम, पूजा कुमारी, स्टाफ एएनएम कुमारी संध्या एवं डाटा ऑपरेटर सोनू कुमार शामिल हैं। डाक्टरों की टीम प्रतिदिन ओपीडी में बैठ अपनी सेवा देंगी।

विदित हो कि अनुमंडलीय अस्पताल के खुले हुए पंद्रह साल से अधिक का समय गुजर गया। लेकिन, पहली बार यहां कैंसर मरीज का इलाज शुरू हुआ है। 25 से 65 साल के मरीजों में ज्यादा कैंसर के लक्षण पाए जाते हैं, लिहाजा इस उम्र के पुरूष एवं महिला पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। टीम के सदस्यों ने केशव टाइम्स से बात करते हुए बताया कि मुंह, छाती एवं बच्चेदानी में ज्यादा कैंसर होने की उम्मीद होती है। मुंह का कैंसर जहां तंबाकु, चरस, गांजा, गुटखा, पान मसाला सहित अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होता है। वहीं बच्चेदानी में कैंसर कम उम्र में शादी से होता है। पहले कैंसर मरीज का स्क्रीनिंग टेस्ट कराया जाएगा। किसी मरीज में कैंसर होने का सक होगा तो उसकी जांच के लिए होमी भाभा कैंसर हॉस्पीटल मुजफ्फरपुर या कैंसर अस्पताल बनारस भेजा जाएगा। इस प्रोजेक्ट एवं फंड को एलकेम फाउंडेशन दवा कंपनी द्वारा किया जा रहा है। दवा भी मरीज को कंपनी द्वारा एवलेवल कराया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर मरीज का इलाज शुरू होगा। टीम का कहना है कि स्क्रीनिंग टेस्ट कराना बहुत जरूरी होता है। शुरूआती दौर में यदि कैंसर का पता चलता है तो मरीज को स्वस्थ्य होने में कोई परेशानी नहीं आती है। यही ज्यादा दिन होने में इलाज में परेशानी तो होती ही है और मरीज की जान भी जा सकती है। लिहाजा समय रहते इसकी जांच कराकर इलाज शुरू कर देना चाहिए। प्रत्येक दिन कैंसर इलाज के लिए आए डाक्टरों की टीम ओपीडी में बैठेगी। मरीज इनसे ओपीडी सेवा में मिल अपनी शंका दूर कर सकते हैं। सिस्टमेटिक तरीके से जांच शुरू होने से बीमारी का इलाज भी समय से शुरू हो जाएगा और शंका भी दूर हो जाएगा। अनुमंडलीय अस्पताल में कैंसर का इलाज शुरू होने से जिले के लोगों में हर्ष व्याप्त है।

### जिले के सभी प्रखंडों में जल्द शुरू होगी जांच

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि फिलवक्त जिले के सदर अस्पताल और डुमरांव के अनुमंडल अस्पताल में कैंसर के स्क्रीनिंग की सुविधा मौजूद है। लेकिन जल्द ही कैंसर की स्क्रीनिंग की सुविधा जिले के सभी प्रखंडों में स्थित प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में लोगों की सुविधा के लिए सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर स्वास्थ्य मेला दिवस के अवसर पर लोगों की जांच की जाती है। जिनमें लक्षण पाए जाने पर सदर अस्पताल रेफर किया जाता है।

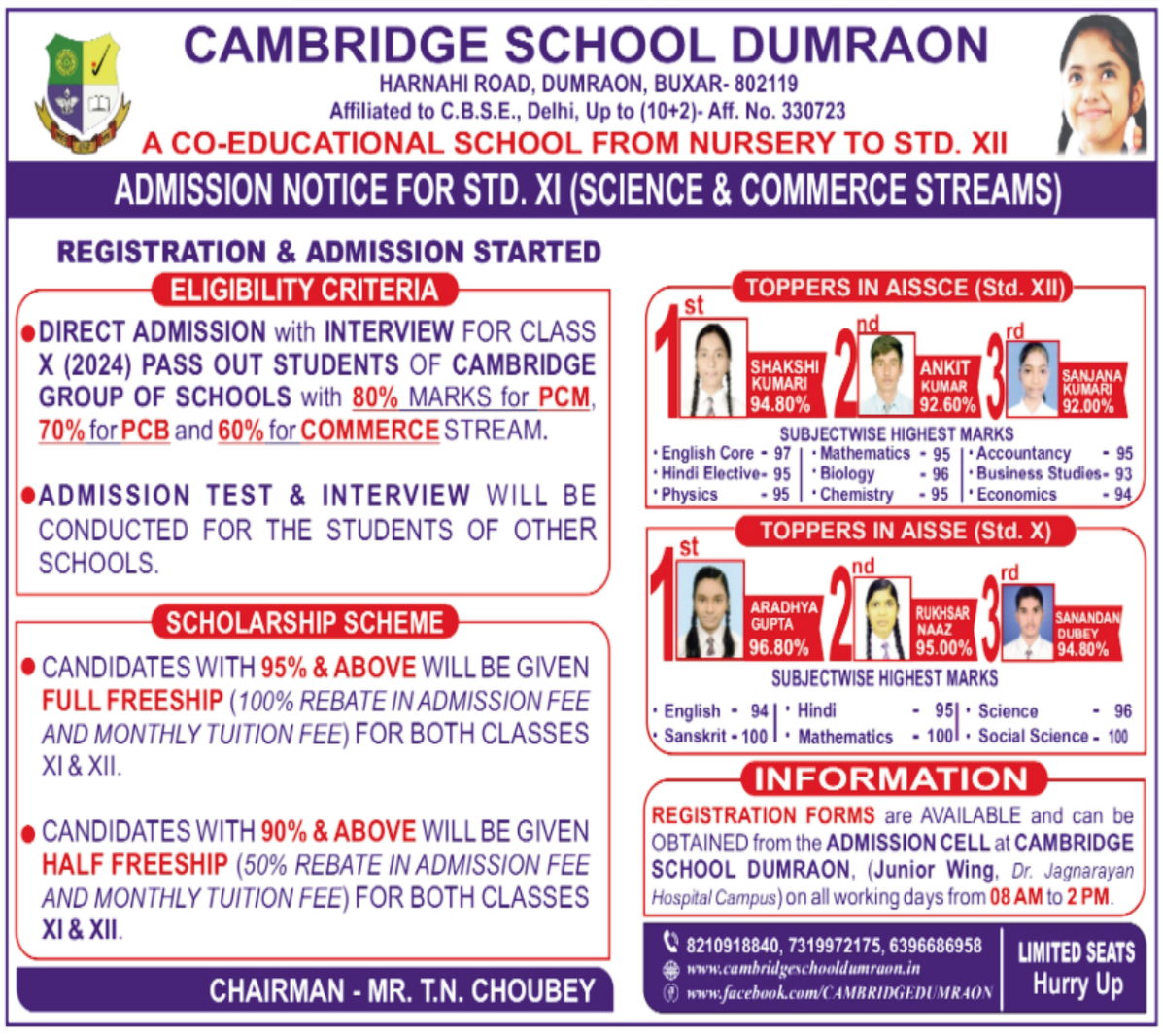

### भोजपुर में छापेमारी के दौरान अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक लुटेरा गिरफ्तार

# भोजपुर के एसपी ने अपराधियों को दी चेतावनी बोले... गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा

- चरपोखरी थाना क्षेत्र के सियाडीह और कथराई गांव के बधार में शुक्रवार की सुबह हुई मुठभेड़
- गोली खत्म होने के बाद अपराधियों की ओर से पुलिस टीम पर की गयी रोड़ेबाजी, एक जवान जख्मी
- भागने के दौरान गिरने में अपराधी भी जख्मी, पुलिस अभिरक्षा में चल रहा इलाज
- जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव के पास गुरुवार की देर शाम समूह सदस्य के हुई थी पौने दो लाख की लूट

**केटी न्यूज/आरा**

भोजपुर के चरपोखरी थाना क्षेत्र के सियाडीह और कथराई गांव के बधार में शुक्रवार सुबह अपराधियों और पुलिस के बीच भिड़ंत हो गयी। लूट के बाद भागने की सूचना पर पुलिस अपराधियों की धरपकड़ को लेकर कथराई गांव के बधार में पहुंची थी। मुठभेड़ के बाद एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया। करीब बीस राउंड फायरिंग की बात सामने आ रही है। गोली खत्म होने के बाद अपराधी द्वारा पुलिस पर रोड़ेबाजी भी की गयी। उसमें पुलिस का एक जवान नीतीश कुमार जख्मी हो गया। उसका इलाज चरपोखरी पीएससी में कराया गया।भागने के दौरान अपराधी भी गिरने से जख्मी हो गया। पुलिस अभिरक्षा में सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। गिरफ्तार अपराधी सहार थाना क्षेत्र के ननउर गांव निवासी शोभनाथ प्रसाद का 25 वर्षीय पुत्र अनिल कुमार उर्फ सूरज कुमार है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव के पास गुरुवार की शाम समूह सदस्य से लूटपाट में उसका नाम आया था। पुलिस उससे लूट और उसके साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है। शाहाबाद डीआइजी नवीन चंद्र झा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह से बात कर पूरी घटना की जानकारी भी ली।

डीआइजी के अनुसार गुरुवार की शाम जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव के पास एक समूह के सदस्य से करीब पौने दो लाख की लूट की घटना हुई थी। उसके बाद पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी थी। उसी क्रम में शुक्रवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि लूट में शामिल अपराध कर्मी चरपोखरी थाना क्षेत्र के कथराई रेलवे अंडरपास के समीप देखे गए हैं। उस आधार पर एसडीपीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी की गयी, तो अपराधी की ओर से फायरिंग की जाने लगी। पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गयी। उस दौरान आपराधी की ओर से पुलिस टीम पर रोड़ेबाजी की जाने लगी। उसमें एक जवान चोटिल हो गया। उसके बाद अपराधी भागने लगा, जिसमें गिरने से वह जख्मी हो गया। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं भोजपुर के पुलिस कप्तान नीरज कुमार सिंह ने अपराधियों को चेतावनी दी है कि वे अपराध का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटें। अगर वे हथियार उठाएंगे तो यह जान लें कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा, गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा।

## अपराधी और पुलिस की करीब ढाई किमी तक चलती रही खदेड़ा-खदेड़ी

### चरपोखरी मुठभेड़

- कथराई रेलवे अंडरपास और सियाडीह गांव के बधार में देर तक होती रही ठांय-ठांय, मची रही अफरातफरी
- मुठभेड़ के दौरान अपराधी द्वारा दस, तो पुलिस की ओर से चलाई गई आठ राउंड गोलियां
- गोली खत्म होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए अपराधी की ओर से की गयी रोड़ेबाजी
- जख्मी होने के बाद पुलिस की पकड़ में आ सका अपराध कर्मी, पुलिस खंगाल रही आपराधिक इतिहास

**आरा।** जगदीशपुर इलाके में लूटपाट कर भाग रहे अपराधियों की चरपोखरी में पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गयी। शुक्रवार की सुबह तकरीबन नौ बजे अपराध कर्मी चरपोखरी पुलिस की घेराबंदी में फंस गए। तब फायरिंग के बीच करीब ढ़ाई किलोमीटर तक खदेड़ा खदेड़ी चलती रही। कथराई स्थित रेलवे अंडरपास से सियाडीह गांव के बधार में काफी देर तक ठांय-ठांय होती रही। रोड़ेबाजी भी की गयी, लेकिन अंततः एक अपराध कर्मी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। इधर, अचानक फायरिंग और पुलिस कर्मियों की भाग-दौड़ देख आसपास के गांव के लोगों में अफरातफरी मच गयी। लोग किसी अनहोनी की आशंका से सहम गए। बाद में मुठभेड़ की खबर मिली, तो लोगों ने राहत की सांस ली।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे चरपोखरी पुलिस को सूचना मिली कि जगदीशपुर के तेंदुनी के पास लूट में शामिल अपराध कर्मी कथराई अंडरपास के पास घूम रहे हैं। उस पर तत्काल चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम कथराई पहुंची। पुलिस टीम को देख अपराधी फायरिंग करते भागने लगे। सूचना मिलने पर एसडीपीओ राहुल सिंह भी दलबल के साथ पहुंचे और अपराधियों का पीछा शुरू किया गया। उस दौरान अपराधियों की ओर लगातार फायरिंग की जा रही थी। उसे देखते हुए पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की जाने लगी। इस बीच खदेड़ा-खदेड़ी चलती रही। बताया जा रहा है कि सियाडीह के बधार अपराधी की गोली खत्म हो गयी। उसके बाद अपराधियों की ओर से पुलिस पर ईंट-पत्थर चलाया जाने लगा। उसमें एक जवान को गंभीर चोटें भी आयी। पुलिस की ओर से भी ईंट चलाये गये, उसमें एक अपराध कर्मी चोटिल गया। उसके बाद उसे पकड़ लिया गया। एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि अपराधी की ओर से पुलिस पर दस राउंड फायरिंग की गयी। उसके बाद आत्मरक्षार्थ पुलिस की ओर से भी आठ राउंड फायरिंग की गयी। उन्होंने बताया कि गोली खत्म होने के बाद अपराध कर्मी द्वारा हथियार फेंक दिया गया था। हालांकि पुलिस कर्मियों द्वारा काफी खोजबीन के बाद फायरिंग और लूट में इस्तेमाल देसी कट्टा बरामद कर लिया गया। खोखे की बरामदगी के लिए खोजबीन की जा रही है।

### कलेक्शन कर लौटने के दौरान समूह के सदस्य से हुई थी लूट

जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी और संगम टोला के बीच गुरुवार की शाम एक समूह के सदस्य से लूटपाट की गयी थी। तब अपराधियों की ओर से समूह के सदस्य से करीब एक लाख 83 हजार रुपए लूट लिया गया था। घटना के समूह समूह सदस्य ककिला गांव से कलेक्शन कर लौट रहे थे। तभी बाइक सवार अपराधी धक्का दे बाइक गिराने के बाद पैसे छीन कर भाग गये थे।

**पुलिस ने दो माह बाद अपराधियों को फिर कराया कानून की ताकत का अहसास:** भोजपुर पुलिस अब अपराधियों को किसी भी सूरत में बख़्शने के मूड में नहीं दिख रही है। समय-समय पर पुलिस द्वारा अपराधियों को कानून की ताकत का अहसास कराया जाता रहा है। आज से करीब दो माह पुलिस द्वारा उदवंतनगर इलाके में हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया था। तब मुठभेड़ में दो अपराधी गोली लगने से जख्मी हो गये थे। घटना दो अप्रैल की सुबह हुई थी। हुआ यह था कि उदवंतनगर थाना क्षेत्र के रघुनीपुर गांव निवासी रामाधार यादव अपने बेटों के साथ गेहूं की फसल काट रहे थे। तभी उनके विरोधियों की ओर से रामाधार यादव और उनके एक बेटे मुकेश को गोलियों से भून डाला गया था। उसमें दोनों की मौत हो गई थी। बाद मे भागने के दौरान अपराधियों की ओर से पुलिस पर फायरिंग भी की गयी थी। तब एसपी रहे प्रमोद कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई की गयी थी। उसमें दो अपराधी गोली लगने के बाद गिरफ्तारी किये गये थे।

## एक नजर

### जनता दरबार में डीएम ने सुनी लोगों की फरियाद

**जहानाबाद।** जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के आमजनों के परिवादों को सुना गया एवं संबंधित पदाधिकारियों को उक्त परिवादों के निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में लगभग 44 परिवाद प्राप्त हुए जिनमें भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युत विभाग, नल-जल योजना सहित अन्य कार्यालयों/योजनाओं से संबंधित थे। परिवादियों की समस्याओं को सुना गया एवं सभी संबंधित पदाधिकारियों को जनता दरबार में आए सभी मामलों को विशेष रुप से ध्यान देते हुए ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्राप्त परिवाद संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया एवं कुछ मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को दूरभाष पर सूचित करते हुए आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। वैसे मामले जो लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत आते हैं उन्हें सुनवाई हेतु पंजीकृत किया गया और ऐसे मामले जो इसके अंतर्गत नहीं है उन पर कार्रवाई हेतु, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने एवं प्रतिवेदन भेजने के लिए निर्देशित किया गया।

### चाकू मार युवक को किया जख्मी, स्थित गंभीर

**बिक्रमगंज (रोहतास)।** स्थानीय शहर के थाना मोड़ समीप शुक्रवार की शाम एक युवक को चाकू मार कुछ लोगों ने जख्मी कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी तहत थाना कार्यालय से महज कुछ दूरी पर इस तरह की घटना को अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया। लेकिन स्थानीय पुलिस उसे गिरफ्तार करने में असफल रही है। बताया जाता है कि जख्मी युवक शिवपुर पंचायत का रहने वाला है, लेकिन वर्तमान में वह स्थानीय शहर के डुमरांव स्थित अपने मकान में सपरिवार रहता है। जिसके पिता का नाम भोला सिंह बताया जा रहा है। दूसरी तरफ इस घटना के संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार से पूछने पर उन्होंने बताया कि जख्मी युवक के तरफ से कोई प्राथमिकी अबतक दर्ज नहीं कराई गई है। जिसके कारण आरोपियों के खिलाफ अभी कार्रवाई जारी नहीं है। जो कहीं न कहीं स्थानीय पुलिस के कार्यशैली के विफलता को साबित कर रहा है। वही बताया जाता है की जख्मी युवक को पेट में तीन जगह अपराधियों ने चाकू मारा है। जिसका गंभीर हालत में शहर के एक निजी क्लिनिक में इलाज जारी है।

### अंजबीत सिंह महाविद्यालय में 9 जून को मेघा सूची का प्रकाशन,

**बिक्रमगंज ।** अंजबीत सिंह महाविद्यालय में 9 जून को मेघा सूची का प्रकाशन होगा। ज्ञातव्य हो कि स्नातक सत्र 2024-2028 में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन की अवधि समाप्त हो चुकी है। अब 9 जून से ऑनलाइन नामांकन शुरू होगा। लेकिन विश्वविद्यालय को मालूम है कि ग्रीष्मावकाश के कारण महाविद्यालय के शिक्षक 30 जून तक अवकाश पर हैं। नामांकन लेने वाले छात्रों के कागजातों का सत्यापन कौन करेगा यह एक यक्ष प्रश्न है। इधर बिहार बोर्ड ने मार्च में ही इन्टर का परीक्षा फल प्रकाशित करके अब तक कॉलेज में अंक पत्र और टीआर नहीं भेजा है। टीआर के आधार पर ही टीसी बनता है। जिसकी आवश्यकता नामांकन के समय होती है। शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के सचिव अक्षय कुमार प्यारे ने बताया कि छात्र ऑनलाइन अंक पत्र से नामांकन के लिए फॉर्म तो भर दिए। लेकिन नामांकन के समय मुल अंक पत्र दिखाना पड़ता है। सबकुछ जल्दीबाजी में किया जा रहा। छात्र फोन करके अपनी समस्याओं से हमें अवगत कराने का काम करते हैं लेकिन हम उसका जवाब नहीं दे पाते हैं। इस तरह जल्दीबाजी में लिए गए निर्णय से छात्र के साथ ही कर्मी भी परेशान होते हैं।

### अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक घायल

**सासाराम।** जिला मुख्यालय में अउवा गेट पास एनएच 2 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक कैमूर जिला के कुदरा थाना अंतर्गत कर्मा गांव का बताया गया। सूचना पर पहुंचे एनएचआई के एंबुलेंस नर्सिंग स्टाफ ने घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया है। वहीं परिजनों को भी सूचना देने की बात बताई गई। एनएचआई नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन से उक्त व्यक्ति घायल हो गया। जिसे सदर अस्पताल सासाराम में इलाज के लिए लाया गया है।

## चारों ओर कीचड़ से घिरे वामपंथी दलः राजेश्वर राज

**केटी न्यूज/काराकाट**

केरल में कमल खिल रहा है जहां कोई हिंदुत्व जानता तक नही था। उस वामपंथियों के गढ़ में कमल खिल रहा है, जहां राष्ट्रवाद शब्द भी अपराध था। चारों ओर से घिरे कीचड़ (लेफ्टिस्ट व कांग्रेसी) में कमल खिलखिला रहा है। उक्त बातें काराकाट विधानसभा से पूर्व भाजपा विधायक राजेश्वर राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि कितना सुंदर मनमोहक दृश्य है! कितना आंखों को सुकून देने वाला नजारा है! आज परशुराम जी की भूमि पुनर्जीवित हो उठी है जो कथित सेक्युलर/लिब्रल के गुनाहों के बोझ तले कराह रही थी। पेरियार के गढ़ तमिलनाडु में भगवा वोट प्रतिशत बढ रहा है, वही तमिलनाडु जहां सनातन को जड़ से खत्म करने की कसमें खाई जाती थी, वहीं पर सनातनी वोट प्रतिशत बढ़ रहा है। तेलंगाना जैसे जटिल डेमोग्राफी में कमल कांग्रेस और बीआरएस की छाती पर चढ़कर खिल रहा है, जहां भाजपा का कोई नामलेवा भी नही था। और तो और उड़ीसा में भाजपा की सरकार बन रही है, जहां कोई कल्पना भी नही कर सकता था,आज सपना साकार हो रहा है, कमल खिलखिला रहा है। लेकिन इसकी कहीं कोई चर्चा तक नहीं? यही टूलकिट नेरेटिव है, जिसमें फंसाया जा रहा ताकि भगवा जीत को कमतर साबित किया जा सके, जबकि केरल में कमल खिलना सिर्फ ये अकेला कारण भी बहुत था, भगवा विजय की चर्चा के लिए। उड़ीसा में सरकार बनाना भी बड़ी खबर थी, लेकिन कहीं चर्चा तक नही. क्या केवल यूपी, महाराष्ट्र के परिणाम से मोदी ब्रेंड खत्म हो गया क्या? भाजपा हार गई क्या? ऐसा सोचना भी महामूर्खता है। ये जो 99, 37 वाले चमचे और सर्पण्डे उछ्ल रहे है कोई तीर मार लिया क्या? बैठना तो विपक्ष में ही है। सर्पण्डे और चमचे मिलकर भी यूपी में वोट प्रतिशत अकेली भाजपा के आसपास ही ला पाए।

### काराकाट नगर पंचायत का हाल बेहाल, विकास से है कोसों दूर हैं जनता

## चुनाव के समय किए गए वादों का याद दिला रहे हैं नपं वासी

**केटी न्यूज/काराकाट(रोहतास)**

काराकाट नगर पंचायत के वार्ड 7 में नाली की सफाई नहीं होने के करण गंदा पानी सड़क पर बह रहा है और लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड में सड़क का निर्माण नहीं होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर जमा हो गया है। इससे लोगों को गंदे पानी को पार कर आना- जाना पड़ता है। दूसरी ओर जब स्थानीय लोगों समस्या को लेकर विभाग जा रहे हैं तो विभाग के कर्मियों द्वारा समस्याओं का समाधान भी नही किया जा रहा है। शुक्रवार को वार्ड 7 में पहुंचे तो लोगों ने समस्याएं गिनानी शुरू कर दीं। लोगों ने बताया कि जलनिकासी की समस्या गंभीर समस्या बनी हुई है। कूड़े का उठाव भी ससमय नहीं किया जाता है। नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के साथ कनेक्शन भी दे दिया गया है, लेकिन अबतक एक भी बूंद पानी नसीब नहीं हुआ है। विद्युत पोलों पर लगी स्ट्रीट लाइटें अभी लगते ही कुछ ही दिनों में खराब हो गई हैं, इनको ठीक कराने वाला कोई नहीं है।

**गंदे पानी की निकासी बनाने की जरूरत :** वार्ड में साफ सफाई नहीं होने से जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया है। नालियां टूटी पड़ी हैं। अभी तो बरसात भी नहीं तो ये हाल जो बारिश के समय समस्या उत्पन्न कर रही हैं। इसके लिए गंदे पानी की निकासी बनाने की जरूरत है। इसपर अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए। एनजीओ के निरस्तीकरण के बाद ना तो ससमय कूड़ा का उठाव हो रहा है और ना ही डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन ही हो रहा है। वहीं हमसब आस-पास के रहने वाले है और ऐसे में गंदे पानी के सड़ांध के कारण जीना मुहाल हो गया है।

आपको बता दे कि काराकाट नगर पंचायत गोडारी वार्ड नंबर 7 के बकस बाबा से होते हुए प्रखंड कार्यालय और थाना जाने वाली मुख्य सड़क पर नया नाला निर्माण व नाली की सफाई नहीं होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर हमेशा जमा रहता है। आलम यह है कि प्रखड कार्यालय में काम करने वाले महिला और पुरुष कर्मी एक हाथ से नाक बंद कर तो दूसरे हाथ से पैजामा उठा कर गंदे पानी से होकर प्रतिदिन गुजरते हैं। वही इसी रास्ते काराकाट थाना के पुलिस व राहगीर से लेकर कई गांव के लोग भी आते जाते हैं। लोगों द्वारा दर्जनों बार शिकायत के बावजूद नपं प्रशासन सुध नहीं ले रहा है। बरसात की बात कौन करे नगर पंचायत के वार्ड 7 बकस बाबा मंदिर के मुख्य सड़क पर बिन बरसात भी हमेशा जलजमाव रहता है। इस रास्ते से गुजरने वाले क्षेत्र के लोग, प्रखंड के कर्मी व स्थानीय थाना के पुलिस परेशान है। नाली जाम की वजह से नाली का गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है। वहीं, इस मुहल्ले में नाली जाम तो है ही कई जगह उसका स्लैब टूटा हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली का मरमती नही होने से नाली में गंदगी भरा पड़ा है, जगह जगह नाली जाम हो जाने के कारण सड़क पर नाली का गंदा पानी निकलकर हमेशा जमा रहता है, जिससे काफी सड़ांध आती रहती है। लेकिन नगर पंचायत द्वारा नाली सफाई नहीं कराई जा रही है। ना ही टूटे नाली का निर्माण कराया जा रहा है। बीडीओ काराकाट राहुल कुमार सिंह द्वारा कई बार इसमें मिट्टी भरवाकर बराबर कराया गया है, लेकिन नगर पंचायत विभाग को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

# लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा समेत 18 उम्मीदवारों की जमानत हुई जब्त

♦ लोकसभा चुनाव में बसपा की झोली में आई सिर्फ निराशा

**केटी न्यूज/ बलिया**

लोकसभा चुनाव में बलिया व सलेमपुर सीट पर चुनाव मैदान में उतरे बसपा समेत 18 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। जमानत जब्त कराने वाले उम्मीदवारों में बलिया लोकसभा क्षेत्र के 11 व सलेमपुर लोक सभा क्षेत्र के सात प्रत्याशी हैं। सातवें व अंतिम चरण में एक जून को बलिया, सलेमपुर और घोसी आंशिक लोकसभा क्षेत्रों के लिए जनपद के सात विधान सभा क्षेत्रों में मतदान कराया गया था। इसके बाद मंगलवार शाम तक मतगणना के बाद परिणाम घोषित हुआ। निर्वाचन आयोग के नियमों के मुताबिक पड़े वैध मत का छठवां हिस्सा जमानत बचाने के लिए आवश्यक होता है।

दोनों लोकसभा क्षेत्रों में अधिकांश प्रत्याशी यह मत नहीं पा सके और जमानत नहीं बचा सकें। बलिया लोक सभा क्षेत्र में कुल 995645 मत पड़े। इसमें सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय को 467068 व भाजपा के प्रत्याशी नीरज शेखर को 423684 मत मिले। दोनों प्रत्याशियों की जमानत बच गई। जबकि 11 प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा सकें। इसमें बसपा के उम्मीदवार लल्लन सिंह यादव को 85205, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के रविकांत सिंह ऊर्फ रवि पटेल को 3181, आजाद समाज पार्टी कांशीराम के सूर्य बली प्रसाद को 2148, गोंडवाना गणंतत्र पार्टी के रामनिवास गोंड को 2672 मत ही प्राप्त हो सकें। इसके अलावा निर्दलीय सुमेश्वर पांडेय को 5056, शेषनाथ को 3588, रंजना को 1878, अशोक गुप्ता को 1347, मनिंदर को 1187, अवधेश वर्मा को 1161 और प्रकाश कुमार को 960 मत ही मिले। इस तरह सलेमपुर लोक सभा क्षेत्र में कुल 905172 मत पड़े थे। इसमें दोनों प्रत्याशी भाजपा के रविंद्र कुशवाहा 401899 व इंडिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी रमाशंकर राजभर को 405472 मत लेकर अपनी जमानत बचा लिया। इसके अलावा सात प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा सके। इसमें बसपा के उम्मीदवार भीम राजभर 80599, जनता क्रांति पाटी राष्ट्रवादी के जय बहादुर ऊर्फ जयबहादुर चौहान को 8263 वोट मिले। अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी के श्रीनारायण मिश्रा 3892, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के सूर्य प्रकाश गौतम को 1785 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा निर्दलीय सद्दाम हुसैन 3215, श्रीकृष्णा 2532 और अमरेश ठाकुर 2156 मत लेकर

## खबरें फटाफट

### रेलवे ट्रैक पर अज्ञात महिला का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

**गाजीपुर।** भुड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत गौरा खास गांव के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर आज सुबह रेलवे कर्मचारियों ने देखा कि एक महिला का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ था। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर भुड़कुड़ा कोतवाली के उप निरीक्षक रूद्र प्रताप राय ने शव को कब्जे में ले लिया और शिनाख्त में जुट गई। महिला का उम्र लगभग 50 वर्ष के आस-पास है। महिला लाल रंग की साड़ी काले कलर की ब्लाउज पहनी हुई थी।

### बैंक के सामने रखी बाइक पर चोरों ने किया हाथ साफ

**बलिया।** शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बलिया रेलवे स्टेशन के नजदीक पंजाब नेशनल बैंक के सामने रखी बाइक पर चोरों ने शुक्रवार की दोपहर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि बिचला घाट पुलिस चौकी अंतर्गत चमन सिंह बाग रोड निवासी सरफराज पुत्र माजीद बलिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने अपनी ग्लैमर बाइक (यूपी 60 एडब्ल्यू 2582) खड़ी कर बाटी चोखा खाने चला गया। वहां बाटी चोखा खाकर 10 से 15 मिनट बाद लौटा तो बाइक गायब थी। उसने अपनी बाइक चोरी की शिकायत ओक्डेन गंज पुलिस चौकी में तहरीर दी। साथ ही पुलिस कंप्यूटर केंद्र, पुलिस इकाई में दर्ज करा दी है।

### 09 लाभार्थियों को पगमिल दिए जाने का मिला लक्ष्य

**गाजीपुर।** उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड समन्वित विकास कार्यक्रम अंतर्गत माटीकला टूल्स किट्स वितरण योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 के लिए जनपदवार टूल्स किड्स वितरण एवं माटीकला बोर्ड द्वारा पंजीकृत सहकारी समितियों के 09 लाभार्थियों को पगमिल दिए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। माटीकला से संबंधित प्रजापति समाज के परम्परागत कारीगरों को निःशुल्क विद्युत चाक एवं पगमिल का वितरण किया जाना है। जिसमें लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्र का निवासी हो एवं उसकी आयु 18 वर्ष से कम और 55 वर्ष से अधिक न हो। माटीकला बोर्ड के पोर्टल upmatikalaboard.in आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक लाभार्थी 05 जुलाई 2024 तक अपना आवेदन पत्र हार्ड कापी जमा कर सकते है।

## बीएड प्रवेश परीक्षा के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

# बीएड प्रवेश परीक्षा में छोटी गलती भी होगी अक्षम्य: जिलाधिकारी

♦ जिलाधिकारी ने सचेत किया कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी होगी अक्षम्य

**केटी न्यूज/बलिया**

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2024 को सुचारू और सकुशल ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, नगर प्रभारी, नोडल अधिकारी, उप नोडल अधिकारी, नोडल समन्वयक, उप नोडल समन्वयक, केंद्र प्रतिनिधि सेक्टर मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक, केंद्राध्यक्ष, मुख्य कक्ष निरीक्षक एवं कक्ष निरीक्षक के साथ बैठक की।

उन्होंने सभी को निर्देश दिया कि परीक्षा की जो नियम-शर्तें हैं, उनके अनुरूप ही परीक्षा सम्पन्न कराएंगे। सचेत किया कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि परीक्षा से संबंधित सभी कार्यों के बारे में विश्वविद्यालय द्वारा दी गई बुकलेट में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं सभी लोग इसे अवश्य पढ़ लें। किसी भी दशा में कोई भी छोटी गलती स्वीकार नहीं होगी।किसी भी प्रकार की गड़बड़ी संज्ञान में आई तो व्यक्तिगत रूप से जवाबदेही तय करते हुए जिम्मेदार पर बड़ी कार्रवाई होगी। प्रवेश परीक्षा 9 जून को दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली सुबह 9 से 12 तक तथा द्वितीय पाली 2 से 5 बजे तक का होगा। इसके लिए जनपद में 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और इस परीक्षा के लिए 9664 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा कराना अति संवेदनशील व महत्वपूर्ण कार्य है। इसलिए उन्होंने सभी केन्द्राध्यक्षों को निर्देश दिया कि पहले से ही यह देख लें कि किसी भी केंद्र पर कोई कमी न रह जाए। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को 8 जून को स्टेटिक मजिस्ट्रेट,केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक आदि के साथ बैठक कर प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पीने के पानी, शौचालय, निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही कमरों में दोनों तरफ से सीसीटीवी कैमरा, डिस्प्ले बोर्ड, रिकार्डिंग व वेबकॉस्टिंग की व्यवस्था पूरी तरह सही हो,इसे भी एनश्योर कराने हेतु निर्देशित किया।। परीक्षार्थियों की सीटिंग व्यवस्था भी देख लेंगे। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को इन व्यवस्थाओं से संबंधित आख्या रिपोर्ट कंट्रोल रूम में देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिए गए समयानुसार परीक्षा संबंधी सभी गतिविधियां सम्पन्न होगी। इसके अलावा स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी इन निदेशों का अनुपालन अपने स्तर से भी सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना करने का निर्देश सीआरओ को दिया।

### आज से कल तक सक्रिय रहेगा कंट्रोल रूम

बलिया। कंट्रोल रूम 8 जून से संचालित होकर 9 जून को परीक्षा समाप्ति तक सक्रिय रहेगा। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने परीक्षा से सम्बधित पूरी प्रक्रिया व ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण तथ्यों से सभी को अवगत कराया। बैठक में सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी, जिविनि रमेश सिंह, बीएसए मनीष सिंह,वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दूबे सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि मौजूद थे।

## ओ- लेवल व सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना ऑनलाइन संचालित

**आठ से 21 जून तक आवेदन की तिथि निर्धारित**

**गाजीपुर।** जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सच्चिदानंद तिवारी ने जिले के पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक व युवतियों को सूचित किया जाता है कि ओ- लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन संचालित की जा रही है। वर्ष 2024-25 में इस योजना के अंतर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट से मान्यता प्राप्त इच्छुक संस्थाओं द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के युवक और युवतियों को ओ-लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कराने के लिए जनपद में आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 08 से 21 जून 2024 तक तिथि निर्धारित की गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश की बेवसाइट backwardwelfareup.gov.in पर दिए गए लिंक एवं obccomputertraing.upsdc.gov.in से निर्धारित प्रारूप पर संस्था द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और समय-सारिणी उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। आवेदन करने के उपरान्त संस्था द्वारा ऑनलाइन भरे गए आवेदन के प्रति डाउनलोड कर प्रिन्ट ऑउट प्राप्त कर हस्ताक्षरित करते हुए, समस्त वांछित अभिलेखों तथा उपलब्ध संशाधनों का विवरण सहित निदेशालय, पिछड़ा वर्ग कल्याण उत्तर प्रदेश 10वां तल, इंदिरा भवन अशोक मार्ग, लखनऊ एवं एक प्रति कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग गाजीपुर में विलंबतम दिनांक 21 जून 2024 सायंकाल पांच बजे तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। संस्था द्वारा ऑनलाइन आवेदन में भरी गई सूचना एवं उपलब्ध कराए गए अभिलेखों का परीक्षण तथा संस्था की आधारभूत संरचनाओं का भौतिक सत्यापन कराते हुए निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए संस्थाओं का चयन किया जाएगा।

# केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने किसानों की खेतों से मिट्टी का सैंपल लेना शुरू किया

♦ दस गांवों का चयन कर 1000 सैंपल लेने का लक्ष्य निर्धारित

**केटी न्यूज /गाजीपुर**

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने किसानों के खेतों से मृदा परीक्षण के लिए मिट्टी का स्वायल सैंम्पल (नमूना) लेने के लिए ब्लाक के दस गावों का चयन किया है और इन गावों से एक हजार नूमने लेने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके बाद कृषि महकमें के कर्मचारी और अधिकारी नमूना लेने के काम में जुट गए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय भारत सरकार की ओर से रेवतीपुर कृषि विभाग को जो लक्ष्य मिला है, उसे एक हफ्ते के अंदर पूरा कर लिया जाना है। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक लिए जाने वाले सभी सैंम्पल को गाजीपुर स्थित स्वायल सैंम्पल लैब या आकुंशपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के लैब में भेंजा जाएगा। इसकी रिपोर्ट धान की रोपनी से पहले ( एक महीनें के अंदर) आ जाएगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इसके परीक्षण रिपोर्ट में जो कमियां मिट्टी में मिलेगी, उसे जरूरी पोषक तत्वों के जरिए दूर किया जाएगा। ताकि खेत की उर्वरक क्षमता में कमी न होने पाए और किसान खुद का उत्पाद बढ़ाने के साथ ही आय भी बढ़ा सके। एडीओ एजी सोनेलाल पटेल ने बताया कि एक खेत से चार जगह मिट्टी के नमूने लिए जा रहे है। जिसे लैब में जांच के लिए भेंजा जाएगा। इसकी रिपोर्ट एक महीनें के अंदर प्राप्त हो जाएगी। यह पूरी जांच मुफ्त में होगी। इसका मुख्य उद्देश्य खेतों की उर्वरक क्षमता बनाए रखना व उत्पादन में वृद्धि करना है। बताया कि इसके लिए प्रत्येक विकास खंड के दस- दस माडल गांवों का चयन करके खसरा-खतौनी के आधार पर हर किसान के खेत की मिट्टी की मुफ्त जांच करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किया जाएगा।बताया कि जांच में मुख्य तौर पर नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, अम्ल, आर्गेनिक, कार्बन, मैग्नीज, कापर, आयरन, बोरान, आदि की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरे इलाके में करीब सोलह हजार से अधिक किसान पंजिकृत किसानों के द्वारा करीब ढाई हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की खेती की जाती है।

## एक नजर

### डंफर की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

**बलिया।** फेफना थाना क्षेत्र के खोरी पाकड़ मुबारकपुर गांव के सामने शुक्रवार की भोर शौच के लिए एनएच 31 मार्ग पार करते समय गिट्टी लदा

डंफर की चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई। वहीं टक्कड़ मारने के बाद डंफर सड़क किनारे खड़े टेंपो से लड़ते हुए पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई बिजली के पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। वहीं घटना के बाद डंफर चालक मौके से फरार हो गया। खोरी पाकड़ मुबारकपुर गांव निवासी हरिशंकर राजभर पुत्र घुरी राजभर उम्र 65 शौच के लिए शुक्रवार की सुबह एनएच 31 पर कर रहे थे कि फेफना की तरफ से गिट्टी लाद कर आ रहा डंफर ने जोरदार टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खड़े टेंपो से लड़ने के बाद पेड़ से जा टकराया। इस दौरान कई बिजली के पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए। आसपास के लोग तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो देखा कि हरिशंकर राजभर का शव लहूलुहान अवस्था में रोड पर पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। वहीं परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है।

### 60,000 से अधिक पेंशन पाने वाले पेंशनधारी प्रतिमाह आयकर जमा करें

**गाजीपुर।** वरिष्ठ कोषागार गाजीपुर ने पेंशन आहरित कर रहें समस्त पेंशनभोगियों को सूचित किया कि आयकर विभाग के रेगुलेशन के अनुसार समस्त पेंशनभोगी अपने पैन नंबर को अपने आधार कार्ड से आयकर विभाग की साइट पर अपने घर के निकटतम किसी भी जनसेवा केन्द्र अथवा टीआरपी सेंटर पर जाकर लिंक करा लेवें। अन्यथा की दशा में आयकर विभाग के गाइड लाइन के अनुसार पैन नंबर को आधार कार्ड से लिंक न कराने की स्थिति में आयकर देयता होने की दशा में आयकर की कटौती देयकर का दुगुना अथवा 20 प्रतिशत की दर से कटौती करने का प्राविधान है। साथ ही अवगत कराना है कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा-192 के अनुसार, महालेखाकार उत्तर प्रदेश के आडिट दल द्वारा उठाई गई आपत्ति के अनुपालन में कोषागार गाजीपुर से पेंशन आहरित कर रहें समस्त पेंशनभोगी को आयकर विभाग द्वारा निर्गत गाइड लाइन के दृष्टिगत ऐसे पेंशनभोगी जो प्रतिमाह रुपये 60,000/- से अधिक पेंशन भुगतान प्राप्त कर रहे हैं, वे नियमानुसार आनुपातिक रूप से पेंशन पर देय आयकर देयता की कटौती प्रतिमाह नियमित पेंशन से आवश्यक रूप से कटौती कराना सुनिश्चित करें।

### चोरों ने हजारों रूपए के सामानों पर किया हाथ साफ

**बलिया।** शहर कोतवाली क्षेत्र के प्रोफेसर कालोनी स्थित एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपए के सामानों पर हाथ साफ कर दिया, शुक्रवार को वीर बहादुर यादव ने तहरीर दी है। आश्चर्य की बात यह है कि चोरों ने चोरी करने के बाद दूसरा ताला गेट पर लगा दिया। पुलिस को दिए तहरीर में प्रोफेसर कालोनी निवासी वीर बहादुर यादव पुत्र स्व. हरिहर यादव ने बताया है कि वह मूल रूप से सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के बसरिखापुर सीसोटार के रहने वाले हैं। मां की तबीयत खराब थी, लिहाजा प्रोफेसर कालोनी स्थित मकान में ताला बन्द कर तीन जून को अपने गांव चला गया। शुक्रवार की सुबह वापस आया तो मेरे मकान में दूसरा ताला लगा था। ताला तोड़ कर अन्दर गया तो मेरे घर में सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित के मुताबिक, चोरों ने 500 ग्राम का तीन पाजेब, चेन, एक भर का लॉकेट, दो झुमका, आयरन, बाली, टप्स, झाला, 6 अंगूठी, सोने की मोती आठ पीस, नथिया, मंगटीका, हार, मंगल सूत्र पर चोरों ने हाथ साफ किया है। पीड़ित को संदेह है कि किसी जानकार व्यक्ति ने मेरे घर में चोरी कर-के बाहर से दूसरा ताला लगा कर चला गया, जिससे किसी को चोरी होने की शंका न हो सकें।

### चाकू से गोदकर अधेड़ की निर्मम हत्या, पुलिस छानबीन में जुटी

**बलिया ।** भीमपुरा थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार स्थित मकान के आंगन में सो रहे अधेड़ की चाकू से गोदकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी शुक्रवार की सुबह 10 बजे के आसपास हुई। जब मकान में बने कटरे के दुकानदार ने दुकान खोलकर चाभी लेने के लिए उनके पास गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर रही है।

भीमपुरा निवासी विनोद सिंह (55) की बाजार में मकान है। इसमें अकेले रहते थे। इनके बच्चे और पत्नी बाहर रहते हैं। शुक्रवार की सुबह मकान में बने कटरे के दुकानदार ने अपनी दुकान खोली। मेन शटर का ताला खोलने के लिए मकान मालिक के पास गया। देखा कि मकान के अहाते में खून से लथपथ पड़े थे। दुकानदार घबराकर बाहर आकर इसकी सूचना अन्य लोगों को दी। उनके गर्दन पर चाकू से काटे जाने का निशान है। मृतक का शरीर चारपाई से गिरकर करीब दस मीटर दूर दरवाजे के पास सिर्फ अंडरवियर पर जमीन पर पड़ा हुआ था। घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है।

## घोसी लोक सभा क्षेत्र से सांसद बने राजीव राय ने जनता के प्रति किया आभार प्रकट

# चुनाव के दौरान किए वादों को पूरा करूंगा: राजीव राय

**केटी न्यूज/मऊ**

घोसी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से भारी मतों से जीत दर्ज कराकर सांसद बने राजीव राय ने क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारी जीत कार्यकताओं ,युवा,महिलाएं ,बुजुर्गो सहित जनता की जीत है। आगे कहा कि मैंने चुनाव के दौरान जो वादा किया है वह जुमला नही है मैं उसे पूरा करूंगा। राजीव राय ने कहा कि घोसी की जनता 20 वर्षो से नेता खोज रही थी जो जनता के बीच में रहे और जनता के सुख ,दुख में रहे तो मैं नेता नही आपका भाई और बेटा बनकर रहूंगा और आपके हर सुख दुख का साथी बनकर रहूंगा। उन्होंने कहा कि हमे घोसी जी जनता पार्टी , जाति धर्म से ऊपर उठकर मतदान किया है जो अहंकारियो के मुंह पर करारा तमाचा है।

**सपा के राजीव राय ने अरविंद राजभर को 162943 वोटो से हराया:** उत्तर प्रदेश की घोसी लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी ने चुनाव में जीत हासिल की है. सपा के दिग्गज नेता राजीव राय ने जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के बेटे डॉ अरविंद राजभर चुनावी मैदान में थे। लेकिन सपा के राजीव राय ने एकतरफा मुकाबले में अरविंद राजभर को 162943 वोटो से हराया। राजीव राय को इस सीट पर 503131 वोट मिले। वहीं अरविंद राजभर को 340188 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

### राजीव राय की शानदार जीत पर व्यक्त की गई प्रसन्नता

इन्डिया गठबंधन के अधिवक्ताओं की एक बैठक दीवानी कचहरी मऊ में सुरेन्द्र पाण्डेय एडवोकेट उपाध्यक्ष जिला काग्रेंस कमेटी विधि विभाग की अध्यक्षता में हुई । जिसमें घोसी लोकसभा चुनाव में इन्डिया गठबंधन तथा सपा प्रत्याशी राजीव राय की शानदार जीत पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी। साथ ही बैठक में इन्डिया गठबंधन को विजय दिलाने में घोसी लोक सभा क्षेत्र की जनता एवम गठबंधन दलों की अहम भूमिका की भी सराहना की गयी। इसके साथ ही साथ आशा और विश्वास व्यक्त किया गया कि राजीव राय स्वर्गीय कल्पनाथ राय के सपनों को साकार करेगें तथा मऊ पुनः विकास के मानचित्र में प्रथम रहेगा। बैठक के बाद में उपस्थित अधिवक्ताओं को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया।

# गाजीपुर से भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय ने जनता से मिलकर आभार प्रकट किया

**केटी न्यूज /गाजीपुर**

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद भाजपा प्रत्याशी रहे पारसनाथ राय ने शुक्रवार को जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र के दर्जन भर ग्राम पंचायतों में मतदाताओं ,कार्यकताओं से मिलकर आभार प्रकट किया। कहा कि लोकसभा चुनाव में जनपद के कार्यकताओं और मतदाताओं का मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। क्योंकि जिस प्रकार मुझ छोटे से कार्यकर्ता को पार्टी ने प्रत्याशी घोषित करके एक बड़ा सम्मान देने का काम किया था। ठीक उसी प्रकार गाजीपुर की सम्मानित जनता ने भी सम्मानजनक मत देकर मुझे अपना ऋणी बना लिया है। मैं यह भरोसा दिलाता हूं कि चुनाव में जिस प्रकार सम्मान मिला है। इसके लिए मैं जनपद के प्रत्येक परिवारों का आभारी रहूंगा और हर मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का भी पूरा-पूरा प्रयास करूंगा। इस मौके पर पारसनाथ राय क्षेत्र के भैरोपुर, बद्धुपुर, बभनवली, मलेठी, चककपिल, भोजापुर और बिरनो में कार्यकताओं के साथ बैठकर चुनाव के दौरान अथक परिश्रम के साथ सहयोग और समर्थन के प्रति आभार जताया। भड़सर में ग्राम प्रधान विनोद गुप्ता के घर पहुंचे और बूथ कार्यकताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर उनके साथ मनोज सिंह, मन्नू राजभर, लाल बहादुर पांडेय, ऋषभदेव सिंह, सप्पू गुप्ता ,गोविंद यादव, कृष्णा राजभर सहित अन्य लोग मौजूद रहे

# रिपोर्ट आई सामने : यूपी के आठ आकांक्षात्मक जिलों का वित्तीय योजनाओं में शानदार प्रदर्शन

- पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन के मामले में बड़ी उपलब्धि
- राष्ट्रीय औसत से भी ऊपर है यूपी का आकांक्षात्मक जिला फतेहपुर
- बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र की रिपोर्ट

**केटी न्यूज / लखनऊ**

प्रदेश के आठ आकांक्षात्मक जिलों में केंद्र सरकार की वित्तीय योजनाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। प्रदेश की योगी सरकार की देखरेख में राज्य में चल रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने लक्ष्य के सापेक्ष 332 प्रतिशत अधिक उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के सामने प्रस्तुत की गई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति विभिन्न बैंको, अन्य वित्तीय संस्थाओं तथा केन्द्र व राज्य सरकार के मध्य सेतु का काम करने वाला फोरम है। इस फोरम में त्रैमासिक बैठकों के माध्यम से विभिन्न विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाती है तथा विभिन्न मानकों में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए रणनीति तैयार की जाती है। उत्तर प्रदेश में इस फोरम का संयोजन बैंक ऑफ बड़ौदा करता है। आकांक्षात्मक जनपदों के परफॉर्मेंस पर एक नजर डालें तो प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेवाई) में बहराइच ने प्रति लाख की आबादी पर 9772 लाभार्थी के लक्ष्य के सापेक्ष 13977 का लक्ष्य प्राप्त किया है, जोकि 143 प्रतिशत है। ऐसे ही बलरामपुर 8183 यानी 84 प्रतिशत, चंदौली 7980 यानी 82 प्रतिशत, चित्रकूट 14681 यानी 150 प्रतिशत, फतेहपुर 13537 यानी 130 प्रतिशत, श्रावस्ती 11955 यानी 122 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर 8854 यानी 91 प्रतिशत और सोनभद्र ने 12663 लाभार्थी प्रति लाख की आबादी के हिसाब से 130 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है।

ऐसे ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के मामले में 30303 लाभार्थी प्रति लाख आबादी के लक्ष्य के सापेक्ष बहराइच ने 25866 लाभार्थी यानी 85 प्रतिशत, बलरामपुर ने 23611 यानी 78 प्रतिशत, चंदौली ने 32521 यानी 107 प्रतिशत, चित्रकूट 38037 यानी 126 प्रतिशत, फतेहपुर ने 35664 यानी 118 प्रतिशत, श्रावस्ती ने 20318 यानी 67 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर ने 29411 यानी 97 प्रतिशत और सोनभद्र ने 26692 यानी 88 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति की है। उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक और बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक समीर रंजन पांडा के अनुसार सरकार द्वारा शुरू किए गए जनसुरक्षा संतृप्ति अभियान में जनसुरक्षा योजना के तहत पात्र खातों के संतृप्ति के अंतर्गत प्रदर्शन में और

### अटल पेंशन योजना में फतेहपुर ने रचा कीर्तिमान

प्रदेश में आठ आकांक्षात्मक जिले हैं, जहां विकासपरक योजनाओं की स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने स्तर पर मॉनीटरिंग करते हैं। इनमें बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र जिले शामिल हैं। यहां विकास की योजनाओं को तेज और पारदर्शी ढंग से धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा कई वित्तीय सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इनमें पीएमजेजेवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के मामले में इन जिलों ने बेहतरीन परफॉर्मेंस किया है। वहीं फतेहपुर ने एपीवाई के नेशनल बेंचमार्क (प्रति लाख की आबादी पर 2886 लाभार्थी) से भी अधिक 9578 यानी 332 प्रतिशत अधिक लक्ष्य की प्राप्ति हुई है।

### एपीवाई में सभी आकांक्षात्मक जिले 100 प्रतिशत लक्ष्य के पार

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के मामले में 2886 लाभार्थी प्रति लाख आबादी के लक्ष्य के सापेक्ष बहराइच ने 4399 लाभार्थी यानी 152 प्रतिशत, बलरामपुर ने 4559 यानी 158 प्रतिशत, चंदौली ने 5013 यानी 174 प्रतिशत, चित्रकूट ने 6717 यानी 233 प्रतिशत, फतेहपुर ने 9578 यानी 332 प्रतिशत, श्रावस्ती ने 3182 यानी 110 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर ने 4563 यानी 158 प्रतिशत और सोनभद्र ने 4251 यानी 147 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति की है।

## खबरें फटाफट

### दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को मिली जॉब

**जौनपुर ।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कैंपस प्लेसमेंट में वर्ष 2022-23 और 2023-2024 के उत्तीर्ण छात्रों को भी मिल रही जॉब। सेंट्रल प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल के कोर्डिनेटर प्रो प्रदीप कुमार ने बताया कि सेल के द्वारा लगातार प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गयी, जिसमे न केवल वर्ष 2023-2024 बल्कि 2022-23 के उत्तीर्ण छात्रों को भी जॉब दी गई है। इसी कड़ी में एम बी ए के छात्र मो. हुजेफा खान ने इंदौर में के वी बी स्टाफिंग सॉल्यूशन्स प्राईवेट लिमिटेड में एक्सकुटिव पीपल्स ऑपरेशंस के पद पर ज्वाइन किया है। इसी क्रम में लगभग दो दर्जन से अधिक बी टेक छात्रों ने सन्कैप टेलिकॉम प्राईवेट लिमिटेड व ओसियन टेक्नोलॉजीज में ज्वाइन किया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने जाब पाए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं।
छात्रों ने भी विश्वविद्यालय द्वारा ट्रेनिंग व प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने हेतु प्लेसमेंट सेल की सराहना की है । इसी कड़ी में कई पुरातन छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों की ट्रेनिंग व प्लेसमेंट हेतु छात्रों से संवाद व बाजार की जरूरत के मुताबिक छात्रों को तैयार करने हेतु ट्रेनिंग देने की पेश कश भी की है।

### 70 परिवार एक हफ्ते से अंधेरे में रहने को मजबूर

**सोनभद्र ।** सोनभद्र के देवगढ़ ग्राम पंचायत के रुम्मा गांव में बीते एक सप्ताह से करीब 70 परिवार अंधेरे में रहने को विवश है। आंधी तूफान से एक सप्ताह पूर्व यहां बिजली के 5 खंभे गिर कर जमीन पर पड़े हुए हैं। लेकिन बिजली विभाग की लापरवाही से अभी तक ये खंभे दुरुस्त नहीं किए गए। इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। ग्राम प्रधान वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बीते एक सप्ताह पहले आंधी तूफान आया था, जिससे रुम्मा गांव में कई जगहों पर बिजली के 5 खंभे टूट कर गिर गए थे। इसके बाद कई बार बिजली विभाग में शिकायत की गई, लेकिन अभी तक खंभे जमीन पर पड़े हुए हैं। इससे कोल बस्ती, मुस्लिम बस्ती, बैसवार बस्ती, कहार बस्ती, धरकार बस्ती के करीब 70 घरों के लोग भीषण गर्मी में जीवन बिताने को विवश हैं।

### गुरूवार की रात घोसी कोतवाली के खुरहनी गांव में छोटे भाई ने दिया दर्दनाक घटना को अंजाम

# भाई को सिपाही ने पढ़ाई के लिए जड़ा था थप्पड़ तो सोते समय हथौड़े से मारकर कर दी हत्या

- यूपी के जौनपुर के मछलीशहर में पोस्टेड़ था मृतक सिंपाही संदीप सिंह पटेल
- गुरुवार की सुबह ही वह वह अपने घर अपनी मां और छोटे भाई दिलीप से मिलने आया था सिपाही

**केटी न्यूज/मऊ**

### पढ़ाई के लिए डांटने और थप्पड़ मारने से भाई था नाराज

आरोपी भाई ने इस घटना को उस समय अंजाम दिया, जब घर में सभी लोग सो रहे थे। हत्या करने के बाद आरोपी भाई घटनास्थल से फरार हो गया। घटना की मुख्य वजह बड़े भाई द्वारा छोटे भाई को पढ़ाई के लिए डांटना और थप्पड़ मारना बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गयी है। लोगों में यह चर्चा है कि बड़े भाई के द्वारा पढ़ाई को लेकर छोटे भाई को डांट देना तो आम बात है, लेकिन किसी ने सोचा नहीं था कि बड़े भाई की डांट से छोटा भाई इस प्रकार से खौफनाक कदम उठाकर घटना को अंजाम दे देगा।

गुरुवार की रात पढ़ाई के लिए बड़े भाई के द्वारा छोटे भाई को थप्पड़ मारा महंगा पड़ गया कि उसे अपने जान से हाथ धोना पड़ा। हत्या की घटना मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र में हुई। जहां एक छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की सोते समय सिर पर हथौड़े से हमला कर हत्या कर दी। मृतक जौनपुर के मछलीशहर में सिपाही के पद पर तैनात था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना के बाद से आरोपी भाई मौके से फरार है।

घोसी कोतवाली के खुरहनी गांव निवासी संदीप सिंह पटेल (26) पुत्र स्व. लाल बहादुर जौनपुर के पौवारा थाने में सिपाही के पद पर तैनात था। गुरुवार की सुबह वह अपने घर अपनी मां और छोटे भाई दिलीप से मिलने आया था।

### बरामदे में सो रहा था संदीप

परिवारिक सूत्रों के अनुसार मृतक सिपाही के घर पर केवल उसकी मां आशा देवी व उसका 20 वर्षीय छोटा भाई दिलीप सिंह रहता है। गुरुवार की देर शाम सिपाही संदीप की स्नातक में पढ़ रहे उसके छोटे भाई दिलीप से पढ़ाई को लेकर कुछ बहस हो गयी। उसी दौरान पढ़ाई के लिए डांटते हुए बड़े भाई संदीप ने छोटे भाई दिलीप को एक थप्पड़ जड़ दिया। बड़े भाई के थप्पड़ से खुन्नस खाकर छोटा भाई बदला लेने के लिए मौके की तलाश करने लगा। इतना सब होने के बाद रात के समय संदीप खाना खाकर घर के बरामदे में रखे चौकी पर सो रहा था। उसी वक्त गुस्से से तमतमाए दिलीप ने सो रहे अपने बड़े भाई संदीप के सिर के पिछले हिस्से पर हथौड़े से ताबड़तोड़ कई बार प्रहार कर दिया। इस हमला के दौरान सो रहे भाई को संभालने का एक मौका तक नहीं मिला। हथौड़े के हमले से वह लहूलुहान होकर छटपटाने लगा। घटना के बाद परिजन और ग्रामीणों ने घायल को बड़राव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

### मृतक सिपाही 2018 में यूपी पुलिस में हुआ था भर्ती

पुलिस की प्राथमिक जांच के बाद सीओ घोसी दिनेश दत्त मिश्र ने बताया कि मृतक की मां के तहरीर के आधार पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई कर रही है। मृतक की मां आशा व पत्नी सुधा का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक की एक तीन साल की पुत्री भी है। मृतक सिपाही बीते 2018 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था।

### सिपाही ने दिलीप को सुधरने की दी थी हिदायत

परिजनों ने पुलिस को बताया कि देर शाम को किसी बात को लेकर स्नातक की पढ़ाई कर रहे छोटे भाई दिलीप सिंह से उसका विवाद हो गया। सिपाही ने दिलीप को सुधरने की हिदायत दी। इसके बाद संदीप खाना खाकर सोने चला गया। इस बीच गुस्साए दिलीप ने संदीप के सिर पर हथौड़े से प्रहार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### एसपी इलामारन जी ने लिया घटनास्थल का जायजा

घटना की सूचना पर सीओ दिनेश दत्त मिश्र व कोतवाल राजकुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। इस दौरान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इधर गांव में पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सभी साक्ष्य जुटाए। मौके पर पहुंचकर एसपी इलामारन जी ने घटनास्थल का जायजा लिया। अपने मातहतों से घटना के बारे में जानकारी लिया। एसपी इलामारन ने बताया कि मामला संज्ञान में हैं। मृतक का छोटे भाई से पढ़ाई को लेकर कुछ विवाद हुआ था। इससे नाराज उसके छोटे भाई ने हथौड़े से युवक पर हमला कर दिया। पुलिस जांच कर रही है।

## एक नजर

### सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने काशी-विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कर समर्पित की जीत

**वाराणसी।** आजमगढ़ से नव निर्वाचित सांसद धर्मेंद्र यादव ने शुक्रवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में षोडशोपचार विधि से पूजा की, भव्य अभिषेक करते हुए बाबा का आशीर्वाद लिया। आजमगढ़ समेत सपा की जीत को बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद बताया। इसके बाद सपा सांसद ने सपरिवार अन्नपूर्णा मंदिर, कालभैरव मंदिर व महामृत्युंजय मंदिर में सपरिवार दर्शन पूजन किया। विधि विधान से सभी धार्मिक स्थलों पर आरती की और संकल्प लिया। गुरुवार की रात मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन के बाद सपा सांसद धर्मेंद्र यादव आड वाराणसी पहुंचे। जहां सपा कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। देर रात सपा सांसद ने सपा नेताओं के साथ संकट मोचन मंदिर, दुर्गा मंदिर में सपरिवार दर्शन कर आशीर्वाद लिया था। इसके बाद सुबह से बनारस के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचे।

### 17 केंद्रों पर 09 जून को होगी बीएड की प्रवेश परीक्षा

**जौनपुर।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार की उपस्थिति में बीएड प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जनपद में कुल 17 केंद्रों पर बीएड की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसको लेकर अधिकारियों के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गयी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर किसी भी दशा में इलेक्ट्रानिक उपकरण नहीं पहुंचना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को पहले ही परीक्षार्थियों को चेक करना होगा। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में होगी ताकि परीक्षकों पर भी नजर रखी जा सके। जनपद में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए 09 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 17 स्टैटिक और 34 आब्जर्वर तैनात किए जाएंगे। नगर मजिस्ट्रेट ने चेतावनी देते हुए कहा कि गड़बड़ी मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही प्रकाश में आने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ विधिक रूप से कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र प्रातः 09.00 बजे से 12.00 बजे तक एवं अपरान्ह 02.00 बजे से 05.00 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा में कुल 8237 परीक्षार्थी भाग लेंगे। स्टैटिक मजिस्ट्रेट सीसीटीवी के मॉनीटरिंग की व्यवस्था दुरुस्त कराएंगे ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने के निर्देश दिया। परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर के अन्दर किसी भी फोटो स्टेट की दुकान नही खुलेगी।

## गलत ऑपरेशन से महिला की मौत, रोड जाम

**केटी न्यूज/जौनपुर**

थाना बरसठी क्षेत्र के एक अस्पताल में गलत ऑपरेशन से महिला की मौत हो गई।गुसाईं परिजनों ने अस्पताल के सामने शव रखकर रोड जाम कर दिया। तथा शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। उनकी मांग है कि अस्पताल के खिलाफ कार्यवाही हो तथा डॉक्टर की तरफ से परिवार को हजार्ना दिया जाए। जानकारी के मुताबिक थाना बरसठी क्षेत्र के गांव भगवानपुर निवासी दीपक की पत्नी रीना(27) के पेट मे तकलीफ हुई।परिवार ने बरसठी बाजार स्थित लक्ष्य अस्पताल में रीना को दिखवाया जहाँ डॉक्टरों ने रीना के गर्भाशय का ऑपरेशन करने के लिए बताया।आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान हो रीना की श्वास नली डॉक्टरों ने काट दिया जिससे रीना की हालत बिगड़ गयी।अस्पताल के डॉक्टरों ने रीना को वाराणसी ले जाने की सलाह दी।

आनन फानन में परिवारीजन रीना को वाराणसी अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान रीना की मौत हो गयी। गुस्साए परिजनों ने वापस आकर बरसठी बाजार में जमालापुर बधवा मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा कर जाम खुलवाया और कार्यवाही करते हुए अस्पताल को सील कर दिया। मृतक के परिवारीजन अस्पताल के सामने शव के साथ बैठे है। उनकी मांग है कि डॉक्टर परिवार को 15 लाख हजार्ना दे,तभी शव का अंतिम संस्कार करेंगे। फिलहाल पुलिस समझाने का प्रयास कर रही है।

### नौकरी लगवाने के नाम पर आठ लाख की धोखाधड़ी

**वाराणसी।** वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र की निवासिनी प्रीति गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मेरे घर में अजगरा वाराणसी निवासी संतोष पांडेय जो मेरी बेटी को ट्यूशन पढ़ाया करता था। एक दिन बोला कि लखनऊ सचिवालय में हमारी बहुत जान-पहचान है। मैं आपकी बेटी की सरकारी नौकरी लगवा दूंगा। इसी तरह संतोष मुझसे धोखाधड़ी कर कई बार में चार लाख रुपये अपने खाते में जमा करा लिया। वहीं चार लाख के करीब नगद ले चुका है।आरोप है कि आज तक न तो नौकरी लगवाई और न ही पैसा वापस किया। पीड़िती ने बताया कि 6 जून को संतोष मुझे सेंट्रल जेल रोड पर मिला। मैंने पैसे मांगे तो फिर बहानाबाजी करने लगा कि दे दूंगा। यह पिछले 8 साल से पैसा देने का वादा कर रहा है।

### ट्रक से टकराने के बाद आग का गोला बनी बाइक, बाइक सवार की मौत

**आजमगढ़ ।** पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार की दोपहर आजमगढ़ से लखनऊ तीव्र गति से जा रहे बाइक राइडर की बाइक एक ट्रक से टकरा गई। बाइक के टकराते ही उसमें आग पकड़ ली। जब तक लोगों को इसकी जानकारी होती मौके पर ही बाइक राइडर की बाइक के साथ जलकर मौत हो गई। शुक्रवार की दोपहर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक बाइक राइडर तेजी से लखनऊ की ओर से जा रहा था। जैसे ही वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 197.2 किमी पर पहुंचा, उसकी बाइक की ट्रक से टक्कर हो गई।

### जैतपुरा स्थित बागेश्वरी देवी मंदिर नौ दिवसीय कथा का शुभारंभ

# बागेश्वरी देवी मंदिर से 108 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

- पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर बालकदास महाराज के नेतृत्व में महिलाएं, पुरुष और बच्चे रहे मौजूद
- मघा नक्षत्र हर्षण योग में 12 जून को मां विंध्यवासिनी जंयती मनाई जाएगी

**केटी न्यूज/वाराणसी**

अखिल भारतीय सनातन न्यास की ओर से जैतपुरा स्थित बागेश्वरी देवी मंदिर से गाजेबाजे के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसके साथ ही मंदिर परिसर में नौ दिवसीय नवाह्न पारायण एवं श्रीरामकथा का शुभारंभ हुआ। पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर बालकदास महाराज के नेतृत्व में महिलाएं, पुरुष और बच्चे मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा निकाली। 108 महिलाओं ने सिर पर जलपूरित कलश लिया था। पुरुष धर्म ध्वज लिए और गले में रामनामी दुपट्टा धारण किए चल रहे थे। आगे यजमान डॉ. अजय जायसवाल सिर पर पोथी लिए चल रहे थे। कथा व्यास बालकदास महाराज ने पहले दिन शिव विवाह की महिमा गान किया। कहा कि कलियुग में जहां श्रीरामकथा होती है, वहां शिव जी की चर्चा अवश्य करनी चाहिए। कथा 14 जून तक प्रतिदिन शाम सात से रात 10 बजे तक चलेगी। शोभायात्रा में डॉ. पुष्पा जायसवाल, रविशंकर सिंह, रवि जायसवाल, जयशंकर गुप्ता, ज्ञानचंद मौर्य, डॉ. गीता चौबे, राजेश सेठ आदि शामिल रहे।घरों में मां की प्रतिमा रखकर उन्हें जल, पुष्प, अक्षत, रोली और भोग अर्पित कर विधिवत पूजन करते हैं। घी का दीपक जलाए जाते हैं और आरती कर हवन पूजन करते हैं। आचार्य दैवज्ञ कृष्ण ने बताया कि भगवती विंध्यवासिनी आद्या महाशक्ति हैं। विंध्याचल उनका निवास स्थान है। विंध्यगिरि को जाग्रत देवीपीठ है। महाभारत के विराट पर्व में धर्मराज युधिष्ठिर देवी की स्तुति की थी। श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध में इसकी कथा आती है।

### विंध्यवासिनी षष्ठी पर मां का मनेगा प्राकट्योत्सव

मघा नक्षत्र हर्षण योग में 12 जून को मां विंध्यवासिनी जंयती मनाई जाएगी। देवी मंदिरों में विशेष पूजन अर्चन होगा। पूजन से मां की कृपा बरसेगी। मां के तीन रूपों मां आदिशक्ति महालक्ष्मी विंध्यवासिनी, अष्टभुजी अर्थात महासरस्वती और महाकाली के रूप में विराजमान हैं। मिजार्पुर में विध्यांचल धाम के अलावा काशी में काशीपुरा में मां विंध्यवासिनी मंदिर है। ज्येष्ठ मास शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि पर मां विंध्यवासिनी मनाई जाएगी। इसे स्कंद षष्ठी भी कहते हैं। इस मां के प्राकट्योत्सव का पर्व मनाया जाता है। ज्योतिष विमल जैन व आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने ने बताया कि शुक्ल पक्ष की षष्ठी पर मां के प्राकट्योत्सव मनाया जाता है। इस दिन भक्त सुबह स्नानादि करके मां विन्ध्यवासिनी की पूजा करते हैं।

## सुभाषितम्

सपने पूरे होंगे लेकिन आप सपने देखना शुरू तो करें।

- अब्दुल कलाम

## सोशल मीडिया के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने दिखाई अपनी ताकत

भारत का लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो गया है। इस चुनाव में डिजिटल मीडिया( सोशल मीडिया) ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। सत्तारूड दल, इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल और प्रिंट मीडिया के भरोसे रहा सरकार की गुणगान करता रहा। सरकार और आम मतदाताओं तक सरकार के दावों को पहुंचाता रहा। वहीं डिजिटल मीडिया यूट्यूब के 46 करोड लोगों तक सत्य एवं सूचनाओं को भी प्रमुखता के साथ पहुंचाता रहा। सोशल मीडिया के यूट्यूब प्लेटफार्म पर ऐसे पत्रकार थे, जो सूचनाओं का सही विश्लेषण कर रहे थे। वहीं ऐसे भी लाखों लोग थे, जो सूचनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का काम कर रहे थे। लगभग दो माह चुनाव अधिसूचना जारी होने से लेकर चुनाव संपन्न होने तक सोशल मीडिया और भारत के लगभग 230 टीवी चैनल तथा 5500 दैनिक समाचार पत्रों के बीच अघोषित युद्ध चलता रहा। जब चुनाव परिणाम आए उससे यह साबित हो गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया (सोशल)के माध्यम से विपक्ष की लड़ाई जनता और निर्भीक पत्रकारों ने सच को सामने लाने का काम किया। उसका असर इस चुनाव में देखने को मिला है। लोकसभा चुनाव में इस बार करीब 97 करोड़ मतदाता थे। इन तक जनमत बनाने और सभी किस्म की सूचनाओं को पहुंचाने का माध्यम सोशल मीडिया बना। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की भ्रष्टाचार वाली छवि और भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल द्वारा जो युद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से उस समय लड़ा गया था। उसका बड़ा प्रभाव हुआ था। कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर ?विशेष रुप में हिंदी भाषी राज्यों में बड़ा नुकसान हुआ था। 2024 के लोकसभा चुनाव में स्थिति पूरी तरह से बदल गई। सरकार का दबाव सभी 230 टीवी चैनल तथा अधिकांश बड़े छोटे समाचार पत्रों में समाचार में क्या छपेगा। इसका अप्रत्यक्ष दबाव होने से न्यूज चैनल और प्रिंट मीडिया वही दिखा, या छाप रहे थे। जो सरकारी तंत्र द्वारा उन्हें कहा जाता था। 1975 में जब आपातकाल लगा था और सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय आम जनता तक सही समाचार नहीं पहुंच रहे थे। आपातकाल की समाप्ति के बाद जब सेंसरशिप को खत्म किया गया। उसके बाद आम जनता में विशेष रूप से हिंदी भाषी राज्यों में प्रिंट मीडिया का बड़ा असर हुआ। 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी को सरकार हिंदी भाषी राज्यों में बुरी तरह से पराजित हुई। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। लगभग वही स्थिति 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिली। इसमें जितने भी न्यूज चैनल और समाचार पत्र थे वह सरकार की ठकुर-सुहाती कर रहे थे। सरकार और जनता को वास्तविकता नहीं बता रहे थे। जिसके कारण आम मतदाताओं का भरोसा टीवी चैनल और समाचार पत्रों में कम हो गया। उसके स्थान पर यूट्यूब और सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म में आम जनता तक स्वतंत्र पत्रकारो द्वारा सत्य को पहुंचाने का काम किया। उसका असर आम मतदाताओं के बीच में देखने को मिला। इस बार उत्तर भारत और सीमावर्ती विभिन्न राज्यों में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। मोबाइल फोन अब संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। विश्वनीयता से खबर देने वाले डिजिटल चैनल और उनके पत्रकारों का भरोसा आम जनता के बीच में बढा है। वहीं टीवी चैनलों पर भरोसा खत्म हुआ है। सोशल मीडिया में लगभग 46 करोड लोग प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया ने अपनी ताकत प्रदर्शित कर दी है। सोशल मीडिया का यह परिवर्तन आम आदमी के बीच बड़ा असरकारी प्रमाणित हुआ है। सोशल मीडिया में स्वतंत्र पत्रकारों के लिए डिजिटल मीडिया एक मंच बन गया है। जिसने मीडिया हाउस की कॉन्सेप्ट भी को भी खत्म कर दिया है। सोशल मीडिया में एक व्यक्ति भी मीडिया जो काम हाउस करता था, सोशल मीडिया में वह एक व्यक्ति कर पा रहा है। उसमें रवीश कुमार और पीएम 4 चैनल के दर्शकों ने मीडिया में आए हुए बदलाव को इस चुनाव में साबित कर दिया है।

## चिंतन-मनन

### मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है। मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ति है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है।

# महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

-रमेश सर्राफ धमोरा



महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्त्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्त्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है। प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती। हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है। महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं। हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

# हार कर भी जीत गया इंडी गठबंधन

- सुरेश हिंदुस्तानी



देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। ये चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण सन्देश देने वाले कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने चार सौ पार का नारा दिया, उसने एक बार फिर से इंडिया शाइनिंग वाले 2004 के चुनाव की याद याद दिला दी। यह संतोष की बात कही जा सकती है कि राजग को सरकार बनाने लायक बहुमत प्राप्त हो गया है। इस चुनाव परिणाम को भाजपा के लिए एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है, जबकि अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पिछले दस वर्षों से संघर्ष करने वाले विपक्ष को कायाकल्प करने वाली संजीवनी मिलने के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा वाले गठबंधन ने भले ही बहुमत का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, लेकिन खुद भाजपा के नेता इसे जीत के रूप में प्रचारित करने का साहस नहीं जुटा पा रहे है। इसके विपरीत इंडी गठबंधन तो ताल ठोकते हुए इसे भाजपा की हार बता रहा है। यह सही है कि चुनाव में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन सरकार बनाने लायक सीट की संख्या उसके पास है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इसलिए इस जीत को कई मायनों में ऐतिहासिक ही माना जाएगा। आज मोदी उस कतार में शामिल हो गए हैं, जो उन्हें औरों से अलग बनाते हैं।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तरप्रदेश ने दिया है। यहां दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा की उड़ान की गति को बहुत हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार से समाचार चैनलों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाने का पूवार्नुमान दिखाया था, वह परिणाम से मेल रखने वाला नहीं रहा। देश के विपक्षी दलों यह आरोप लगाकर इस एग्जिट पोल को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की ओर से यह दावा भी किया गया था कि इंडी गठबंधन को 290 सीटें मिलेंगी और बहुमत की सरकार बनेगी। सबको यही लग रहा था कि कांग्रेस के दावे में दम नहीं है, लेकिन चुनाव के परिणाम ने यह जाहिर कर दिया कि उनके दावे में दम था। दावे में जो सीटों की संख्या बताई गई थी इंडी गठबंधन उस आंकडे से बहुत पीछे रह गया, लेकिन इंडी गठबंधन के कई प्रत्याशी बहुत कम अंतर से पराजित हुए हैं, इसे भी अप्रत्याशित बढ़त के रूप में ही देखा जा रहा है। इंडी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा सुकून देने वाली बात यह भी है कि उसने भाजपा के 400 पार वाले दावे की हवा निकाल दी। भाजपा गठबंधन घिसटते घिसटते 300 के पार भी नहीं जा सकी। इसे इस रूप में भी देखा जा रहा है कि अकेले मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जाता, जीतने के लिए प्रत्याशी भी अच्छा होना चाहिए। कहा जा रहा है कि भाजपा इस मामले में चूक गई। भाजपा के लिए चिंतन का मुद्दा यह है कि उसके मूल कार्यकर्ता इस चुनाव से दूर रहे। भाजपा नेतृत्व ने जितना भरोसा बाहर से आए नेताओं पर किया, उतना अपने पुराने कार्यकताओं पर नहीं किया। बाहर से आए नेता केवल दिखावा करते रहे और भाजपा के पुराने कार्यकताओं की अनदेखी की गई। जिसके कारण भाजपा का समर्थक मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँच ही नहीं सका। यह भी भाजपा के लिए एक बड़ा अवरोधक बनता दिखाई दिया, जबकि इंडी गठबंधन के नेता यह योजना बनाकर मैदान में थे कि अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। उत्तरप्रदेश में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को मिली सफलता इस बात का परिचायक है कि इन दोनों दलों ने मुस्लिम और यादव मतों पर ज्यादा मेहनत की। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को भी अपने पाले करने के लिए मेहनत की। इसी मेहनत ने अपेक्षित परिणाम दिए। यहां यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस बार मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने इंडी गठबंधन के लिए विजय के द्वार खोलने में मदद की। ऐसा नहीं है कि उनकी मदद करने की मंशा थी, वह मदद नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अजा, जजा और पिछड़े वर्ग का जो वोट भाजपा को मिलना था, वह इस बार भाजपा को नहीं मिला। इसे भी भाजपा की हार के रूप में देखा जा रहा है। वैसे राजनीतिक दृष्टि से आंकलन किया जाए तो यह भाजपा की बड़ी जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन ने तीसरी बार सत्ता को अपने पास रखा है। इंडी गठबंधन भी इसलिए सक्रिय हो गया है, क्योंकि अगर किसी भी स्थिति में बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया तो मलाई खाने का अवसर मिल सकता है।

परिणामों के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि राजग की सरकार बनेगी, साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी होगा। इसलिए अब भाजपा नीत सरकार को बेहद सधे कदमों से चलना होगा। जैसा कि सभी जानते हैं कि जब विपक्ष कमजोर रहा, तब उन्होंने संसद को कई बार बाधित किया। चूँकि अब विपक्ष मजबूत है तो इस बात की बहुत ज्यादा संभावना बन जाती है कि वे छोटी छोटी बातों पर संसद को बाधित कर सकते हैं। यह बात सही है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राजनीतिक भ्रष्टाचार पर बहुत हद तक सफलता प्राप्त की है, और अपने तीसरे कार्यकाल में भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प दोहराया है। हम जानते हैं कि विपक्ष के कई बड़े राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप को झेल रहे हैं। इनमें से कई जमानत पर बाहर हैं। इसलिए यह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार का साथ देंगे, इसकी गुंजाइश कम ही है। लेकिन यह सच है कि भारत में भ्रष्टाचार का निर्मूलन होना ही चाहिए। यह देश को अच्छा बनाने का कदम है, जिसके लिए सभी दलों को साथ देना चाहिए। जहाँ तक राजनीति की बात है तो लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से प्रचार किया गया, उसमें नकारात्मकता अधिक देखी गई। रचनात्मक विरोध तो कहीं भी देखने को नहीं मिला। लेकिन अब चूँकि चुनाव समाप्त हो गए हैं और परिणाम भी आ चुके हैं, इसलिए अब नकारात्मक राजनीति से सभी दलों को तौबा करने की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। क्योंकि अब विरोध करने का नहीं, बल्कि देश को बनाने का समय है।

# गठबंधन सरकार... मुश्किलें बेशुमार....!

- ओमप्रकाश मेहता

गठबंधन का मतलब समझौता या समर्पण.... और यह नरेन्द्र भाई मोदी के रक्त में है ही नही, इसलिए मौजूदा राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में ये ही कयास लगाए जा रहे है कि यदि मोदी जी को मजबूरी में गठबंधन सरकार बनानी भी पड़ी तो वह दीर्घजीवी नही होगी और फिर देश में मध्यावधि चुनाव सुनिश्चित है।

यदि हम भारत की आजादी के बाद से लेकर अब तक की सरकारों के इतिहास पर नजर डालें तो हमें पता चलता है कि भारत में सर्वप्रथम आपातकाल के बाद 1977 में गठबंधन सरकार बनी थी, जो केवल ढाई साल चल पाई थी और 1980 में सरकार पर पुनः इंदिरा जी का कब्जा हो गया था, उसके बाद ही हमारे देश में गठबंधन सरकार का सिलसिला चालू हुआ, जो अवसरवादी राजनीति का मुख्य आधार रहा है, कांग्रेस ने तो स्वयं बहुमत में रहते हुए भी अन्य दलों के साथ सरकारें चलाई है, भाजपा की भी इसमें खास विशेषज्ञता रही है। अब मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में जबकि किसी भी एक राजनीतिक दल को चुनावों में स्पष्ट बहुमत प्राप्त नही हो पाया है, तब पुनः नरेन्द्र भाई मोदी को मजबूरी में गठबंधन सरकार बनानी पड़ रही है और करीब डेढ़ दर्जन दलों को साधकर अपने साथ रखना पड़ रहा है, यद्यपि प्रतिपक्षी इंडिया गठबंधन के साथ भी बीस के करीब राजनीतिक दल है, किंतु उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश नही करने का निर्णय लिया है, अर्थात अब मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनने की पूरी संभावना है। अब देश में मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की चर्चा तो चल रही है, किंतु प्रत्येक राजनेता को यह आशंका अवश्य है कि यह गठबंधन सरकार आखिर चल कितने दिन पाएगी? क्योंकि गठबंधन का सीधा अर्थ समझौता है और मोदी जी को करीब से जानने वाला हर शख्स यह जानता है कि वे न तो अपनी सरकार में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार सहन करेगें और न किसी की बेजा महत्वाकांक्षों की पूर्ति में किसी तरह का सहयोग ही प्रदान करेगें और यह भी तय है कि गठबंधन का हर दल व उसका हर नेता अपनी राजनैतिक या निजी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के प्रयास अवश्य करेगा, जो मोदी जी के लिए असहय होगें, इसलिए यह तय माना जा रहा है कि गठबंधन सरकार मोदी जी के रहते कभी भी दीर्घजीवी नही रह पाएगी और उसके बाद देश के सामने मध्यावधि के अलावा कोई विकल्प नही रहेगा और देश के सामने ऐसी राजनीतिक परिस्थिति कभी भी निर्मित हो सकती है। ....अर्थात इस वास्तविकता को झुठलाया नही जा सकता कि देश के सामने एकमात्र गठबंधन सरकार ही विकल्प है और यह विकल्प भी स्थाई नही है, देश को कभी भी फिर एक बार मध्यावधि चुनाव का सामना करना पड़ सकता है?

यद्यपि इस राजनीतिक परिस्थिति के लिए मतदाता सहित किसी को भी सीधे-सीधे दोषी नही ठहराया जा सकता, लेकिन कहा जरूर जा रहा है कि देश के मतदाताओं को खुलकर अपनी स्पष्ट राय जाहिर करनी चाहिए जिससे कि ऐसी राजनीतिक असमंजस की स्थिति पैदा न हो। लेकिन अब जो भी हो, जो स्थिति सामने है, उसका मुकाबला तो करना ही पड़ेगा और मोदी जी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार को ही कुबूल करना पड़ेगा।

## आज का राशिफल

**मेष** आज धन में वृद्धि का दिन है और कारोबारियों की कोई बड़ी डील फाइनल होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

**तुला** दिन आपके लिए लाभकारक है। आपको हर कार्य में मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

**वृषभ** आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

**वृश्चिक** आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए काम करते रहें।

**मिथुन** किसी रचनात्मक और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा।

**धनु** बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होने की आशा है।

**कर्क** दिन काफी सृजनात्मक है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे उसमें आपको शुभ फल मिलेगा।

**मकर** आज का दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार आपको काफी फायदा पहुंचाएगा।

**सिंह** काफी व्यस्त रहेंगे। आपको आज पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

**कुंभ** हर मामले में सावधानी के साथ काम करें। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

**कन्या** टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें और हर प्रकार के विवाद से दूर रहें।

**मीन** आज करियर के मामले में लाभ होगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।

## विशेष

### ममता की शक्ति के आगे नहीं जीत पाए मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ममता मोदी से जीतने के लिए पिछले 5 वर्षों से हर संभव कोशिश कर रहे हैं। उन्हें पश्चिम बंगाल में सफलता नहीं मिल पा रही है। जो मिली थी, वह भी हाथ से फिसल गई है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी 29 सीटों पर जीत दर्ज कराई है। जबकि भाजपा को 2019 के चुनाव में 18 सीटों पर जीती थी। इस बार घटकर 12 रह गई है। 6 सीटों का भाजपा को नुकसान हुआ है। नारी शक्ति के रूप में ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से जमकर मुकाबला किया। ईडी,सीबीआई और न्यायपालिका का मुकाबला करते हुए जीत हासिल की है।

### लोकसभा अध्यक्ष का पद और भस्मासुर

एनडीए गठबंधन के प्रमुख सहयोगी टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू ने समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का पद मांग लिया है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में दलील दी है। जब अटल जी की गठबंधन सरकार बनी थी। उस समय भी बाल योगी के रूप में उनके पास अध्यक्ष का पद था। उनकी देखा देखी नीतीश कुमार ने भी अध्यक्ष पद की मांग कर ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को समझ नहीं आ रहा है। वह किसकी बात माने, और क्यों माने। बिहार में जिस तरह से नितीश बाबू की पार्टी में सेंध लगाने की भाजपा ने कोशिश की। उनकी मांग तो फिर भी समझ आती है। लेकिन चंद्रबाबू नायडू यह मांग क्यों कर रहे हैं।

## कार्टून कोना




## आज का इतिहास

1707: दिल्ली के तख्त के लिए शाहजादा आजम और मुअज्जम में आगरा के पास जजाऊ में लड़ाई हुई . 1762: आस्ट्रेलिया के खिलाफ रुस और प्रशा ने गठबंधन किया. 1936: भारतीय रेडियो का नाम ऑल इंडिया रेडियो रखा गया . 1948: भारत-इंग्लैंड के बीच एयर इंडिया ने पहली बार विमान सेवा शुरू की. 1990: चेकोस्लोवाकिया में 44 वर्ष में पहली बार हुए स्वतंत्र चुनावों में वाकलाव हावेल राष्ट्रपति चुने गये. 1991: पाकिस्तान में रेल दुर्घटना में 400 यात्री मारे गये, 225 अन्य घायल हो गये. 1993: नाजी अधिकृत फ्रांस में पुलिस प्रमुख रहे बास्क की हत्या हुई. 1995: वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी प्रोफेसर एन.जी.रंगा का निधन. 2000: आंध्र प्रदेश, कर्नाटक व गोवा के चर्चों में बम विस्फोटों से 3 लोग घायल.

## दैनिक पंचांग

**08 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 05.45 बजे से |
| चंद्र | मिथुन में | कर्क | 07.58 बजे से |
| मंगल | मेष में | सिंह | 10.14 बजे से |
| बुध | वृष में | कन्या | 12.26 बजे से |
| गुरु | वृष में | तुला | 14.37 बजे से |
| शुक्र | वृष में | वृश्चिक | 16.52 ब.से |
| शनि | कुंभ में | धनु | 19.08 बजे से |
| राहु | मीन में | मकर | 21.13 बजे से |
| केतु | कन्या में | कुंभ | 22.59 बजे से |
| राहुकाल | | मीन | 00.32 बजे से |
| 9.00 से 10.30 | | मेष | 02.03 बजे से |
| बजे तक | | वृष | 03.43 बजे से |

**शनिवार** 2024 वर्ष का 160 वां दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
**विक्रम संवत्** 2081
**शक संवत्** 1946
**मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** द्वितीया 15.56 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** आर्द्रा 19.43 बजे को समाप्त।
**योग** गण्ड 18.27 बजे को समाप्त।
**करण** कौलव 15.56 बजे तदनन्तर तैतिल 03.45 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 1.5 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 52'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872004
**जूलियन दिन** 2460469.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2550
**हिजरी सन्** 1445
**महीना** जिल्हेज
**तारीख** 01

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से | 07.23 बजे तक | | लाभ | 05.37 से | 07.10 बजे तक | |
| शुभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | | उद्वेग | 07.10 से | 08.42 बजे तक | |
| रोग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | | शुभ | 08.42 से | 10.14 बजे तक | |
| उद्वेग | 10.19 से | 11.46 बजे तक | | अमृत | 10.14 से | 11.47 बजे तक | |
| चर | 11.46 से | 01.14 बजे तक | | चर | 11.47 से | 01.19 बजे तक | |
| लाभ | 01.14 से | 02.42 बजे तक | | रोग | 01.19 से | 02.51 बजे तक | |
| अमृत | 02.42 से | 04.10 बजे तक | | काल | 02.51 से | 04.23 बजे तक | |
| काल | 04.10 से | 05.37 बजे तक | | लाभ | 04.23 से | 05.56 बजे तक | |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# व्यक्ति की इन आदतों से हो जाते हैं शनिदेव नाराज

**शनिदेव को हिन्दू धर्म में न्यायप्रिय देवता और दंडनायक माना गया है। व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।**

### बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बहरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

### किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

### पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

### बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

# लड्डू गोपाल हैं आपसे प्रसन्न तो मिलते हैं ये संकेत

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर किन संकेतों से यह पता चलता है कि लड्डू गोपाल आपसे खुश हैं।

### इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल बी स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

#### घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

#### घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

#### घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

#### श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

### लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी। आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

### लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

#### लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

#### लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है।

#### लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान

लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

# वृंदावन के इस मंदिर में होते हैं भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम के दर्शन

**चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।**

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

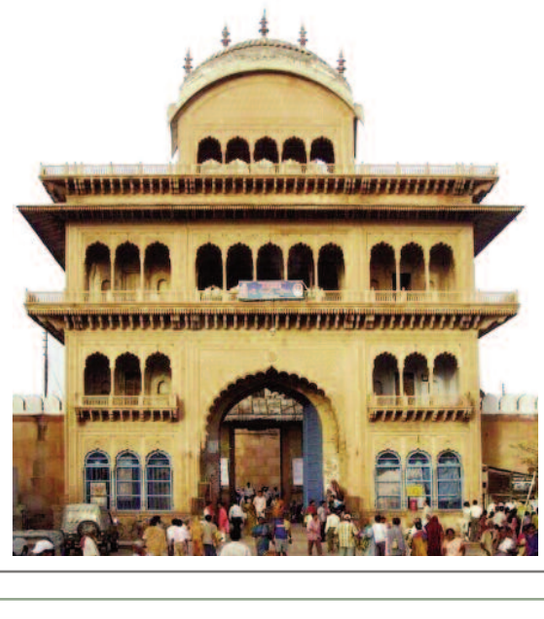

# क्या घर में रख सकते हैं पारद शिवलिंग?

**शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।**

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

# कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

**कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।**

## संक्षिप्त समाचार

### पेटीएम पर आया बड़ा अपडेट, 10 प्रतिशत हुई सर्किट लिमिट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेटीएम को लेकर बड़ा अपडेट आया है। इस अपडेट के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। पेटीएम के शेयर शुक्रवार को 10 पर्सेंट की तेजी के साथ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 381.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। पेटीएम के शेयर गुरुवार को 346.55 रुपये पर बंद हुए थे। पेटीएम की सर्किट लिमिट को शुक्रवार से रिवाइज कर दिया गया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 998.30 रुपये है। पेटीएम के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 310 रुपये है। पेटीएम की सर्किट लिमिट को रिवाइज करके 10 पर्सेंट कर दिया गया है। पहले यह सर्किट लिमिट 5 पर्सेंट थी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने कहा है कि 7 जून 2024 से प्राइस बैंड को मौजूदा लेवल्स से रिवाइज्ड कर दिया गया है। स्टॉक एक्सचेंजों ने इससे पहले पेटीएम के शेयरों की सर्किट लिमिट को घटा दिया था। पेटीएम के अलावा भारत डायनॉमिक्स लिमिटेड, एथर इंडस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, कोचीन शिपयार्ड के प्राइस बैंड्स को भी रिवाइज किया गया है। पेटीएम का आईपीओ 2150 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ 8 नवंबर 2021 को खुला था और यह 10 नवंबर तक ओपन रहा। पेटीएम का आईपीओ टोटल 1.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। पेटीएम के शेयरों में पिछले एक साल में 47 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर 7 जून 2023 को 727 रुपये पर थे। पेटीएम के शेयर 7 जून 2024 को 381.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में पेटीएम के शेयरों में करीब 43 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 661.35 रुपये से लुढ़कर 381 रुपये पर आ गए हैं। वहीं, इस साल अब तक पेटीएम के शेयरों में 41 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है।

### 6 हिस्सों में कारोबार बांट रही वेदांता, एसबीआई समेत अन्य कर्जदाताओं ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** माइनिंग कारोबार में सक्रिय वेदांता लिमिटेड को अपने कारोबार का विभाजन करने के प्रस्ताव को ज्यादातर कर्जदाताओं से मंजूरी मिल गई है। कंपनी की 6 स्वतंत्र सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित होने की योजना की दिशा में यह एक अहम कदम है। इस बीच, वेदांता के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी दर्ज की गई और यह 2 प्रतिशत चढ़कर 450.45 रुपये पर बंद हुए। वेदांता के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने हाल ही में बांडधारकों के साथ 'कांफ्रेन्स कॉल' में कहा- मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमें 52 प्रतिशत से अधिक की मंजूरी मिल गयी है, जो हमें 75 प्रतिशत तक पहुंचने के लिए जरूरी है। हमने उस सीमा को भी पार कर लिया है। ज्यादातर ऋणदाताओं ने इसे मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि कुछ की समिति की बैठक लंबित है और कुछ की निदेशक मंडल की बैठक लंबित है। इसलिए, जैसा कि हम बात कर रहे हैं, हमें पहले ही 52 प्रतिशत की मंजूरी मिल चुकी है। शेष एक सप्ताह या 10 दिनों में पूरी हो जाएगी। इसके बाद हम एनसीएलटी के पास आवेदन करेंगे। एक बैंक अधिकारी के अनुसार, समूह के प्रमुख ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति को कंपनी के लिए अंतिम प्रमुख अनुपालन जरूरत के रूप में देखा गया है, जिस पर बाजार की गहरी नजर थी। यह 20 अरब डॉलर के विभाजन का रास्ता साफ करता है।

# चीन के पूरे स्टॉक मार्केट पर भारी हैं अमेरिका की सिर्फ तीन कंपनियां

**▶▶ माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और ऐपल का मार्केट कैप 9.2 ट्रिलियन**

**▶▶ चीन का पूरा स्टॉक मार्केट करीब नौ ट्रिलियन डॉलर का है**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका का बाद चीन दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी इकॉनमी है। दोनों देशों के बीच पिछले कई साल से ट्रेड वॉर चल रहा है। लेकिन अमेरिका की केवल तीन टेक कंपनियां ही चीन के पूरे स्टॉक मार्केट पर भारी हैं। माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और ऐपल का कंबाइंड मार्केट कैप चीन के स्टॉक मार्केट से ज्यादा है। इन तीन कंपनियों का मार्केट कैप 9.2 ट्रिलियन डॉलर है जबकि चीन के पूरे स्टॉक मार्केट की वैल्यू नौ ट्रिलियन डॉलर है। माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप तीन ट्रिलियन डॉलर से अधिक है और यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। ऐपल और एनवीडिया का मार्केट कैप तीन-तीन ट्रिलियन डॉलर हैं। दुनिया के इतिहास में अभी केवल ये तीन कंपनियां की तीन ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप छू पाई हैं।

दुनियाभर में एआई की बढ़ती मांग के कारण टेक सेक्टर की कई कंपनियों के शेयरों में हाल में काफी उछाल आई है। इसका सबसे ज्यादा फायदा एनवीडिया को हुआ है। एआई चिप बनाने वाली इस कंपनी के शेयरों में पिछले साल 239 फीसदी उछाल आई थी जबकि इस साल यह अब तक 160 फीसदी उछल चुका है। पिछले छह महीने में इसके मार्केट कैप में दो ट्रिलियन डॉलर की उछाल आई है और यह माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़ने से केवल 100 अरब डॉलर दूर है। माइक्रोसॉफ्ट ने ओपनएआई में निवेश किया है और वह अपने प्रॉडक्ट्स में एआई फीचर जोड़ रहा है। हालांकि ऐपल के लिए यह साल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। लेकिन धीरे-धीरे उसकी सेल रफ्तार पकड़ रही है।

### भारत 4, अमेरिका 2, जापान 2, चीन 0... इस लिस्ट को देखकर गर्व से फूल जाएगा आपका सीना

मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की टॉप पांच कंपनियों में सभी अमेरिका की हैं। माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल और एनवीडिया के बाद गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट और ऐमजॉन की नंबर है। दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में भी अमेरिका का ही दबदबा है। इस लिस्ट में अमेरिका की 61 और चीन की 10 कंपनियां हैं। चीन की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है जिसका मार्केट कैप 460.03 अरब डॉलर है। यह दुनिया की टॉप कंपनियों की लिस्ट में 19वें नंबर पर है।

## विप्रो को मिला अमेरिका से बड़ा काम, शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका से ऑर्डर मिलने के बाद बेंगलुरू की आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी 50 में कंपनी सबसे अधिक बढ़त बनाने वाली कंपनी बन गई है। बीएसई आज विप्रो के शेयर 470.95 रुपये के लेवल पर खुलने के बाद कंपनी के शेयर 5.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 485 रुपये के लेवल पर पहुंच गए थे। हालांकि, इसके बावजूद अभी विप्रो के शेयर अपने 52 वीक हाई 546.10 रुपये से काफी दूर हैं। गुरुवार को एक्सचेंज को दी जानकारी में विप्रो ने कहा है कि यूएस एक अग्रणी कम्युनिकेशन सर्विसेज प्रवाइडर ने ये काम दिया है। इस डील की कीमत 500 मिलियन डॉलर की बताई जा रही है। जिसकी समय सीमा 5 साल की है। हालांकि, विप्रो ने अभी तक कंपनी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। सीएनबीसी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनले ने कहा है कि इस डील को सकरात्मक तरीके से लेना चाहिए। इस डील से कंपनी के रेवन्यू में ग्रोथ देखने को मिला है। रिपोर्ट में कहा है गया है कि 45 एक्सपर्ट्स में से 23 ने इस स्टॉक को अब बेच देने की सलाह दी है।

## सुजलॉन एनर्जी की प्रतिद्वंदी कंपनी का बड़ा फैसला, शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुजलॉन एनर्जी की प्रतिद्वंदी कंपनी आईएनओएक्स विंड ने बड़ा फैसला किया है। कंपनी ने अपने सर्किट में बदलाव किया है। अब आईएनओएक्स विंड का सर्किट लिमिट 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका मतलब हुआ कि शेयर अब 20 प्रतिशत ऊपर और नीचे जा सकता है। बता दें, इससे पहले अपर सर्किट 10 प्रतिशत का था। कंपनी के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। बीएसई कंपनी में कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ ओपन हुए हैं। 9.27 मिनट पर पर आईएनओएक्स विंड के शेयर 2.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 149.75 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों के दौरान इस ग्रीन एनर्जी स्टॉक की कीमतों में बहुत बदलाव देखने को मिला था। मंगलवार को कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन उसके अगले दो दिन कंपनी के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली। कल यानी गुरुवार को कंपनी के शेयर 4.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 146.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

### प्रमोटर्स ने पिछले महीने घटाई थी हिस्सेदारी

आईएनओएक्स विंड के शेयरों में 28 मई को भी लोअर सर्किट लगा था। तब प्रमोटर्स ने कंपनी के 5 प्रतिशत हिस्से को ब्लॉक डील के जरिए बेच दिया था। इस ब्लॉक डील से कंपनी के प्रमोटर्स को 900 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। बता दें, प्रमोटर्स ने इन पैसों का उपयोग के सभी कर्ज चुकाने के लिए किया है। अब आईएनओएक्स विंड कर्ज मुक्त कंपनी बन चुकी है।

### 1 शेयर पर 3 बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

कंपनी इसी साल मई में एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड कर चुकी है। तब कंपनी की तरफ से 1 शेयर पर 3 बोनस शेयर दिया गया था। सीएनबीसी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस नुवामा ने 193 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस ने इस स्टॉक को बाय टैग दिया है। इस साल 2024 में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 13 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

## इन्वेस्टर्स की झोली में आए 5.54 लाख करोड़, आरबीआई की वजह से रॉकेट बन गया बाजार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आरबीआई ने आज द्विमासिक नीति की घोषणा की। इसके बाद शेयर मार्केट में काफी तेजी देखी जा रही है। बीएसई सेंसेक्स 1400 अंक से अधिक उछल गया जबकि निफ्टी50 में 300 अंक से अधिक तेजी आई। केंद्रीय बैंक ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे बैंकिंग, फाइनेंस, ऑटो और रियल एस्टेट जैसे रेट सेंसिटिव सेक्टर्स में आठ फीसदी तक तेजी आई। 12.30 बजे सेंसेक्स 1412 अंक यानी 1.87 फीसदी तेजी के साथ 76,476 अंक पर ट्रेड कर रहा था। निफ्टी भी 384 अंक यानी 1.68 प्रतिशत तेजी के साथ 23,205.55 अंक पर पहुंच गया। इसके साथ ही बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 5.54 लाख करोड़ रुपये की तेजी के साथ 421.43 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

आज खासकर आईटी और बैंक के शेयर फोकस में रहे। विप्रो के शेयरों में पांच फीसदी तेजी आई है। इन्फोसिस में तीन फीसदी, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक में दो से तीन फीसदी तक तेजी आई है। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील भी फायदे में रहे। आज की तेजी में रिलायंस का सबसे ज्यादा योगदान रहा। आरबीआई की पॉलिसी की घोषणा के बाद रियल्टी इंडेक्सेज में आठ फीसदी तक तेजी आई। सनटेक रियल्टी और सीबा में आठ फीसदी तेजी रही जबकि ब्रिगेड, लोढ़ा और महिंद्रा लाइफस्पेस में दो से पांच फीसदी तेजी आई।

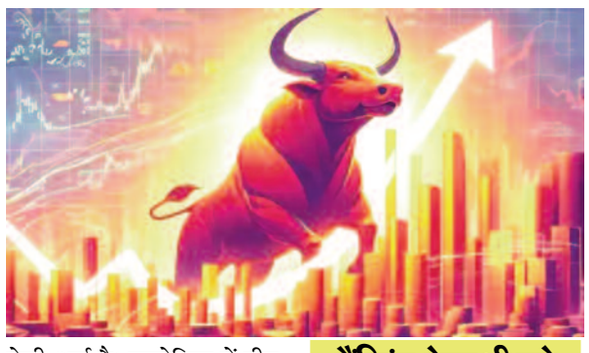

### बैंकिंग शेयर भी बढ़े

निफ्टी बैंक में भी तीन फीसदी तक तेजी रही। बंधन बैंक, फेडरल बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा में एक से तीन फीसदी तेजी आई। बजाज फाइनेंस, एसबीआई कार्ड, बजाज फिनसर्व और आईडीएफसी में एक से 3.5 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो शेयरों में भी 2.5 प्रतिशत तेजी आई। अपोलो टायर, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, अशोक लीलेंड, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में एक से 2.5 प्रतिशत तेजी आई।

## पहले ही दिन 110 प्रतिशत का फायदा, 94 रुपये का शेयर 198 रुपये पर पहुंचा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एक छोटी कंपनी टीबीआई कॉर्न लिमिटेड की शेयर बाजार में जबरदस्त एंट्री हुई है। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड के शेयर 110.64 पर्सेंट के फायदे के साथ 198 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 94 रुपये था। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड का आईपीओ 31 मई 2024 को ओपन हुआ था। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड का आईपीओ 4 जून 2024 तक खुला था। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 44.94 करोड़ रुपये का था।

जबरदस्त लिस्टिंग के ठीक बाद टीबीआई कॉर्न लिमिटेड के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 207.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 76.65 पर्सेंट थी, जो कि अब 57.71 पर्सेंट रह गई है। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। कंपनी, कॉर्न मील ग्रिट्स की मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर है। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड दुबई, ओमान, जॉर्डन, दक्षिण अफ्रीका और वियतनाम जैसे देशों को अपने प्रॉडक्ट्स का एक्सपोर्ट करती है। आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी मौजूदा यूनिट के एक्सपैंशन, वर्किंग कैपिटल रिक्वायरमेंट्स को पूरा करने और जनरल कॉरपोरेट पर्पज में करेगी।

टीबीआई कॉर्न लिमिटेड का आईपीओ टोटल 231.21 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 523.29 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 516.50 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 81.41 गुना सब्सक्राइब हुआ है। टीबीआई कॉर्न लिमिटेड के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 112800 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

## ब्लिंकिट के वेयरहाउस में फूड सेफ्टी से खिलवाड़! छापेमारी में उठे कई गंभीर सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 10 मिनट में खाने-पीने के आइटम डिलीवर करने वाली कंपनी ब्लिंकिट सवालों के घेरे में है। दरअसल, खाद्य सुरक्षा विभाग ने हैदराबाद के एक इलाके में ब्लिंकिट के वेयरहाउस पर छापेमारी की है। छापेमारी के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने पाया कि वेयरहाउस में कई सुरक्षा उपायों का पालन नहीं किया जा रहा था। बता दें कि ब्लिंकिट फूड एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म जोमैटो की कंपनी है। खाद्य सुरक्षा विभाग के मुताबिक छापे के दौरान ब्लिंकिट के स्वच्छता प्रोटोकॉल की कमी का पता चला है। इसके साथ ही साइट पर एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ भी पाए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया- कामाक्षी फूड्स लाइसेंस द्वारा निर्मित प्रोडक्ट एक्सपायर पाए गए। सूजी, रॉ पीनट बटर, मैदा, पोहा, बेसन और बाजरा जब्त किए गए हैं। ये प्रोडक्ट करीब 30,000 रुपये के हैं। विभाग को यह भी संदेह है कि 52,000 रुपये मूल्य की साबुत रागी (फिंगर बाजरा) का आटा और तूर दाल जैसी अन्य वस्तुएं भी संक्रमित थीं। आयुक्त ने अपने पोस्ट में कहा कि इन उत्पादों को जब्त कर लिया गया और सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया।

## छोटे से शहर में रहकर लगाई बड़ी छलांग, बना डाला 200 करोड़ का कारोबारी साम्राज्य!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैभव सिसिंटी ग्रोथस्कूल.आईओ के संस्थापक और सीईओ हैं। उनका जन्म 1993 में ओडिशा के छोटे से शहर बरहमपुर में हुआ था। जब वह चौथी कक्षा में थे तब उनके सिर पर से मां का साया उठ गया। इससे वैभव को निजी रूप से बहुत बड़ा नुकसान हुआ। इस गहरे झटके के बावजूद वैभव ने अपने लक्ष्यों को पटरी से उतरने नहीं दिया। उन्होंने शुरू में देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में से एक में पढ़ने का टारगेट रखा था। हालांकि, उन्होंने बाद में प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की। उनकी सफलता की यात्रा मेहनत और दृढ़ निश्चय से भरी हुई है।

अपनी शिक्षा और शुरुआती करियर यात्रा के दौरान वैभव ने एहसास किया अकैडमिक एजुकेशन और वास्तविक दुनिया

की नौकरी की मांगों के बीच बड़ा फर्क है। ग्रेजुएट्स के पास अक्सर किताबी ज्ञान होता है। लेकिन, उनमें समस्या-समाधान कौशल, आलोचनात्मक सोच और उद्योग-संबंधी विशेषज्ञता का अभाव रहता है। इस अंतर को पाटने के लिए वैभव और समान विचारधारा वाले पेशेवरों के एक समूह ने 2020 में ग्रोथस्कूल.आईओ की स्थापना की। यह स्टार्टअप सेल्फ फंडिंग वाला बिजनेस था। इसका मिशन लोगों को प्रैक्टिकल और जॉब-बेस्ड स्किल्स से लैस करना था ताकि वे कार्यक्रम पूरा करने के तुरंत बाद नौकरी पाने लायक बन जाएं। 2021 में ग्रोथस्कूल.आईओ ने निवेशकों से 50 लाख डॉलर की सीड फंडिंग हासिल की। इस राउंड का नेतृत्व सिकोइया कैपिटल इंडिया और आउल वेंचर्स ने किया। कुणाल शाह, निखिल कामथ और रितेश अग्रवाल जैसे 80 से अधिक उद्यमी ऐसे एंजेल निवेशकों में शामिल थे जिन्होंने सीड फंडिंग राउंड में हिस्सा लिया। ग्रोथस्कूल.आईओ की ओर से पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम कई तरह के प्रैक्टिकल और डिमांड वाली स्किल्स को कवर करते हैं। इनमें ब्रांडिंग, डिजिटल और परफॉरमेंस मार्केटिंग, वेब डिजाइन और बहुत कुछ शामिल हैं। स्टार्टअप ट्विटर, लिंक्डइन और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहता है। यह अपने कोर्स, नई पार्टनरशिप और अन्य प्रासंगिक समाचारों के बारे में नियमित अपडेट शेयर करता है। साथ ही फॉलोअर्स के प्रश्नों का उत्तर भी देता है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ग्रोथस्कूल.आईओ का मूल्यांकन अब 200 करोड़ रुपये से अधिक है।

## रेलवे स्टॉक की झोली में आए 495 करोड़ों रुपये का काम, बुलेट ट्रेन की तरह भागने लगे शेयर, निवेशक खुश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार में निवेशकों को ताबड़तोड़ रिटर्न देने वाली कंपनी रेल विकास निगम को लेकर अच्छी खबर आई है। कंपनी को 495 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह काम एनटीपीसी की तरफ से मिला है। कंपनी को यह काम 66 महीने के अंदर पूरा करना है। इस नए काम का असर शेयरों पर देखने को मिला है। रेल विकास निगम के शेयर आज 375.35 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 3.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 382 रुपये रहा था। रात में 9.48 बजे कंपनी के शेयर 1.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 373.45 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। इससे पहले कंपनी को साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे की तरफ से काम मिला था। इस काम की कीमत 38.10 करोड़ रुपये है। रेल विकास निगम को यह काम 15 महीने के अंदर पूरा करना है।

### कंपनी का तिमाही बहिखाता कितना मजबूत

जनवरी से मार्च 2024 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 478.60 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 33.20 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 359 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी के रेवन्यू 6714 करोड़ रुपये रहा है। रेवन्यू में भी 17.4 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। रेल विकास निगाम की बात करें तो यह 21.8 प्रतिशत के इजाफे के बाद 456.40 करोड़ रुपये रहा है।

### 6 महीने में पैसा किया डबल

## संक्षिप्त समाचार

### बाइडेन ने कहा, अदालत का फैसला बेटे के खिलाफ आया तो नहीं देंगे माफी

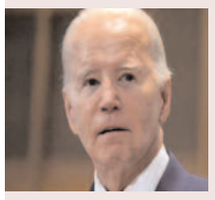

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि अनधिकृत बंदूक रखने के आपराधिक मुकदमे में दोषी ठहराये जाने की स्थिति में वह अपने बेटे हंटर को माफी नहीं देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति से एक टीवी साक्षात्कार में पूछा गया था कि क्या वह डेलावेयर प्रांत में अपने बेटे पर चल रहे मुकदमे के फैसले को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सीधे-सीधे कहा, हां। एबीसी न्यूज द्वारा साक्षात्कार से पहले जारी बयान में कहा गया है कि न्यूज एंकर डेविड मुइर ने जब पूछा कि क्या बाइडेन क्षमा की संभावना से भी इनकार करते हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने सकारात्मक जवाब दिया। हंटर बाइडेन पर आरोप है कि अक्टूबर 2018 में हथियार खरीदते समय उन्होंने गलत बयानी की थी और उस समय नशीली दवाओं की अपनी लत छिपाई थी। दोषी होने पर उसे 25 साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मामले की सुनवाई कर रहे जज कितनी सजा देंगे, क्योंकि हंटर बाइडेन का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प के व्यवहार के विपरीत है, जिन पर कई आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं और वह पहले ही संकेत दे चुके हैं कि अगर वह चुनाव जीतते हैं तो उनके खिलाफ आये फैसलों को पलट देंगे।

### इजरायल के खिलाफ अब मैदान में उतरा स्पेन, यूएन की अदालत में लगाई अर्जी

**गाजा, एजेंसी।** गाजा में हमास के खिलाफ जारी इजरायली सैन्य कार्रवाई के बीच यूरोपीय देश स्पेन ने बड़ा कदम उठाया है। स्पेन ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत में अर्जी देकर दक्षिण अफ्रीका द्वारा इजरायल के खिलाफ दायर मुकदमे में पक्षकार बनने की अनुमति मांगेगा। स्पेन के विदेश मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका ने संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत में दाखिल याचिका में इजरायल पर गाजा में जनसंहार करने का आरोप लगाया है। स्पेन पहला यूरोपीय देश है जिसने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत में दाखिल याचिका से जुड़ने की पहल की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इजरायल ने गाजा पर सैन्य कारवाई के दौरान जनसंहार संधि का उल्लंघन किया है और बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। मैक्सिको, कोलंबिया, निकारागुआ, लीबिया और फिलिस्तीन पहले ही मुकदमे से जुड़ने की अर्जी दे चुके हैं। अदालत ने इजरायल को दक्षिणी गाजा के शहर रफह में सैन्य कार्रवाई तत्काल रोकने का आदेश दिया है लेकिन इजरायल ने आदेश का अनुपालन नहीं किया है। विदेश मंत्री जोस मैनयुल अल्बारेस ने मैड्रिड में कहा, ''हमने गाजा में जारी सैन्य कार्रवाई की वजह से यह फैसला लिया है। हम चाहते हैं कि गाजा और पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो और इसके लिए हमें अदालत में हर तरह का समर्थन करना चाहिए। इजरायल ने अपनी सेना द्वारा जनसंहार किए जाने से इनकार किया है। इजराइल के मुताबिक, वह पिछले साल अक्टूबर में दक्षिणी इजरायल पर हुए हमले के बाद केवल हमास को कुचलने के लिए अभियान चला रहा है।

### नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए, इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है। विदेश मंत्री की आपत्ति के बावजूद सरकार ने लिया फैसला द काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने गुरुवार को राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की रविवार को भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के कई अधिकारियों ने अखबार को बताया कि सरकार का यह कदम बहुत से देशों को गैर-राजनयिक संदेश दे रहा है। नेपाल के एक मंत्री ने अखबार को बताया कि विदेश मंत्री श्रेष्ठ नेपाली कांग्रेस और अन्य दलों के कोटे से नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री दहल और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने मनमनाने तरीके से राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया।

### चेक गणराज्य में मालगाड़ी से टकराई 380 यात्रियों से भरी हाईस्पीड ट्रेन, 4 लोगों की मौत, 27 घायल

**प्राग, एजेंसी।** चेक गणराज्य में एक यात्री रेलगाड़ी और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई जबकि 27 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्री विट रकुसन ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 27 यात्री घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात प्राग से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में पर्डूबिस शहर में हुई।

# बांग्लादेश: भीषण गर्मी से परेशान कपड़ा फैक्ट्री के कर्मचारी

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में चार लाख से अधिक कपड़ा फैक्ट्री श्रमिकों समेत अलग-अलग कारखानों में काम करने वाले लोगों को अत्यधिक गर्मी के कारण अलग-अलग समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इनमें से 60 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं.संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस गर्मी में कारखानों, खासकर कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले दो-तिहाई से अधिक श्रमिकों को अत्यधिक लू का सामना करना पड़ा. 22 साल की आयशा तलुकदार तनीसा ढाका में एक जींस फैक्ट्री में सिलाई का काम करती हैं. यह फैक्ट्री पश्चिमी ब्रांडों के लिए कपड़े बनाती है. बांग्लादेश के 70 साल के इतिहास में इतनी तीव्रता और लंबी अवधि की गर्मी कभी नहीं पड़ी. आयशा तलुकदार ने थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन से कहा, हममें से कुछ लड़कियां बीमार पड़ गई हैं.

गर्मी की वजह से उन्हें मिचली या बेहोशी आ जाती है गर्मी से उद्योग को नुकसान एड्रियन अर्ष्ट-रॉकफेलर फाउंडेशन रेसिलिएंस सेंटर द्वारा प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक अत्यधिक गर्मी के प्रभाव से बांग्लादेश को सालाना 6 अरब डॉलर की श्रम उत्पादकता का नुकसान हो रहा है. अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया कि दुनियाभर में दो तिहाई से अधिक कर्मचारी काम के दौरान अत्यधिक गर्मी की चपेट में आ जाते हैं. बांग्लादेश इंस्टिट्यूट ऑफ लेबर स्टडीज के डिप्टी डायरेक्टर मनिरुल

इस्लाम कहते हैं, गर्मी कपड़ा उद्योग के लिए एक गंभीर व्यावसायिक खतरा है इस्लाम ने 400 से अधिक श्रमिकों का सर्वेक्षण किया है और कहा कि गर्मी के असर के कारण सबसे गर्म महीनों के दौरान पांच में से एक श्रमिक को कम से कम एक बार बीमारी की छुट्टी पर जाना पड़ा. उन्होंने बताया कि 32 प्रतिशत श्रमिकों ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण उनकी कार्य क्षमता कम हो गई. काम पर गर्मी का असर कुछ प्रमुख कपड़ा निर्माता अपने श्रमिकों को गर्मी से बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन श्रम अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सप्लायरों, ब्रांडों और सरकार से बहुत अधिक धन और प्रतिबद्धता की जरूरत है. सिर्फ फैक्ट्रियों को ठंडा रखने से श्रमिकों की सुरक्षा नहीं होती है. बांग्लादेश जैसे देश में श्रमिकों को अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए चिलचिलाती धूप में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विकल्प कम हैं और कई लोग छोटे व तंग घरों में रहते हैं.

कार्यस्थलों पर इन श्रमिकों को ज्यादातर साझा रसोई, शौचालय और स्नानघर का इस्तेमाल करना पड़ता है. बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले श्रमिक औसतन 113 डॉलर (करीब 9400 रुपये) महीना कमाते हैं. इतनी सीमित आय के साथ महंगे एयर कंडीशनिंग सिस्टम और जनरेटर इन श्रमिकों की पहुंच से बहुत दूर हैं. गर्मी में बिजली कटौती बांग्लादेश की एक और समस्या है. ग्लोबल वर्कर डायलॉग (जीडब्ल्यूडी) के कार्यकारी निदेशक गाय स्टुअर्ट नियमित रूप से कारखाने के श्रमिकों की स्थितियों का सर्वेक्षण करते हैं. उनका कहना है कि कारखानों को ठंडा रखने से श्रमिकों को उनके आने-जाने के दौरान सुरक्षा नहीं मिलती, या घर पर जहां कई लोग छोटे, भीड़-भाड़ वाले घरों में रहते हैं. ऊर्जा प्रौद्योगिकी कंपनी ग्रिट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में ऑपरेशन के प्रमुख रहे सुदीप पॉल ने कारखानों को जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने में वर्षों बिताए हैं।

उन्होंने कहा कि सरल, सस्ते कदम बदलाव ला सकते हैं. पॉल ने कहा कि इसमें सुबह 8 बजे के बजाय 6 बजे शिफ्ट शुरू करना शामिल हो सकता है, ताकि कर्मचारी दोपहर की गर्मी के चरम पर पहुंचने से पहले लंच के लिए जा सकें, उन्हें घर वापस जाने के लिए हल्के सूती कपड़े और सफेद छतरियां उपलब्ध कराई जा सकें. उनका यह भी कहना है कि फैक्ट्रियों में कूलर भी लगाए जा सकते हैं जिससे गर्मी से बचाव किया जा सके. संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की पिछले महीने की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लगभग 19,000 लोग अत्यधिक गर्मी के कारण कार्यस्थल पर होने वाली चोटों के कारण मर जाते हैं और अनुमान है कि 2.62 करोड़ लोग कार्यस्थल पर गर्मी के तनाव से जुड़े किडनी रोगों से पीड़ित हैं।

## अंतरिक्ष में पहुंच खुशी से झूमीं सुनीता विलियम्स, साथियों को गले लगाया परिवार से भी की बात

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर गुरुवार को सुरक्षित अंतरिक्ष पहुंच गए। इस दौरान विलियम्स खुशी से झूमती दिखीं। इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। बता दें, बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के रास्ते में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने उड़ान क्षमता (मैनुअल पायलटिंग) का परीक्षण भी किया। दोनों ने अंतरिक्ष यान के सदस्यों के तौर पर अपने हाथों में इसका नियंत्रण लेकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाली सुनीता पहली महिला बन गई हैं।

**कवायद के कई कारण :** बता दें, अंतरिक्ष यान आमतौर पर ऑटो होता है, लेकिन चालक दल ने करीब दो घंटे की ऑटो उड़ान के दौरान यान को खुद से नियंत्रण में लिया। उन्होंने स्टारलाइनर को पृथ्वी की ओर किया ताकि सेवा मॉड्यूल के पीछे इसका संचार एंटीना ट्रैकिंग और डाटा रिले उपग्रहों की ओर हो सके। इसके बाद उन्होंने यान को इस तरह से घुमाया कि उसका सूर्य की ओर घुमाव हो ताकि जरूरत पड़ने पर वे आंतरिक बैटरी को चार्ज कर सकें। इस पूरी कवायद का उद्देश्य यह दिखाना था कि यदि तीनों उड़ान कंप्यूटर एक ही समय में बंद हो जाएं तो वे अंतरिक्ष में काम कर सकते हैं। उन्होंने मैन्युअली यान की गति बढ़ाई और फिर इसे धीमा किया, ताकि जरूरी हो तो क्रू दल खुद ही अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा से अलग हो सके।

**गणेश मूर्ति, भगवद गीता और अब यह खास :** विलियम्स पहले भगवान गणेश की मूर्ति और भगवद गीता को अंतरिक्ष में ले जा चुकी हैं। अब यह उनकी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा है। जब वह अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंची तो कुछ खास अंदाज में नजर आईं। वह अंतरिक्ष पहुंचते ही खुशी से झूमती दिखीं। उन्होंने इस दौरान नृत्य भी किया और आईएसएस पर सवार सात अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को गले लगाया। विलियम्स और विल्मोर का स्वागत घंटी बजाकर किया गया, जो एक पुरानी आईएसएस परंपरा है। वहीं, अपने नृत्य पर सुनीता ने कहा कि चीजों को आगे बढ़ाने का यही तरीका है। वहीं अपने शानदार स्वागत के लिए चालक दल के सदस्यों को परिवार कहते हुए उनको धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं आप सबको याद नहीं कर रहीं हूं। आप खुश होंगे जानकार कि मैं यहां अपने एक और परिवार के साथ हूं और मैं यहां बहुत खुश हूं।

### रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास 4 भारतीय मेडिकल छात्र डूबे, दो लड़के और दो लड़कियों की मौत

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्र डूब गए और देश में भारतीय मिशन उनके शवों को जल्द से जल्द उनके रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। चारों छात्र - 18-20 वर्ष की आयु के दो लड़के और दो लड़कियाँ, वेलिकि नोवगोरोड शहर में पास के नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वोल्खोव नदी पर समुद्र तट से बाहर निकली एक भारतीय छात्रा मुसीबत में फंस गई और उसके चार साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी नदी में डूब गये। तीसरे लड़के को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। मॉस्को में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, हम शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए काम कर रहे हैं। जिस छात्र की जान बचाई गई है, उसे उचित इलाज भी मुहैया कराया जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये छात्र वेलिकि नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति सच्ची संवेदना। महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह वेलिकि नोवगोरोड के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं।

# मंगल पर बस्ती बसाने का सपना होगा पूरा! एलन मस्क के स्टारशिप को मिली बड़ी कामयाबी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** मून और मंगल मिशन के लिए बनाए गए दुनिया के सबसे वीइकल स्टारशिप का चौथा टेस्ट कामयाब रहा है। गुरुवार को टेस्ट फ्लाइट के बाद इसे हिंद महासागर में सफलतापूर्वक गिराया गया। हालांकि समंदर में गिरते वक्त इसके कुछ हिस्से अलग हो गए और जलते हुए समंदर में गिरने लगे। रॉकेट में लगे कैमरे ने ही इसका वीडियो बना लिया। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर इस टेस्ट को कामयाब बताया और कहा, कई टाइल्स और फ्लैप के नुकसान के बाद भी स्टारशिप ने महासागर में सॉफ्ट लैंडिंग करके कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, दूसरे ग्रह पर जीवन बसाने की ओर यह एक बड़ा कदम है। बता दें कि अब तक के इस सबसे शक्तिशाली रॉकेट को कंपनी के स्टारबेस बोका चिका, टेक्सास से सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर लॉन्च किया था। इस स्टारशिप को अंतरिक्ष में भेजा गया और फिर वापस पृथ्वी पर लाया गया। इस टेस्ट का उद्देश्य यही था कि पता लगाया जाए कि स्टारशिप अंतरिक्ष में जाने के बाद जब दोबारा पृथ्वी का वातावरण में लौटता है तो सर्वाइव कर पाता है या नहीं। कंपनी स्पेसएक्स ने भी सोशल मीडिया पर ब ताया कि पानी में लैंडिंग एकदम सफल रही है और इसके लिए स्पेसएक्स की टीम को बधाई।

मंगल पर कॉलोनी बसाने का सपना देखने वाले एलन मस्क के लिए यह मिशन बहुत ही अहम था।

यह रॉकेट पूरी तरह से रीयूजेबल है। एलन मस्क की कंपनी ने इसे बनाया है। स्टारशिप दरअसल एक स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी बूस्टर का मिलाजुला रूप है। यह 150 मीट्रिक टन तक का भार अपने साथ ले जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि एक बार में कम से कम 100 लोगों को मंगल ग्रह तक ले जा सके। यह चौथा टेस्ट था और इसकी अवधि 1 घंटा 5 मिनट और 48 सेकंड थी। इस ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम में 6 रैप्टर इंजन और सुपर हैवी में 33 रैप्टर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले तीसरा टेस्ट सफल नहीं हो पाया था। इस स्टारशिप को पृथ्वी के वातावरण में एंट्री कराते ही संपर्क टूट गया था। वहीं 18 नवंबर 2023 को स्टारशिप को दूसरा टेस्ट करवाया गया था। यह पृथ्वी की तरफ आ ही नहीं पाया था। 3.2 मिनट के बाद ही 90 किलोमीटर ऊपर यह फट गया था। वहीं स्टारशिप को भी 148 किलोमीटर ऊपर नष्ट करना पड गया। पहले टेस्ट 20 अप्रैल 2023 को कराया गाय था। उड़ान भरने के चार मिनट बाद ही इसमें विस्फोट हो गया था और मेक्सिको की खाड़ी के पास गिर गया था।

## यूरोप से संयुक्त अरब अमीरात जा रहे जहाज के पास फिर विस्फोट, लाल सागर में हूती लड़ाकों का आतंक

**दुबई, एजेंसी।** इस्राइल और हमास युद्ध के बीच यमन के हूती लड़ाके लाल सागर में आतंक फैला रहे हैं। गुरुवार को भी मोखा शहर में एक व्यापारिक जहाज के पास विस्फोट किया गया। वहीं, समुद्र में एक अन्य जगह भी विस्फोट की घटना की सूचना है, जिसकी ब्रिटिश अधिकारी जांच कर रहे हैं। बता दें कि हूतियों द्वारा नवंबर से लाल सागर, बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी के महत्वपूर्ण शिपिंग चैनलों में जहाजों पर बार-बार ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। गुरुवार को भी जहाज पर हमले का मामला सामने आया है। एक व्यापारिक जहाज ने जानकारी दी कि यमन के बंदरगाह शहर मोखा से लगभग 19 समुद्री मील पश्चिम में लाल सागर में उसके पास विस्फोट हुआ। इसके अलावा, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने भी कहा कि उसे मोखा से 27 समुद्री मील दक्षिण में एक घटना की रिपोर्ट मिली है, जिसकी अधिकारी जांच कर रहे हैं।

दोनों घटनाएं एक हैं या नहीं, अभी स्पष्ट नहीं एक निजी सुरक्षा फर्म ने बताया कि एक

व्यापारिक जहाज यूरोप से संयुक्त अरब अमीरात जा रहा था। जिस समय जहाज के पास विस्फोट हुआ, उस समय यह ऑटोमेटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम सिग्नल नहीं भेज रहा था। उसने कोई अन्य विवरण नहीं दिया। अम्ब्रे और यूकेएमटीओ द्वारा रिपोर्ट की गई दोनों घटनाएं एक ही थीं या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

जहाज वाहकों में हमलों से पैदा हुआ डर सुरक्षा फर्म का कहना है कि हूतियों द्वारा जहाजों पर किए जा रहे लगातार हमलों से जहाज वाहकों को अपना माल दक्षिणी अफ्रीका के आसपास लंबी और अधिक महंगी यात्राओं पर भेजने के लिए बाध्य होना पड़ा है। उन्हें यह डर पैदा हो गया है कि इस्राइल-हमास युद्ध मध्य पूर्व में अस्थिरता पैदा कर सकता है। वहीं, ईरान से संबद्ध और यमन के सबसे अधिक आबादी वाले हिस्सों पर नियंत्रण रखने वाली हूती मिलिशिया का कहना है कि वह गाजा में इस्राइल के खिलाफ लड़ रहे फलस्तीनियों के साथ एकजुटता से काम कर रही है।

## टीवी, कूलर, किचन और जिम: जेल में बंद इमरान खान को मिल रही लग्जरी सुविधाएं

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पास उनकी कोठरी के बगल में टहलने की जगह, एक कूलर, एक टीवी, एक अलग रसोईघर, व्यायाम के लिए उपकरण और अन्य सुविधाएं हैं। 71 वर्षीय खान पिछले साल सितंबर से रावलपिंडी की हाई सिक्योरटी वाली अदियाला जेल में कैद हैं। उन्हें जिला जेल अटक से इस जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां उन्हें तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 5 अगस्त 2023 को गिरफ्तारी के बाद रखा गया था। 30 मई को एक मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश होते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक ने मुख्य न्यायाधीश से शिकायत की थी कि वह एकांत कारावास में रह रहे हैं और सरकार ने वकीलों और परिवार से उनकी मुलाकात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सदस्य. सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपे गए जवाब में उनके द्वारा प्राप्त सुविधाओं की एक सूची प्रदान करके उनके दावों को खारिज कर दिया और इसमें खान की सेल और अन्य वस्तुओं के साथ-साथ जेल में उनकी कानूनी टीम के साथ उनकी मुलाकात की तस्वीरें भी शामिल थीं। सरकार ने कहा कि खान को सेल के बगल में चलने की जगह, एक रूम कूलर, एक टीवी, किताबें पढ़ने के लिए एक अलग रसोईघर, एक कुर्सी के साथ

एक अध्ययन मेज और व्यायाम के लिए उपकरण का आनंद मिला। सरकार ने उन व्यक्तियों की एक सूची भी प्रदान की, जिन्होंने खान से मुलाकात की है, इन दावों का खंडन करते हुए कि उन्हें एकान्त कारावास में रखा जा रहा है। इसने सुझाव दिया कि, यदि आवश्यक हो, तो खान के आरोप को सत्यापित करने के लिए एक आयोग नियुक्त किया जा सकता है। इससे पहले, सरकार ने दोषी पूर्व प्रधान मंत्री के साथ बैठकों की सुविधा के लिए मार्च में मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को औपचारिक रूप दिया था। एसओपी के अनुसार, पीटीआई नेताओं बैरिस्टर गोहर अली खान, शेर अफजल मारवत और बैरिस्टर उमैर अहमद खान नियाज़ी को जेल में यात्राओं के समन्वय के लिए फोकल व्यक्ति के रूप में नामित किया गया था।

# सूडान एक कृषि गांव, जहां अन्न भंडार था, वहां अब लाशों का ढेर लगा

**खारतूम, एजेंसी।** सूडान के वद अल-नूरा गांव में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आर.एस.एफ.) द्वारा किए गए हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। यह हमला सूडान के अन्न भंडार क्षेत्र में स्थित गांव पर किया गया, जिससे एक साल से चल रहे क्रूर युद्ध में बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं।

हमले का विवरण बुधवार को जजीरा प्रांत के वद अल-नूरा गांव पर आर.एस.एफ. द्वारा हमला किए जाने के बाद लगभग 50 लोगों के शवों को सामूहिक अंतिम संस्कार के लिए रखा गया, जबकि सैकड़ों ग्रामीण उन्हें देख रहे थे। इस हमले में दर्जनों बच्चों सहित कम से कम 104 लोग मारे गए। इस हमले की सटीक परिस्थितियों पर विवाद है, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौत और सामूहिक दफन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुईं और न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा सत्यापित की गईं। अंतर्राष्ट्रीय निंदा- इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। सूडान में संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अधिकारी क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने एक बयान में कहा, सूडान के संघर्ष के दुखद मानकों के अनुसार भी, वद अल-नूरा से उभरने वाली तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड कैमरन ने सोशल मीडिया पर लिखा, दुनिया देख रही है। जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

**स्थानीय प्रतिरोध-:** स्थानीय प्रतिरोध समिति ने इस घटना को नरसंहार बताया और कहा कि कम से कम 104 लोग मारे गए। उन्होंने राष्ट्रीय सेना को उन्हें बचाने में विफल रहने का दोषी ठहराया। वद अल-नूरा के लोगों ने सेना से उन्हें बचाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने शर्मनाक तरीके से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

**रैपिड सपोर्ट फोर्स का बयान-:** आर.एस.एफ. ने एक बयान में स्वीकार किया कि इसके बलों ने वद अल-नूरा पर गोलीबारी की थी, लेकिन कहा कि वे गांव के आसपास सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहे थे, और लड़ाई में आठ सैनिक मारे गए थे।

**बच्चों की मौत-:** यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा कि वह हिंसा में कम से कम 35 बच्चों के मारे जाने और 20 के घायल होने की रिपोर्ट से भयभीत हैं। उन्होंने युद्धरत पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने का आह्वान किया।

**सरकार की प्रतिक्रिया-:** सूडान के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने गुरुवार को हमले में घायल ग्रामीणों से मुलाकात की। पास के शहर अल मनागिल के एक अस्पताल में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेना हत्याओं के लिए आर.एस.एफ. को कठोर जवाब देगी। यह गांव एक कृषि क्षेत्र में है जो कभी सूडान का अन्न भंडार थाआर.एस.एफ. ने दिसंबर में जज़ीरा प्रांत की क्षेत्रीय राजधानी वद मदनी पर कब्जा कर लिया।

## दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे जैक्स कैलिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंग्लैंड के एजबस्टन और नॉर्थम्पटनशायर स्टेडियम में 3 से 13 जुलाई तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम का नेतृत्व महान आलराउंडर जैक्स कैलिस करेंगे

जिसमें इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और जेपी डुमिनी जैसे पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स में छह क्रिकेट ताकतों दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज से छह टीमें उतरेंगी। इस टी20 टूर्नामेंट को इंग्लैंड एन्ड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मान्यता प्राप्त है जिसमें रिटायर्ड और गैर अनुबंधित खिलाड़ी उतरेंगे।

### दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम

जैक्स कैलिस (कप्तान), इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स (विकेटकीपर), मखाया एंटिनी, डेल स्टेन, एश्वेल प्रिंस, नील मैकेंजी, रयान मैकलॉरेन, जस्टिन ओनटोंग, रोरी क्लेनवेल्ट, जेपी डुमिनी, रिचर्ड लेवी, डेन विलास, वेर्नोन फिलेंडर, चार्ल लैंगवेल्ट ।

**शूटिंग**

## सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

- खुला भारत के पदक का खाता

**म्यूनिख, एजेंसी।** भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रॉबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और चार बार के ओलंपियन यूसुफ डिकेक की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस स्वर्ण से आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता भी खुल गया। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने बुधवार को क्वालिफाइंग मुकाबले में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, फाइनल में सरबजोत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले सरबजोत पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में भी शीर्ष पर रहे थे। सरबजोत ने चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2023 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का पहला पिस्टल कोटा हासिल किया था। पिछले साल एशियाई खेलों में सरबजोत ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

## संधू एफसी (ब्लू) बनी चंडीगढ़ यूथ लीग चैम्पियन

# शीर्ष पर बनाई जगह

**चंडीगढ़, एजेंसी।** चंडीगढ़ यूथ फुटबॉल लीग-2024 फॉर केबी मलिक मैमोरियल ट्रॉफी में संधू फुटबॉल क्लब (ब्लू) ने खिताबी जीत दर्ज की। अंतिम लीग मैच में टीम का सामना सेंट स्टीफंस स्कूल के साथ था। दोनों ओर से अच्छा गेम देखने को मिला, लेकिन संधू एफसी ने 1-0 की जीत के साथ टाइटल पर कब्जा कर लिया। चंडीगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) के पूर्व प्रेसिडेंट केबी मलिक की पत्नी रमन मलिक ने फाइन लिस्ट टीमों को सम्मानित किया। राम कृष्ण मिशन चंडीगढ़ के स्वामी भितिहरनंद और तरुण मलिक गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। सीएफए की पूरी टीम भी इस मौके पर मौजूद रही। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स-46 के फुटबॉल ग्राउंड पर खेले अंडर-15 बॉयज कैटेगरी के अंतिम लीग मैच दोनों ओर से अच्छा गेम देखने को मिला। पहले हाफ में गोल की कोशिश होती रही, लेकिन डिफेंडर्स ने स्ट्राइकर्स कोल गोल नहीं करने दिया। पहले हाफ का अंत 0-0 स्कोर के साथ ही हुआ। दूसरे हाफ में संधू एफसी ने गेम को बदला और अटैक करना शुरू किया। टीम ने इसी बीच सफल मूव भी बनाया। मिडफील्डर सार्थक ने राइट फ्लैंक से बॉल को आगे की ओर धकेला और स्ट्राइकर गुरबीर सिंह ने पेनल्टी एरिया में बॉल को रिसीव किया। उन्होंने बॉल को कंट्रोल करते हुए तेज शॉट लगाया और 43वें मिनट में संधू एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। सेंट स्टीफंस स्कूल के प्लेयर्स ने काफी प्रयास किया, लेकिन वे बराबरी का गोल नहीं कर सके। संधू एफसी ने लीड को कायम रखते हुए खिताबी जीत दर्ज की।

### ये रही टॉप 3 टीमें

विजेता- संधू एफसी(ब्लू)। रनरअप- सेंट स्टीफंस स्कूल चंडीगढ़। थर्ड स्लेस- सेंट जॉन्स हाई स्कूल चंडीगढ़।

### इन्हें मिले इंडिविजुअल प्राइज

टॉप स्कोरर- प्रत्यक्ष (मारुति एफसी), बेस्ट गोलकीपर- अगमजोत सिंह (संधू एफसी), बेस्ट मिडफील्डर- विपुनु (सेंट स्टीफंस स्कूल), बेस्ट डिफेंडर- तेगबीर सिंह (संधू एफसी)।

अंडर-13 में रॉयल और वैलोसिटी जीते- बॉयज अंडर-13 कैटेगरी में रॉयल एफसी और वैलोसिटी एफसी ने अपने लीग मुकाबले जीते। रॉयल एफसी ने जीएमएसएसएसएस-21 को 6-1 से मात दी। टीम के लिए अहान ने 5वें और 49वे मिनट में दो गोल किए, जबकि हिमांशु ने 13वें, 28वें, 47वें मिनट में हैट्रिक दागी। सागर ने 1 गोल किया, जबकि विपक्षी टीम की ओर से अभिराज ही एकमात्र गोल दाग सके। वहीं, वैलोसिटी एफसी ने जीएमएचएस आरसी-1 धनास को 3-2 से मात दी। वैलोसिटी की ओर से चंदन ने चौथे और 44वे मिनट में दो गोल दागे, जबकि एक गोल उन्हें विपक्षी टीम की गलती से मिला। धनास की ओर से रहमान और सादिक ने 1-1 गोल दागा।

## विदाई मैच के बाद भावुक हुए सुनील छेत्री

- टीम इंडिया के गार्ड ऑफ ऑनर देने पर निकले आंसू

**कोलकाता, एजेंसी।** सुनील छेत्री ने मैच के बाद पूरे स्टेडियम का लैप ऑफ ऑनर भी लिया और दर्शकों को धन्यवाद दिया। भारतीय टीम ने छेत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह रोने लगे। भारत ने कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री ने गुरुवार को कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह दिया। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म किया। इस दौरान उन्हें अधिकारियों ने उपहार-ट्रॉफी और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अपने आखिरी मैच के बाद छेत्री भावुक हो गए और मैदान पर ही रोने लगे। उन्होंने मैच के बाद पूरे स्टेडियम का लैप ऑफ ऑनर भी लिया और दर्शकों को धन्यवाद दिया। भारतीय टीम ने छेत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह रोने लगे। भारत ने कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। छेत्री भारत के फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया और उनका करियर लगभग दो दशकों तक चला। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 151 मैच खेले और 94 गोल किए। उनके नाम भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड है। मैच समाप्त होने के बाद छेत्री ने पूरे स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर लेकर फैंस को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस जाने लगे तो टीम के साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में आखिरी बार मैदान छोड़ते समय 39 वर्षीय छेत्री और भावुक हो गए। गार्ड ऑफ ऑनर के लिए आगे बढ़ने से पहले छेत्री रोने लगे। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान को अन्य खिलाड़ियों ने सांत्वना दी।

इसके बाद छेत्री जर्सी बदलकर मैदान पर आए। उन्हें रोता देख स्टेडियम में मौजूद उनके माता-पिता भी रोने लगे। वहीं, पत्नी सोनम भी भावुक हो गईं। भारत के पूर्व स्टार रॉबिन सिंह ने भी छेत्री को गले लगा लिया। जब छेत्री को सम्मानित किया जा रहा था तो परिवार वालों की आंखों में आंसू थे। छेत्री के माता-पिता और पत्नी अपने आंसू रोकने के लिए संघर्ष करते दिखे। इतना ही नहीं स्टेडियम में मौजूद फैंस के भी सुनील छेत्री को भावुक देख आंसू निकल पड़े। राजस्थान रॉयल्स ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें कैमरामैन को रोते हुए दिखाया। वहीं, स्टेडियम में लगातार सुनील छेत्री के नाम के नारे लगते रहे।

अब भारतीय टीम पूरी तरह से 11 जून को कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर मैच पर निर्भर है। टीम इंडिया तब पहली बार बिना सुनील छेत्री के उतरेगी। भारतीय टीम पहली बार तीसरे दौर में पहुंचने के लिए खेल रही है। भारत को अपने आखिरी मैच में बड़ा उलटफेर कर कतर को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि एशियाई चैंपियन कतर एक और मैच में अफगानिस्तान को हरा दे।

## आज ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए इंग्लैंड के गेंदबाजों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

**ब्रिजटाउन (एजेंसी)।** गत चैम्पियन इंग्लैंड को चिर प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को टी20 विश्व कप ग्रुप बी के मैच में अपनी गेंदबाजी में सुधार करना होगा। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था लेकिन स्कॉटलैंड ने दस ओवर में बिना किसी नुकसान के 90 रन बना लिए थे। इससे इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमजोरी उजागर हुई। स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुंसे और माइकल जोंस ने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों को आसानी से खेला। ऐसे में डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खतरनाक आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उन पर आसानी से दबाव बना सकते हैं। एक बार फिर जोफा आर्चर पर फोकस होगा जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ दो ओवर में 12 रन दिए। गेंदबाजों के अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। जोस बटलर ने आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने पैट कमिंस के बगैर भी ओमान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल तक ले जाने वाले कमिंस की जगह नाथन एलिस को उतारा गया था लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कमिंस को लाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में एकमात्र कमजोर कड़ी ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म है। ओमान के खिलाफ वह पहली गेंद पर आउट हो गए थे।

**टी-20 वर्ल्डकप 2024**

## हमने इतिहास दोहराया है... अमेरिका से हार गया पाकिस्तान

### शोएब अख्तर का छलका दर्द

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान को हरा दिया है। सुपर ओवर तक गए मुकाबले में धुरंधरों से भरी पाकिस्तानी टीम अमेरिका के खिलाफ उलटफेर का शिकार हो गई। इस हार के बाद पाकिस्तान को पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपना दर्द शेयर किया है।

डलास, एजेंसी। पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उलटफेर का शिकार हो गई है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान को मेजबान अमेरिका ने सुपर ओवर में हरा दिया। अमेरिका का पार्ट टाइम क्रिकेटर के आगे दुनिया के बेस्ट खिलाड़ी होने का दम भरने वाले पाकिस्तानी कहीं नहीं टिके। सुपर ओवर में अमेरिका के बल्लेबाजों ने मोहम्मद आमिर के खिलाफ 18 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान के बल्लेबाज 13 रन ही बना सके। इस तरह अमेरिका ने अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया।

### निराश शोएब अख्तर क्या बोले?

पाकिस्तान की हार ने उसके फैंस और पूर्व क्रिकेटर्स को निराश कर दिया है। क्रिकेट इतिहास के सबसे तेज गेंदबाज माने जाने वाले शोएब अख्तर ने पाकिस्तान की हार पर निराशा व्यक्त की है। अख्तर ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- दुखी और निराश। अपने वीडियो में उन्होंने कहा, पाकिस्तान के लिए यह निराशाजनक हार है। अमेरिका से हारकर हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही। हमने इतिहास को दोहराया जैसा कि हमने 1999 के विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ किया था। दुर्भाग्य से पाकिस्तान कभी भी जीत का हकदार नहीं था। कारण है कि अमेरिका ने बहुत अच्छा खेला।

**फ्रेंच ओपन:**

## गॉफ को हराकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक

- खिताबी मुकाबले में पाओलिनी से टक्कर

**पेरिस, एजेंसी।** शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। इगा स्वियातेक ने गुरुवार को फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में कोको गॉफ को 6-2, 6-4 से हराकर रोलां गैरां में जीत का सिलसिला 20 मैचों तक पहुंचा दिया। शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। फ्रेंच ओपन में अपना चौथा खिताब जीतने की कवायद में लगी स्वियातेक ने तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-2, 6-4 से पराजित किया। इस तरह से वह जस्टिन हेनिन (2007 से 2009) के बाद रोलां गैरा पर लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से अब केवल एक कदम दूर है। स्वियातेक ने गॉफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 11-1 कर दिया है। उन्होंने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार अमेरिकी खिलाड़ी को हराया। इनमें 2022 के फाइनल और पिछले साल के क्वार्टर फाइनल में दर्ज की गई जीत भी शामिल हैं।

### एडवर्ड-सिगेमुंड ने फ्रेंच ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीता

एडवर्ड रोजर-वेसेलिन और लॉरा सिगेमुंड ने गुरुवार को यहां नील स्कुपस्की और डिजायर क्रॉजिक की जोड़ी को सीधे सेट में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीता। पहली बार किसी टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे फ्रांस के रोजर-वेसेलिन और जर्मनी की सिगेमुंड ने स्कुपस्की और क्रॉजिक की जोड़ी को 6-4, 7-5 से हराया। सिगेमुंड इससे पहले 2016 में अलग जोड़ीदार के साथ अमेरिकी ओपन का मिश्रित युगल ओर 2020 में महिला युगल खिताब जीत चुकी हैं।

**टी20 विश्व कपः 20224 सुपर ओवर**

## वो भारतीय इंजीनियर, जिसने टी20 विश्व कप में अकेले बाबर आजम की पाकिस्तानी सेना को बर्बाद कर दिया

**डलास, एजेंसी।** 2010 में वह भारतीय टीम का खिलाड़ी था। अंडर-19 विश्व कप में खेल रहा था। केएल राहुल की कप्तानी में तब टीम इंडिया को पाकिस्तान से हार मिली थी। उस समय पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम थे। अब उस गेंदबाज ने अमेरिका की ओर से खेलते हुए उस हार का बदला लिया है।

टी20 विश्व कप 2024 का आगाज पाकिस्तान के लिए उम्मीद के खिलाफ गया है। उसे विश्व कप (चाहे वह टी20 हो या वनडे) के इतिहास में लगातार दूसरी बार सबसे बड़े उलटफेर का शिकार बनना पड़ा है। वनडे वर्ल्ड कप में उसे अफगानिस्तान से हार मिली थी, जबकि अब अमेरिका से हार मिली। बाबर आजम की अगुआई वाली पाकिस्तान को चौंका देने के लिए मुंबई में जन्मे यूएसए के सौरभ नेत्रवलकर सुपर ओवर में सुपर स्टार साबित हुए। नेत्रवलकर को 18 रन बचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

नेत्रवलकर ने पाकिस्तान सिक्सर किंग कहे जाने वाले इफ्तिखार और शादाब को घुटनों पर ला दिया और 5 रन से जीत दर्ज की। जूनियर के तौर पर भारत की जर्सी पहनने वाले नेत्रवलकर ने टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान की शानदार शुरुआत की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया। 2010 में नेत्रवलकर ने अंडर-19 विश्व कप में भारतीय जर्सी पहनी, जहां युवा बाबर की पाकिस्तान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हार एक कड़वी गोली थी। 14 साल बाद नेत्रवलकर ने 2024 के टी20 विश्व कप में एक काव्यात्मक उलटफेर की पटकथा लिखी। एक सनसनीखेज सुपर ओवर फेंकते हुए, उन्होंने बाबर की पाकिस्तान पर यूएसए को एक शानदार जीत दिलाई।

**इंडोनेशिया ओपन बैंडमिंटन**

## लक्ष्य सेन इंडोनेशिया ओपन के क्वाटर फाइनल में, त्रिशा-गायत्री की जोड़ी हारी

**जकार्ता, एजेंसी।** त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई। उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों कड़े मुकाबले में 21-19, 19-21, 19-21 से हार झेलनी पड़ी। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंता निशिमोतो को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई। उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों कड़े मुकाबले में 21-19, 19-21, 19-21 से हार झेलनी पड़ी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना दक्षिण कोरिया की हा ना बाएक और सो ही ली से होगा।

### 500-800 करोड़

# कमाना चाहता है बॉलीवुड, फिल्में बनाना नहीं: अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप हमेशा कहानी कहने के बदलते चलन और फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी बेबाक राय देते हैं। ह्यूमन्स ऑफ सिनेमा के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में रचनात्मक संकट पर विचार किया क्योंकि हर कोई 500-800 करोड़ रुपये कमाना चाहता है।

फिल्म निर्माता ने बताया कि व्यावसायिक सफलता रचनात्मकता को कैसे प्रभावित करती है और कहा, मैंने अक्सर देखा है कि सफलता जितना जन्म देती है, उससे कहीं अधिक नष्ट कर देती है। जब सैराट ने 100 करोड़ रुपये कमाए, तो मैंने नागराज मंजुले, जो मेरे दोस्त हैं, से कहा कि मराठी सिनेमा अब खत्म हो गया है। क्योंकि अब कोई भी कहानी नहीं बताना चाहेगा, वे 100 करोड़ रुपये कमाना चाहेंगे। उन्होंने यह भी कहा, हमारे हिंदी फिल्म उद्योग के साथ समस्या यह है कि वे अब 500 से 800 करोड़ रुपये कमाना चाहते हैं, फिल्में बनाना नहीं। इसके लिए, आपको सबसे पहले अपनी फिल्मों को कमज़ोर करना होगा, अपनी कहानी का त्याग करना होगा। और ऐसा नहीं है कि यह कोई मूल आवाज़ है; सभी एक फ़ॉर्मूले का पालन करते हैं और एक-दूसरे की नकल करते हैं।

अब हर कोई अखिल भारतीय चलन की नकल कर रहा है। अगर आप 10 अखिल भारतीय फ़िल्में देखें, तो सभी एक जैसी दिखेंगी। इससे उद्योग के स्वास्थ्य को कभी कोई फ़ायदा नहीं होता क्योंकि फ़िल्में फिर बड़ी संख्या में धमाका करने लगती हैं। एक या दो चलेंगी, फिर हर कोई नकल करेगा, और फिर सब कुछ फ्लॉप हो जाएगा।

अनुराग ने कई बॉलीवुड फ़िल्में और वेब शो निर्देशित किए हैं। उनके कुछ उल्लेखनीय कामों में ब्लैक फ्राइडे, देव डी, नो स्मोकिंग, गुलाल, गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, मुक्केबाज़, सेक्रेड गेम्स और मनमर्जियाँ शामिल हैं। उनकी आने वाली फ़िल्म कैनेडी को 2023 में कान फ़िल्म फ़ेस्टिवल में दिखाया गया था। इस नियो-नोयर थ्रिलर में राहुल भट, सनी लियोन, अभिलाष थपलियाल, मोहित तकलकर और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

## चंद्रिका रवि अमेरिकी रेडियो शो की मेजबानी करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियाई अभिनेत्री चंद्रिका रवि जल्द ही एक अमेरिकी टॉक शो में नजर आएंगी। वह द चंद्रिका रवि शो नामक एक अमेरिकी टॉक शो की मेजबानी करेंगी। इस शो में वह अपने अनुभव और संघर्ष साझा करती नजर आएंगी। उनके संघर्ष से प्रेरित होकर रूक्स एवेन्यू रेडियो के संस्थापक सैमी चंद ने उन्हें यह मौका दिया है। शो के साथ अपने अनुभव के बारे में चंद्रिका ने कहा, यह एक शानदार अनुभव रहा है, लेकिन यह थोड़ा तनावपूर्ण भी था।

मेरे अभिनय के वर्षों की तुलना में कैमरे के पीछे रहना एक नया अनुभव है। लोग मुझे मेरे वास्तविक रूप में देख पाएंगे। अभिनेत्री इस शो को लेकर बहुत उत्साहित हैं। वह शो के हर पहलू में गहराई से शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ सालों से अपने टॉक शो पर काम कर रही हूं। लंबे समय से मैं इसे जीवंत करने की उम्मीद कर रही थी और अब मुझे आखिरकार सफलता मिल गई है। चंद्रिका इस शो की सह-निर्माता भी हैं। यह शो अमेरिका के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक आईहार्ट रेडियो पर प्रसारित किया जाएगा। इस शो ने उन्हें अमेरिका में रेडियो शो होस्ट करने वाली पहली भारतीय महिला बना दिया है। अमेरिका में रेडियो शो होस्ट करने वाली पहली भारतीय महिला बनने पर वह मुस्कुराती हैं और कहती हैं, मैं पहली हो सकती हूं, लेकिन मैं आखिरी नहीं हो सकती। मैं इस शो को दुनिया के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकती। अपने निजी जीवन में मैं कौन हूं, यह व्यक्त करने और अपनी आवाज का इस्तेमाल करने के लिए एक मंच मिलना मेरे लिए एक पुरस्कार की तरह है। चंद्रिका रवि शो हर गुरुवार को सुबह 7:30 बजे भारतीय समयानुसार आईहार्ट रेडियो और रुकस एवेन्यू रेडियो पर प्रसारित किया जाएगा। पूरा एपिसोड हर शुक्रवार को यूट्यूब पर अपलोड किया जाएगा।

### निर्माता ने दी जानकारी

## 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से इसलिए हटाया गया था हिना खान को

एक्ट्रेस हिना खान को स्टार प्लस के सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से घर-घर में पहचान मिली थी। हिना ने इस शो में कई सालों तक काम किया लेकिन मेकर्स संग लड़ाई के बाद इसे अलविदा कह दिया था। रिपोर्ट्स की मानें तो हिना और मेकर्स के बीच बहुत ज्यादा मनमुटाव हो गया था, जिसके बाद प्रोड्यूसर राजन शाही ने उन्हें शो छोड़ने के लिए कह दिया था। कुछ समय पहले राजन ने बताया था की हिना को शो से निकालने का कारण था। हिना को इस बात से जलन होने लगी थी की शिवांगी जोशी को ज्यादा स्क्रीन टाइम मिल रहा है।

ऐसे में हिना ने शूटिंग करने से मना कर दिया था जिसके बाद मैंने उन्हें शो से जाने के लिए कहा था। अब हिना ने गलाटा इंडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैंने आज तक उनके लिए कुछ नहीं बोला, लेकिन पता नहीं सामने वाले ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब मैंने शो छोड़ा तो मेरे पिता काफी दुखी थे। ऐसे में उन्होंने मुझसे वादा मांगा कि मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगी चाहे कुछ भी हो जाए। मेरे पिता नहीं रहे और अब मैं उनको दिया हुआ यह वादा नहीं तोड़ सकती हूं। मैं मेकर्स की रस्पेक्ट करती हूं क्योंकि उन्होंने मुझे एक्टिंग में पहला ब्रेक दिया था।

## फिटनेस को लेकर कोई समझौता नहीं करती हैं शनाया

संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर पिछले दिनों इटली में छुट्टियां मनाती नजर आईं। शनाया कपूर अनंत और राधिका की प्री-वेडिंग समारोह में शामिल होने के लिए इटली पहुंची थीं। छुट्टियों से लौटने के बाद शनाया कपूर आज अपने जिम के बाहर स्पॉट की गईं ब्लैक जिम ऑउटफिट में शनाया कपूर काफी प्यारी लग रही थीं। शनाया कपूर ने अपने बालों का बन बनाया हुआ था और वे पैपराजी को देखकर स्माइल करती नजर आईं। सूत्रों की मानें तो शनाया कपूर जल्द ही फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

## शरवरी के दिल के बहुत करीब है बंटी और बबली 2

यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी बंटी और बबली 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी। हालांकि, इस फिल्म से एक अभिनेत्री को काफी ज्यादा फायदा पहुंचा। हम बात कर रहे हैं शरवरी वाघ की। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया कि बंटी और बबली 2 की वजह से उनके लिए हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुले। मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी मुंज्या की वजह से शरवरी इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म का एक गाना भी जारी किया गया था, जिसमें उनकी बोल्ड अदाओं ने फैंस की धड़कनें तेज कर दी थीं। मुंज्या का ट्रेलर देखने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साह है। अभिनेत्री इन दिनों इस फिल्म का जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। इस बीच एक साक्षात्कार के दौरान बंटी और बबली के सीक्वल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस फिल्म की वजह से उनके लिए कई दरवाजे खुल गए।

अभिनेत्री ने कहा, इंडस्ट्री के लोग इस फिल्म से पहले मुझे नहीं जानते थे। वे नहीं जानते थे कि शरवरी कौन है। अगर किसी चीज की वजह से आपको काम मिले तो उसे असफल नहीं कहा जा सकता। मुझे अपनी पहली फिल्म से काम मिल रहा है। मैं हमेशा इसके लिए आभारी रहूंगी, चाहे उन्होंने आगे कहा, मैं फिल्मी घराने से ताल्लुक नहीं रखती हूं। पहली फिल्म ही पाना मेरे लिए एक सपना जैसा था। मुंज्या मेरी दूसरी फिल्म है। जब आप फिल्म इंडस्ट्री के बाहर से होते हैं तो पहली फिल्म ही हासिल करना बड़ी बात होती है। इस बातचीत के दौरान शरवरी ने अपनी एक और आगामी फिल्म पर भी बात की। यशराज राज की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म में वह जल्द ही आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मेरी आगामी फिल्म में आलिया भट्ट हैं, जो हमारे देश की सबसे बड़ी सुपरस्टार में से एक हैं। मैं इस फिल्म में अपना सौ प्रतिशत देना चाहती हूं, ताकि लोग इसे पसंद करें और मुझे भी इस यूनिवर्स में बाकी सभी लोगों की तरह ही प्यार मिले।

## नोरा का अंतर्राट्रीय गाना

नोरा फतेही का नया गाना रिलीज हो चुका है। फोटो के साथ नोरा ने कैप्शन में लिखा, मेरे दिमाग में युद्ध चल रहे हैं। नोरा फतेही का बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय गाना नोरा आज शाम को रिलीज हुआ। इस गाने में नोरा अलग-अलग स्टाइल में नजर आईं अब्दरराफिया एलाब्डीओई द्वारा निर्देशित इस गाने को मोरक्को में फिल्माया गया है।

## गलत एंगल से तस्वीरें लेने पर पैपराजी पर भड़कीं मोना सिंह

अभिनेत्रियों की गलत एंगल से तस्वीरें और वीडियो निकालने पर अब अभिनेत्रियां मुखर होकर बोलने लगी हैं। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने इसकी निंदा की है। हाल ही में एक अभिनेत्री मोना सिंह और नेहा शर्मा ने इसे परेशान करने वाला बताया। एक साक्षात्कार में मोना सिंह ने बिना इजाजत के अभिनेत्रियों की तस्वीरें और वीडियो निकालने और गलत एंगल से जूम करने को लेकर पैपराजी की निंदा की है।

### क्या पैपराजी पुरुषों को गलत एंगल से जूम करेंगे?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साक्षात्कार के दौरान अभिनेत्री ने कवरेज में परेशान करने वाले दोहरे मानकों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपमान का सामना करना पड़ता है, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, 'पैपराजी अनुचित तरीके से महिलाओं के शरीर पर लोगों का ध्यान केंद्रित करते रहते हैं। क्या वे चलते समय किसी पुरुष के शरीर के किसी अंग को इस प्रकार जूम करेंगे। नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे। लेकिन वे हर महिला के साथ ऐसा करते हैं।'

### हर महिला कलाकार को उठानी चाहिए आवाज

अभिनेत्री मोना सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मुंज्या' के प्रचार-प्रसार में जुटी हैं। उन्होंने पैपराजी को द्वारा अपनी कवरेज सनसनीखेज बनाने के लिए 'वार्डरोब मालफंक्शन' की आशंका जताने पर उनकी जमकर आलोचना की है।

## विवेक अग्निहोत्री के बदले बोल, नेताओं को दे डाली नसीहत

द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी बेबाकी से लोगों को हैरान कर देते हैं। वो हर विषय पर मुखरता से बोलने के लिए जाने जाते हैं। राजनीतिक मुद्दा हो या सामाजिक विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी राय रखने में कभी भी पीछे नहीं रहते हैं। ज्यादातर वो अपने विवादित बयानों के चलते चर्चा में आ जाते हैं।

एक बार फिर उनके लंबे-चौड़े बयान ने लोगों का ध्यान खींचा है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर लोकसभा चुनाव को लेकर अपने विचार जाहिर किए हैं। उनका हालिया पोस्ट लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद सामने आया है। इस पोस्ट को पढ़ने के बाद आपको भी लगेगा कि विवेक रंजन अग्निहोत्री के बोल बदल गए हैं। उन्होंने पूराने हिंदुत्ववादी मुद्दों से यू-टर्न ले लिया है और हिंदूत्वाद पर अपने विचार जाहिर करते हुए नेताओं को नसीहत भी दे दी है।

लोग उनके इस पोस्ट अयोध्या में भाजपा की हार से जोड़कर देख रहे हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपने लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, हज़ारों सालों से विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों विशेष रूप से एकेश्वरवादी धर्मों ने हिंदू धर्म की समृद्ध और विविध परंपराओं का सामना किया है। आक्रमणों, धर्मांतरण, सामाजिक विघटन, नरसंहार और यहां तक कि राष्ट्र के खूनी विभाजन सहित कई खतरों के बावजूद, हिंदू धर्म की उदार, विविध, बहुलतावादी और समावेशी प्रकृति बची हुई है, बरकरार है। हिंदू धर्म ने हमेशा दार्शनिक जांच और स्वतंत्र सोच को महत्व दिया है। इसे अधिक कठोर, कर्मकांडीय प्रणाली में बदलने के प्रयास सफल नहीं हुए हैं, क्योंकि इसकी बहुलता, खुलेपन और सार्वभौमिक स्वीकृति की परंपराएं गहराई से समाहित हैं। स्वतंत्रता के बाद भी, राजनेताओं ने सत्ता प्राप्ति के अपने स्वार्थी लक्ष्यों के लिए हिंदू धर्म की आत्मा को दार्शनिक जिज्ञासा से बदलकर कर्मकांडीय दृढ़ता में बदलने का प्रयास किया है। उन्होंने इसे अमूर्त सार्वभौमिकता से बदलकर स्थानीय प्रतीकवाद में बदलने का प्रयास किया है। उन्होंने वोट पाने के लिए हिंदू धर्म के स्वतंत्र विचार वाले मन को नियम-आधारित अधीन मन में बदलने का प्रयास किया है।

विवेक रंजन अग्निहोत्री आगे लिखते हैं, मेरा मानना है कि हिंदू धर्म ऐसी परिस्थितियों में पनपता है, जहाँ जब इसके समावेशी डीएनए को बदलने या एकरूप राजनीतिक विचारधाराओं को थोपने का कोई प्रयास नहीं किया जाता। जब व्यक्तियों को अपने भोजन, पोशाक, भाषा, प्रथाओं और जीवन शैली के बारे में व्यक्तिगत विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होती है। जब कला, साहित्य, शोध, जांच, रचनात्मकता और मुक्त भाषण को राज्य और समाज द्वारा निवेश के रूप में समर्थन और बढ़ावा दिया जाता है। हिंदू स्वतंत्र विचार और रचनात्मकता को महत्व देते हैं। इस स्वतंत्रता का सम्मान करना और उसे बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

## विजय सेतुपति भी देंगे चंदू चैंपियन को चुनौती

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने जमकर मेहनत की है। फिल्म के ट्रेलर में यह बात साफतौर पर नजर आती है। दर्शकों को भी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। उम्मीद जताई जा रही है कि टिकट खिड़की पर यह फिल्म अच्छी शुरुआत करेगी। हालांकि, टिकट खिड़की पर इसका मुकाबला दो और फिल्मों से होने वाला है।

### चंदू चैंपियन का इस्मार्ट से होगा मुकाबला

चंदू चैंपियन का 14 जून को देशभर में रिलीज होने के लिए तैयार है। 83 के बाद निर्देशक कबीर खान यह फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मुकाबला पहले केवल पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बनी डबल इस्मार्ट से होना था, लेकिन अब एक और दक्षिण भारतीय फिल्म इसी तारीख को रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में निर्माताओं ने विजय सेतुपति की फिल्म महाराजा की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने महाराजा की रिलीज डेट 14 जून बताई है। इस फिल्म में विजय सेतुपति के अलावा अनुराग कश्यप, ममता मोहनदास, नट्टी और अभिराम जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में इसका ट्रेलर भी जारी किया गया था, जिसमें विजय की दमदार अदाकारी की झलक लोगों को देखने को मिली थी।